● वर्ष-3
● अंक-130
रायपुर, मंगलवार
09 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› क्या है इक्ष्वाकु की अयोध्या ...

14-15 को बैठक, सीट बंटवारे पर लगेगी मुहर!

नई दिल्ली। इंडि गठबंधन के लिए कई राज्यों में सीट बंटवारे का फार्मूला निकल पाना मुश्किल होता दिखाई दे रहा है। आम आदमी पार्टी के साथ बैठक मे कांग्रेस ने पंजाब और दिल्ली जैसे राज्यों में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा की। तो वहीं महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य को लेकर भी आने वाले दिनों में चर्चा होगी। जानकारी के मुताबिक 14 और 15 जनवरी को महाराष्ट्र में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा की जाएगी। महाराष्ट्र में 48 लोकसभा की सीटें हैं। महा विकास अघाड़ी में शामिल दल अपने-अपने तरीकों से सीटों पर दावेदारी कर रहे हैं। महाराष्ट्र में महा विकास अघोरी में शामिल दल 14 और 15 जनवरी को दिल्ली में बैठक करने वाले हैं। इस बैठक के बाद ही महाराष्ट्र में सीट बंटवारे को लेकर कोई फाइनल मुहर लग सकती है।

इस बैठक में मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी के अलावा शरद पवार, उद्धव ठाकरे जैसे वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। महाराष्ट्र के महा विकास अघाड़ी गठबंधन में उद्धव ठाकरे के शिवसेना शरद पवार की एनसीपी और कांग्रेसी शामिल है। हालांकि, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी फिलहाल विभाजन का सामना कर रही है। 2019 की तुलना में यह दोनों पार्टियों कमजोर नजर आ रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस फिलहाल सीटों को लेकर अपनी बड़ी दावेदारी कर रही है। पिछले दिनों कांग्रेस ने नागपुर में अपनी ताकत भी दिखाने की कोशिश की थी। उद्धव ठाकरे के शिवसेना 2019 में 23 सीटों पर चुनाव लड़ा था। यही कारण है कि वह अभी 23 सीटों पर चुनाव लड़ने की दावेदारी कर रही है। हालांकि कांग्रेस इतने पर तैयार होती दिखाई नहीं दे रही। वहीं, वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने शिवसेना (यूबीटी) से अपील की कि अगर महा विकास अघाड़ी के सदस्य सीट-बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप देने में विफल रहते हैं ।

नीतीश के अलावा कोई प्रधानमंत्री बनने लायक नहीं-जदयू

लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन के भीतर सीट बंटवारा एक बहुत बड़ी चुनौती है। इन सबके बीच इंडिया गठबंधन की शुरुआत करने वाले नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने उन्हें प्रधानमंत्री बनाने की मांग तेज कर दी है। इसके अलावा जदयू की ओर से साफ तौर पर कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार के अलावा इंडिया गठबंधन में कोई भी प्रधानमंत्री बनने लायक नहीं है। इसी कड़ी में जदयू विधायक गोपाल मंडल ने एक अजीबोगरीब बयान दे दिया है। जदयू विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि वह मल्लिकार्जुन खड़गे को नहीं जानते। उनको कोई भी नहीं जानता। दरअसल, इंडिया गठबंधन की बैठक में ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की ओर से पीएम पद के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम को आगे किया गया था। इसी के बाद जदयू की नाराज की और भी बढ़ गई थी। उन्होंने कहा कि अगले प्रधानमंत्री नीतीश कुमार होने चाहिए। उन्होंने पूरे देश की यात्रा की और भारत गठबंधन बनाया। नीतीश कुमार के अलावा कोई भी पीएम बनने लायक नहीं है।

लोस में दोनों मिलकर कहेंगे एक था इडि गठबंधनः भाजपा

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि इडि गठबंधन में भ्रम दिखाई देता है... इस प्रकार का भ्रम इसलिए है क्योंकि ये फोटो में तो हाथ से हाथ मिलाते हैं लेकिन दिल से दिल नहीं मिल पाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले भगवंत मान कह रहे थे कि एक थी कांग्रेस। उसके बाद पवन खेड़ा कह रहे हैं कि एक था जोकर... ये दोनों मिलकर एक बात कहेंगे कि एक था इडि गठबंधन क्योंकि आप का जन्म ही कांग्रेस पार्टी को समाप्त करके हुआ है, चाहें वो पंजाब हो या दिल्ली। अब जिस पार्टी ने उन्हें(कांग्रेस) समाप्त किया है क्या वे उसे टिकट दे पाएंगे?

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए सोमवार, 8 जनवरी को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। कांग्रेस पार्टी की गठबंधन समिति के प्रमुख मुकुल वासनिक ने बैठक पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, यह एक बहुत ही सार्थक बैठक थी। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वार्ता में भाग लेने के लिए अपने प्रतिनिधियों को भेजा और चर्चा ढाई घंटे तक चली। हालांकि, इस बैठक को लेकर भाजपा ने तंज कसा है।

बिलकिस बानो बलात्कार मामला

दोषी लोगों को रिहा करने का आदेश सुको ने किया रद्द

नई दिल्ली। गुजरात सरकार को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गुजरात में 2002 में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ बलात्कार और उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के दोषी 11 लोगों को रिहा करने के राज्य के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने फैसला सुनाया कि गुजरात सरकार इस तरह का आदेश पारित करने के लिए पर्याप्त सक्षम नहीं थी और इस कदम को धोखाधड़ी वाला कृत्य करार दिया। जस्टिस बीवी नागरथाना और उज्जल भुइयां की पीठ ने फैसला सुनाया और दोषियों को दो सप्ताह में आत्मसमर्पण करने और जेल लौटने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि 11 दोषियों की जल्द रिहाई को चुनौती देने वाली बिलकिस बानो की याचिका वैध है। सुप्रीम कोर्ट ने भौतिक तथ्यों को दबाने के लिए दोषियों में से एक पर कड़ी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप अंततः शीर्ष अदालत ने मई 2022 में अपने आदेश में सभी 11 दोषियों को रिहा करने का आदेश दिया।

पीठ ने कहा, महत्वपूर्ण तथ्यों को दबाकर और भ्रामक तथ्य बनाकर, एक दोषी द्वारा गुजरात राज्य को सजा माफी पर विचार करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। इस अदालत की ओर से सजा माफी पर विचार करने के लिए गुजरात सरकार को कोई निर्देश नहीं दिया गया था। यह एक धोखाधड़ी अधिनियम है।

पीठ ने कहा कि गुजरात सरकार को दोषियों की शीघ्र रिहाई पर आदेश पारित करने का अधिकार नहीं है क्योंकि ऐसे आदेश पारित करने की हकदार सरकार महाराष्ट्र है, जहां मुकदमा हुआ, न कि गुजरात। उन्होंने फैसला सुनाया। उस राज्य (महाराष्ट्र) की सरकार जहां अपराधी को सजा सुनाई गई थी, छूट देने के लिए उपयुक्त सरकार है, न कि उस राज्य (गुजरात) की सरकार जहां अपराध हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिनों की लंबी सुनवाई के बाद पिछले साल 12 अक्टूबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कार्यवाही के दौरान, केंद्र और गुजरात सरकार ने दोषियों की जल्द रिहाई से संबंधित मूल रिकॉर्ड प्रस्तुत किए। समय से पहले रिहा किए गए 11 दोषी हैं--जसवंत नाई, गोविंद नाई, शैलेश भट्ट, राध्येशम शाह, बिपिन चंद्र जोशी, केसरभाई वोहनिया, प्रदीप मोरधिया, बकाभाई वोहनिया, राजूभाई सोनी, मितेश भट्ट और रमेश चंदना।

माया ने सरकार से की सुरक्षा बढ़ाने की अपील

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने सोमवार को योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार से सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उनकी पार्टी के कार्यालय को %सुरक्षित% स्थान पर स्थानांतरित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि इससे बीजेपी को दलित विरोधी तत्वों से मजबूती से निपटने में मदद मिलेगी।

बीएसपी का यूपी सरकार से विशेष अनुरोध है कि मौजूदा पार्टी प्रदेश कार्यालय के बजाय कहीं और सुरक्षित स्थान पर व्यवस्था की जाए अन्यथा यहां कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है। साथ ही, इस असुरक्षा को देखते हुए सुरक्षा सुझाव पर पार्टी प्रमुख को अब पार्टी की अधिकतर बैठकें अपने निवास पर करने को मजबूर होना पड़ रहा है, जबकि पार्टी दफ्तर में होने वाली बड़ी बैठकों में पार्टी प्रमुख के पहुँचने पर वहाँ पुल पर सुरक्षाकर्मियों की अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ती है। ऐसे हालात में बीएसपी यूपी सरकार से वर्तमान पार्टी प्रदेश कार्यालय के स्थान पर अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर व्यवस्था करने का भी विशेष अनुरोध करती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अम्बिकापुर पहुंच कर मां महामाया मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर माँ महामाया का आशीर्वाद लिया। उन्होंने प्रदेश और देश की तरक्की, शांति और प्रदेश वासियों की खुशहाली की कामना की।

भारत और इजरायल से एक साथ दुश्मनी मालदीव को पड़ी भारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यटकों को लक्ष्यद्वीप आने की अपील की थी। पीएम मोदी के पोस्ट के बाद मालदीव के कुछ सोशल मीडिया हैंडल्स ने भारत और पीएम मोदी पर धावा बोल दिया। इनमें युवा अधिकार, कला और सूचना मंत्री मरियम शिउना शामिल हैं। उन्होंने पीएम मोदी के पोस्ट के कमेंट में लिख दिया क्या जोकर है, इजरायल के कठपुतली मिस्टर नरेंद्र

गोताखोर लाइफजैकेट के साथ। हालांकि जनका की नजर पड़ने के साथ ही शिउना ने अपना पोस्ट डिलीट कर दिया। लेकिन पूरे विवाद के बीच इजरायल भी खुलकर सामने आ गया है। इजरायल ने ऐलान किया है कि वो लक्ष्यद्वीप में समुद्री पानी को साफ करने के प्रोजेक्ट पर काम करने को तैयार है। इज़राइल ने घोषणा की है कि वह मंगलवार को लक्षद्वीप में डिसेलिनेशन कार्यक्रम शुरू करेगा, एक ऐसा कदम जो मालदीव को लेकर चल रहे विवाद के बीच भारतीय द्वीपसमूह में पर्यटन को और बढ़ावा दे सकता है।

प्रमुख समाचार

भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल का निधन

रायपुर । छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल का सोमवार सुबह निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। कांग्रेस पदाधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार शाखा के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि बघेल ने आज सुबह छह बजे रायपुर के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से बीमार थे। शुक्ला ने बताया कि उनके पार्थिव शरीर को रायपुर के शांतिनगर स्थित पाटन सदन में रखा जायेगा। पूर्व मुख्यमंत्री आज दोपहर बाद दिल्ली से रायपुर पहुंचेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट कर अपने पिता के निधन की सूचना दी। बघेल ने लिखा है, ''दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि बाबूजी श्री नंद कुमार बघेल जी का आज सुबह निधन हो गया। अभी पार्थिव शरीर को पाटन सदन में रखा गया है। मेरी छोटी बहन के विदेश से लौटने के बाद अंतिम संस्कार 10 जनवरी को हमारे गृह ग्राम कुरुदडीह में होगा।'' बघेल ने अपने पिता के साथ एक फोटो भी साझा की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नंदकुमार बघेल के निधन पर दुख जताया है।

'जल्लीकट्टू' कानून की वैधता की समीक्षा करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय तमिलनाडु में सांडों को वश में करने वाले खेल 'जल्लीकट्टू' को अनुमति देने के लिए राज्य की ओर से कानून में किए गए संशोधनों की वैधता को बरकरार रखने वाले अपने 2023 के फैसले की समीक्षा से संबंधित याचिकाओं पर विचार करने के लिए सोमवार को सहमत हो गया। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी की दलीलें सुनते हुए कहा कि समीक्षा याचिकाओं को सूचीबद्ध करने और इन पर विचार करने की जरूरत है। सीजेआई ने कहा, ''मैं आज (याचिकाओं की सूची पर) ईमेल देखूंगा।'' आमतौर पर, समीक्षा याचिकाओं पर शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों द्वारा चैंबर में विचार किया जाता है। न्यायमूर्ति के एम जोसेफ (सेवानिवृत्त) के नेतृत्व वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने पिछले साल 18 मई को तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक के उन संशोधन अधिनियमों की वैधता को बरकरार रखते हुए सर्वसम्मति से फैसला सुनाया था।

मुंबई में हथियारों और गोला-बारूद के साथ 6 गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने रविवार को मुंबई के एक गेस्टहाउस पर छापा मारकर छह लोगों को गिरफ्तार किया और तीन बंदूकें और गोला-बारूद बरामद किया। एटीएस के एक अधिकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोग, जो दिल्ली और उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं, मुंबई में डकैती करने की योजना बना रहे थे। अधिकारी ने बताया कि एटीएस टीम ने आरोपियों के पास से तीन बंदूकें, चार मैगजीन, 29 गोलियां, एक चाकू, एक कार और अन्य सामग्री बरामद की। उन्होंने बताया कि आरोपियों में से एक शादत हुसैन उर्फ कल्लू रहमत हुसैन, जो दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके का निवासी है, को एक हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था और हाल ही में जेल से बाहर आया था।

मुस्लिम विक्रेता 22 जनवरी को बंद रखेंगे मांस की दुकानें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख मुस्लिम संगठन ऑल इंडिया जमीयतुल कुरेश ने घोषणा की है कि वह 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर अभिषेक समारोह के दौरान लखनऊ में सभी मांस की दुकानें बंद रखेंगे। ऑल इंडिया जमीयतुल कुरेश के राष्ट्रीय सचिव शहाबुद्दीन कुरेशी और उपाध्यक्ष अशफाक कुरेशी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि पसमांदा मुस्लिम समुदाय ने लखनऊ के बिलोचपुरा, सदर कैंट, फतेहगंज और लाटूश रोड इलाकों में सभी मांस की दुकानें बंद रखने का फैसला किया है। शहाबुद्दीन कुरेशी ने राज्य के डिप्टी सीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा कि हम सब अवधवासी हैं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा पर सद्भावना को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि 22 जनवरी 2024 को बिलोचपुरा, सदर कैंट, फतेहगंज और लाटूश रोड क्षेत्र के सभी मीट व्यापारी अपना कारोबार बंद रखेंगे। वहीं, महाराष्ट्र में भाजपा विधायक राम कदम ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के दिन राज्य में शराब और मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया है।

शेख हसीना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। एक राजनयिक आदान-प्रदान में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधान मंत्री शेख हसीना से बात की, और संसदीय चुनावों में उनकी लगातार चौथी बार ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। पीएम मोदी ने चुनाव के सफल आयोजन के लिए बांग्लादेश के लोगों की भी सराहना की। इसको लेकर प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट किया है।

अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना से बात की और संसदीय चुनावों में लगातार चौथी बार ऐतिहासिक जीत पर उन्हें बधाई दी। मैं बांग्लादेश के लोगों को भी सफल चुनाव के लिए बधाई देता हूं। मोदी ने कहा कि हम बांग्लादेश के साथ अपनी स्थायी और जन-केंद्रित साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपको बता दें कि शेख हसीना ने रिकॉर्ड लगातार चौथी बार जीत हासिल की, क्योंकि उनकी पार्टी अवामी लीग ने आम चुनावों में भारी बहुमत हासिल किया।

इंडि गठबंधन में सीट बंटवारे की राह में बाधा बना प्रधानमंत्री पद

योगेंद्र योगी

विपक्षी गठबंधन इंडिया की चार बैठकों के बावजूद सीटों के तालमेल और प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का मुद्दा उलझने से लोकसभा चुनाव में भाजपा से मजबूती से संयुक्त रूप से मुकाबला करने पर संशय बना हुआ है। गठबंधन के दल अपनी सुविधा के हिसाब से चुनावी गणित लगा रहे हैं। क्षेत्रीय दल राज्यों के हिसाब से सीटों की दावेदारी जता रहे हैं। कोई भी दल यह नहीं चाहता कि उसके प्रभाव वाले राज्य में कांग्रेस या अन्य दलों से सीटों की शेयरिंग की जाए। यही कारण है कि विपक्षी एकता पर अभी तक सवालिया निशान लगे हुए हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक में शिवसेना ने 23 सीटों पर अपना दावा किया। उद्धव गुट ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में उनके उम्मीदवारों ने काफी सीटें जीतीं थीं लेकिन अभी ज्यादातर उम्मीदवार एकनाथ शिंदे कैंप में जा चुके हैं। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में 23 सीटों की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) की मांग को खारिज कर दिया।

महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं का कहना था कि शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना में बगावत होने के बाद कांग्रेस ही राज्य में सबसे पुरानी पार्टी बची है। पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि पार्टियों के बीच समायोजन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हालांकि हर पार्टी सीटों की बड़ी हिस्सेदारी चाहती है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए शिवसेना की 23 सीटों की मांग काफी ज्यादा है। वर्ष 2019 में अविभाजित शिवसेना बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा थी।

इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग का इंतजार किए बगैर ही समाजवादी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में इलेक्शन की तैयारी कर रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन की जीत को लेकर बड़ा दावा कर दिया। अखिलेश यादव के मुताबिक अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की सभी

80 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। सपा अध्यक्ष के बयान से जाहिर है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। अर्थात कांग्रेस को अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि कांग्रेस ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है। लेकिन यह निश्चित है कि अखिलेश यादव आसानी से कांग्रेस से सीट शेयरिंग करने को तैयार नहीं होंगे। सीट शेयरिंग का मुद्दा इंडिया गठबंधन के लिए सुलझाना आसान नहीं है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अध्यक्ष ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन देशभर में बीजेपी से मुकाबला करेगा। बंगाल में इस लड़ाई का नेतृत्व टीएमसी करेगी। इससे जाहिर है कि ममता ने कांग्रेस को साफ संदेश दे दिया है कि पश्चिम बंगाल में सीट शेयरिंग का मुगालता नहीं पाले। ममता और अखिलेश की तरह बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार भी इस बात के समर्थक रहे हैं कि जिन राज्यों में जिन दलों का प्रभाव है, अर्थात पिछले लोकसभा चुनाव में जिस दल की सीटें जितनी हैं, उस हिसाब से सीट शेयरिंग की जाए। ऐसे में बिहार में कांग्रेस के लिए तालमेल बिठाना मुश्किल है। कमोबेश यही स्थिति अरविन्द केजरीवाल की पार्टी आप की है। केजरीवाल भी कांग्रेस को दिल्ली और पंजाब से बाहर रखना चाहते हैं। दिल्ली में हुई बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रस्तावित करने पर यह मुद्दा गरमा गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि 1977 का लोकसभा चुनाव विपक्ष ने मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए बिना लड़ा था। पवार ने यह भी भरोसा जताया कि अगले आम चुनाव के लिए इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभरेगा। प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के बीच इस बात के कयास लगाए गए कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार खरगे का नाम आगे बढ़ाए जाने से नाराज हैं। नीतीश कुमार ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने का सुझाव और उन्हें गठबंधन का संयोजक नहीं बनाए जाने के कारण उन्हें मायूसी हुई और वे इसको लेकर नाराज हैं।

इंडिया गठबंधन की चार बैठकों के बावजूद सीट शेयरिंग को लेकर कोई नतीजा नहीं निकलने से इस बात के साफ संकेत हैं कि यह मुद्दा बोतल के जिन्न की तरह है, जिसके निकलते ही दल की एकता के भंग होने का खतरा है। सभी दल अपनी ताकत बढ़ाने के लिए दूसरे दलों से सीट शेयरिंग के लिए आसानी से तैयार नहीं होंगे। इसमें सबसे ज्यादा फजीहत कांग्रेस की होनी तय है। कांग्रेस को कोई भी दल सीट नहीं देना चाहता। इस बात की संभावना क्षीण है कि कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के सीट शेयरिंग फार्मूले से सहमत होगी, ऐसे में प्रमुख राज्य कांग्रेस के हाथ से निकल जाएंगे, जिसे कांग्रेस कदापि नहीं चाहेगी। इसी वजह से गठबंधन की कवायद पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं।

आदिवासी सीएम के राज में आदिवासियों को अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है: बैज

सरगुजा। छत्तीसगढ़ में हसदेव अरण्य का विवाद थमता नहीं दिख रहा है। हसदेव जंगल कटाई मामले पर सियासी दलों के बीच बयानबाजी का दौर जारी है। हसदेव बचाओ आंदोलन में किसान नेताओं के साथ ही कांग्रेस, आप और अन्य विपक्षी पार्टियों ने हिस्सेदारी निभाई। प्रदर्शन को देखते हुए जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए थे। बड़ी संख्या में आंदोलनकारियों को बीच रास्ते में ही रोक लिया गया। जिससे नाराज प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हल्की झूमाझटकी भी हुई।

धरनास्थल पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को कांग्रेस जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी। ग्रामीण आदिवासियों के आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे पीसीसी चीफ ने स्वीकार किया कांग्रेस की सरकार में कुछ चूक हुई है। पीसीसी अध्यक्ष ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, खदान के लिए फर्जी ग्राम सभा भाजपा के सरकार में हुई। हमारी कमी है कि हम जांच करा कर उसे

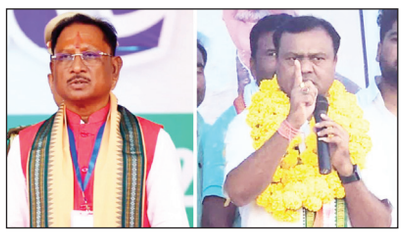

निरस्त नहीं करा सके। तब केंद्र का दबाव था, लेकिन अब यहां डबल इंजन की सरकार है। मुख्यमंत्री भी आदिवासी हैं। यदि वे आदिवासियों के सच्चे हितैषी हैं तो लगाएं एक फोन प्रधानमंत्री को और कहें कि आदिवासियों के हित में खदान निरस्त कर दें।

दीपक बैज ने कहा भाजपा आदिवासी मुख्यमंत्री को चेहरा बनाकर अडानी के लिए छत्तीसगढ़ के जल, जंगल और जमीन को लूटने का काम कर रही है। सरकार बनने के साथ ही हसदेव में जंगल की कटाई शुरू होना इसका प्रमाण है।

उदयपुर विकासखंड के ग्राम हरिहरपुर में चल रहे इस आंदोलन को देशभर से समर्थन मिल रहा है। बड़ी संख्या में लोग आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंच रहे है। इसी कड़ी में रविवार को हरिहरपुर में संयुक्त मोर्चा द्वारा हसदेव बचाओं को आंदोलन को समर्थन देने के साथ ही विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। इस धरना प्रदर्शन में किसान नेताओं के साथ ही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, आप की सचिव प्रियंका शुक्ला, अलोक शुक्ला सहित बड़ी संख्या में विपक्षी दलों के नेता और सामाजिक कार्यकर्ता पहुंचे थे।

प्रदर्शन को देखते हुए जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। धरना स्थल पर एक हजार से अधिक पुलिस बल को तैनात किया गया था जबकि कोरबा, कटघोरा व चोटिया के समीप धरना स्थल की ओर जा रहे लोगों को रोक दिया गया था और उनके काफिले को आगे नहीं जाने दिया गया। पुलिस व प्रशासन की सख्ती के बीच प्रदर्शनकारी एनएच 130 से लगभग तीन किलोमीटर का पैदल सफर कर धरना स्थल पर पहुंचे। पेड़ों की कटाई और कोल उत्खनन के विरोध में 5 हजार से अधिक की संख्या में विभिन्न संगठन के लोगों ने अपना विरोध जताया जबकि देर शाम पुलिस द्वारा रोके गए वाहनों के काफिले को छोड़ने के बाद जोहार छत्तीसगढ़ के लगभग 300 वाहन घटना स्थल पहुंचे।

राजस्थान राज्य विद्युत निगम लिमिटेड के साथ अडानी की कंपनी ने अनुबंध किया है। जिसके तहत कोल परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई की जा है। जिसके विरोध में हसदेव बचाओ आंदोलन चलाया जा रहा है। हसदेव अरण्य क्षेत्र में पेड़ों की कटाई और कोल उत्खनन को लेकर स्थानीय ग्रामीणों द्वारा 675 दिनों से आंदोलन किया जा रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि 1 लाख 72 हेक्टेयर में फैले हसदेव अरण्य क्षेत्र को पूर्ण रूप से सुरक्षित कर पेड़ों की कटाई और कोल उत्खनन का कार्य बंद किया जाए। रविवार को आंदोलन के तहत ग्राम हरिहरपुर में संयुक्त मोर्चा ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

हसदेव अरण्य को लेकर कांग्रेस का भाजपा पर हमला, अडाणी को जमीन देने का आरोप

कोरबा। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर हसदेव अरण्य को लेकर राजनीति शुरु हो गई है। खनन के लिए पेड़ों की कटाई की जा रही है।जिसके खिलाफ आदिवासियों ने आवाज उठाई है। वहीं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज हसदेव अरण्य क्षेत्र में चल रहे आंदोलन में शामिल हुए। दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार आने के बाद पेड़ों की कटाई शुरु हुई है।बीजेपी जंगलों को काटकर इसकी जमीन उद्योगपति को देना चाहती है। वहां बसे आदिवासियों को बेदखल करने का काम किया जा रहा है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई जा रही है।

दीपक बैज के मुताबिक हसदेव अरण्य क्षेत्र में हो रही जंगलों की कटाई को लेकर आदिवासियों और वनवासियों में बेहद आक्रोश है। पूरे प्रदेश में इसे लेकर विरोध चल रहा है। वहां के प्रभावितों से भी मिलकर आंदोलन को तेज किया जाएगा। इस मामले में कांग्रेस की ओर से गठित जांच कमेटी में टीएस सिंहदेव का नाम नहीं है। जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए बैज ने कहा कि बाबा ने खुद ही अनुरोध किया था कि मैं वहां जा चुका हूं, प्रभावितों से लगातार संपर्क

में हूं। इसलिए और नेताओं को अवसर मिलना चाहिए।हमारी उनसे बात हुई है।

दीपक बैज के मुताबिक छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में हार के बाद जिन्होंने अनुशासनहीनता की थी। उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई है। जिन पूर्व विधायकों को भी निलंबित किया गया है या जिनके विरुद्ध भी कार्रवाई हुई है। वह आगे यदि ठीक तरह से रहते हैं। तब तो ठीक है, यदि नहीं तो उनकी वापसी पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। फिलहाल लोकसभा तक किसी भी तरह के निलंबन को वापस नहीं लिया जाएगा। आगे उनके आचरण के हिसाब से निर्णय होगा। दीपक बैज ने लोकसभा चुनाव को लेकर भी बीजेपी को निशाने पर लिया। बैज की माने तो बीजेपी के पास श्रीराम के अलावा और कोई मुद्दा नहीं है। महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी पर वह बात नहीं करते। वह सिर्फ और सिर्फ राम के नाम पर वोट मांगना चाहते हैं। यह बातें जनता समझ चुकी है। राम केवल बीजेपी के नहीं हैं। राम के प्रति सबकी आस्था है और श्री राम के नाम पर वोट मांगना बीजेपी की पुरानी आदत है। बता दें राजस्थान राज्य विद्युत निगम लिमिटेड के साथ अडाणी की कंपनी ने अनुबंध किया है। जिसके तहत अडाणी को छत्तीसगढ़ में आबंटित कोल ब्लॉक में पेड़ों की कटाई की जा रही है।

पीएम गरीब कल्याण योजना, गरीबों की राशन जुटाने की चिंता हुई दूर

महासमुंद जिले में अब 3 लाख परिवार ले रहे योजना का लाभ

महासमुंद। देशभर में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को खाद्यान्न की कमी न हो इसलिए प्रत्येक सदस्य के हिसाब से 5 किलो चावल प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत निशुल्क दिया जा रहा है। यह योजना महासमुंद जिले के लाखों परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। जो परिवार आर्थिक तंगी के कारण हमेशा खाद्यान्न जुटाने को लेकर परेशान रहते थे, वे अब केन्द्र सरकार के इस योजना के तहत निशुल्क चावल पाकर खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना की शुरुआत महासमुंद जिले में वर्ष 2020 में हुई। तब से लेकर आज तक जिले के 3 लाख 110 परिवारों के प्रत्येक सदस्य को 5 किलो निशुल्क चावल शासकीय उचित मूल्य की दुकान से दिया जा रहा है। जिले के 553 ग्राम पंचायतों में से एक है ग्राम पंचायत लाफिनखुर्द। यहां 819 परिवारों को शासकीय उचित मूल्य की दुकान से राशन वितरण किया जाता है। इनमें से 756 परिवार प्राथमिकता और अंत्योदय कार्ड धारक है, जिनके परिवार के प्रत्येक सदस्य को गरीब कल्याण योजना के तहत 5 किलो चावल निशुल्क दिया जा रहा है। निशुल्क चावल मिलने से इन परिवार के

लोगों को राशन जुटाने की चिंता समाप्त हो गई और ये लोग खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के संदर्भ में जहां सेल्समैन का कहना है कि हमारे यहां लोगों को हर माह प्रत्येक सदस्य के हिसाब से निशुल्क 5 किलो चावल वितरण किया जाता है। वहीं, खाद्य विभाग के आला अधिकारी का कहना है कि आत्मनिर्भर भारत के तहत लोगों के खाद्यान्न की कमी को दूर करने और खाद्यान्न के बिना कोई व्यक्ति भूखा न रहे इस उद्देश्य से यह योजना चलाई जा रही है। गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना शुरुआती दौर में कोविड काल तक के लिए शुरू की गयी थी ,पर प्रधानमंत्री ने इसे अब 5 वर्ष के लिए आगे बढ़ा दिया है।

उदंती नेशनल पार्क के कब्जाधारियों की याचिका खारिज, वन विभाग के पक्ष में दिया फैसला

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में अवैध कब्जे के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ आदेश जारी करते हुए उनके खिलाफ जल्द करवाई करने के निर्देश दिये हैं। बिलासपुर हाईकोर्ट ने सभी को जंगल से हटाकर अवैध कब्जा खाली कराने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट में उदंती नेशनल पार्क में अतिक्रमण करने वाले अतिक्रमण कारियों ने दलील दिया कि वे पिछले 30 सालों से इन वन भूमि में रह रहे हैं और वो वन अधिकार पट्टा पाने के अधिकारी हैं। लेकिन हाईकोर्ट ने उनकी दलीलों को खारिज करते हुए वन विभाग द्वारा पेश किए दस्तावेज और सबूत के आधार पर अपना फैसला सुनाया है। बिलासपुर हाईकोर्ट ने माना है कि सभी याचिकाकर्ता अतिक्रमणकारी हैं और पिछले एक दशक में 30 अतिक्रमण कारियों ने कब्जा कर पेड़ों को काटकर रहना शुरू कर दिया है। इस मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट ने सभी अतिक्रमण कारियों को जंगल से हटाने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में 30 लोगों ने जंगल को काटा और अतिक्रमण कर अपना घर बना लिया है।

ये सभी पिछले 10 सालों में लगातार पेड़ों की कटाई कर रहे हैं और यहां बसने की फिराक में है। पिछले दिनों अतिक्रमण कारियों को वन विभाग ने वन भूमि खाली करने नोटिस जारी किया था। जिसके बाद अतिक्रमण कारियों ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया कि वे 25 सालों से भी ज्यादा समय से उस जगह में रह रहे हैं और वन अधिकार पट्टा पाने का अधिकार रखते हैं। मामले में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने पिछली सुनवाईयों में वन विभाग से कई जानकारियां मांगी थी। जिस पर वन विभाग ने इसरो उपग्रह इमेजरी के साथ ही कई महत्वपूर्ण दस्तावेज पेश किया। सबूतों के आधार पर बिलासपुर हाईकोर्ट ने माना कि सभी याचिकाकर्ता अतिक्रमणकारी हैं और पिछले एक दशक में ही यहां बसे हैं। बिलासपुर हाईकोर्ट ने यह पाया कि सभी याचिकाकर्ता कोर्ट को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके द्वारा दावा की गई वन भूमि को लेकर सबूत या स्वामित्व दस्तावेज भी नहीं हैं। बिलासपुर हाईकोर्ट ने वन विभाग द्वारा पेश किए सबूत और दस्तावेज के आधार पर निर्देश जारी कर सभी अतिक्रमण को 10 जनवरी तक वन भूमि से हटाने की कार्रवाई करने के आदेश वन विभाग को दिए हैं।

केसीसी लिए बिना किसान के नाम से निकल गये रुपये

बलरामपुर। बलरामपुर रामानुजगंज जिले के सहकारी केंद्रीय बैंक अंबिकापुर शाखा रामानुजगंज के कार्यशैली को लेकर हमेशा से विवादों में रहा है। कई बार किसानों के द्वारा बैंक की कार्यशैली को लेकर आंदोलन भी किया गया। यहां तक जनप्रतिनिधियों ने भी बैंक की कार्यशैली को लेकर नाराजगी जताई है जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा रामानुजगंज के खाताधारी किसानों के होश तब उड़ गए जब उनको पता चला कि उनके द्वारा कोई केसीसी नहीं गया है एवं उनके नाम से केसीसी निकाल लिया गया है। किसानों को जब से पता चला है कि उनके नाम से केसीसी है बैंक के अधिकारी के पास जब वे जा रहे हैं तो सिर्फ बैंक के अधिकारी उन्हें दौड़ने का काम कर रहे हैं।

ग्राम केरवशीला के सूरजदेव सिंह ने बताया कि केसीसी के लिए कोई आवेदन नहीं किया था, 2023 में जब केसीसी लोन के लिए आवेदन किया तो मेरे नाम से 25 हजार रुपये का लोन पास हुआ जिसके बाद मैने 20 हजार का चेक काटा और बैंक में गया तो बैंक में कहा गया की दो हजार शेयर का भी कटेगा उसके बाद मैने 22 हजार का चेक काट कर बैंक में लगाया तो बैंक कर्मी के द्वारा बताया गया कि आपके नाम से 62 हजार का लोन पहले से है। जबकि मैने कभी भी केसीसी लिया ही नही।

इसी प्रकार केरवाशीला के भिखारी सिंह के नाम से 42 हजार का केसीसी, नगरा के गजेंद्र सिंह के नाम से 29 का केसीसी निकाला गया है। जबकि उनके द्वारा कभी केसीसी लिया ही नहीं गया है। इसी प्रकार भवरमाल के राजेश सिंह के नाम से केसीसी 40 हजार निकाला गया। लेकिन उनके द्वारा भी केसीसी नहीं लिया गया इसी प्रकार कई अन्य किसान हैं जिनके द्वारा कभी केसीसी लिया ही नहीं गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

अवैध अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर विकासखंड के ग्राम पंचायत बरतीखुर्द में अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन का बुलडोजर चला है। दरअसल बरती खुर्द के प्राथमिक व मिडिल स्कूल परिसर में वर्षों से एक पंचायत सचिव ने अवैध रूप से घर बना लिया था, जिसका लगातार ग्राम पंचायत विरोध कर रहा था। वहीं अब नगर तहसील से अतिक्रमण हटाने का आदेश पारित करने के बाद तहसीलदार व स्थानीय पुलिस की मदद से अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। इस मामले में वाड्रफनगर तहसीलदार ने जानकारी देते हुए बताया कि लंबे समय से यह प्रकरण तहसील न्यायालय में चल रहा था, जिस पर प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की गई है। उक्त व्यक्ति द्वारा विद्यालय परिसर में कई वर्षों से अतिक्रमण किया गया था और कई बार समझाइश देने के बावजूद भी वह नोटिस लेने से भी मना कर देता था। अंतत: न्यायालीन प्रक्रिया के तहत अवैध अतिक्रमण को हटाया गया और विद्यालय परिसर को मुक्त किया गया है।

गृहमंत्री के गृह जिले में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के कवर्धा विधानसभा क्षेत्र से विधायक, डिप्टी सीएम और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा के गृह जिले में पुलिस एक्शन मोड में है। बीते दो दिन के भीतर कबीरधाम पुलिस ने जुआ, सट्टा, अवैध शराब के खिलाफ दर्जन भर कार्रवाई की है। पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्र के चार आरोपियों से 6880 रुपये की शराब, एक सट्टोरी से 550 रुपये समेत 14 जुवारिओ से 14 हजार 570 रुपये जब्त किए हैं। सट्टे के मामले में तो पोंडी पुलिस चौकी पुलिस ने आरोपी रियाजुद्दीन उर्फ गोलू पिता जोहीयूद्दीन उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम पोडी को जेल भी भेजा है। इसके अलावा कोतवाली पुलिस ने कवर्धा शहर वार्ड नंबर आठ शंकर नगर विनायक स्कूल के पीछे से 14 लोगों को जुआ खेलते पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों में इलियास खान, विनोद साहू, मुकेश साहू, महेंद्र साहू,धनंजय सिंह, रणजीत सिंह, राकेश कौशिक, सुनील कुमार, दशरथ साहू, रितेश डार्सेना, विक्रम साहू, पिंटू साहू, राधे साहू, शंकर साहू शामिल हैं।

ट्रेनों में पत्थरबाजी के मामले में 13 वर्षीय बालक गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा में रेलवे पुलिस ने ट्रेनों में पत्थरबाजी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक 13 वर्षीय बालक को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बालक अपने साथियों के साथ खेल-खेल में ट्रेनों में पत्थर फेंका करता था। सूचना मिलने के बाद रेलवे पुलिस हरकत में आई और बालक को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे पुलिस ने जागरुकता अभियान चलाने की बात कही है। देश के अन्य राज्यों के साथ ही प्रदेश के कोरबा जिले में भी ट्रेनों में पत्थरबाजी की घटनाएं बढ़ने लगी है। लगातार घट रही घटनाओं से परेशान रेलवे पुलिस ने जांच कार्रवाई शुरु की और एक 13 वर्षीय बालक को गिरफ्तार कर लिया। रेलवे पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि दीपका और सीपत के बीच बिछी नई रेल लाइन में कुछ बच्चे लगातार पत्थरबाजी कर रहे थे। शिकायत मिलने के बाद वे मौके पर पहुंचे और एक बालक को गिरफ्तार कर लिया।

मुर्गी दाना लेकर जा रहे ट्रक में टायर फटने से लगी आग

जगदलपुर। सुकमा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक ट्रक मुर्गी दाना लेकर जाने के दौरान अचानक से टायर फटने से उसमे आग लग गई, घटना के बाद चालक ने वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं ट्रक पूरी तरह से जलकर राख हो गया। वहीं घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस आ पहुंची काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मामले के बारे में पुलिस ने बताया कि बिलासपुर से मुर्गी दाना लेकर आंध्र प्रदेश के गुड़ीवाड़ा जा रहा ट्रक सोमवार की सुबह जैसे ही सुकमा थाना क्षेत्र में पहुँचा तभी अचानक से ट्रक का टायर फट गया जिससे ट्रक में आग लग गई। आग लगता देख ड्राइवर ट्रक से कूदकर अपनी जान तो बचा लिया लेकिन ट्रक पूरी तरह से जल गया। घटना सुकमा से 10 किमी दूर जगदलपुर मार्ग पर हुई है।

बेमेतरा के बांस फैक्ट्री में आग, सामान जलकर खाक

बेमेतरा। बेमेतरा के कठिया किरतपुर गांव की बांस फैक्टरी में बीती रात आगजनी हो गयी। आग लगने का पता चलते ही कर्मचारी और गांववालों ने आग बुझाने की कोशिश की। गांववालों ने दमकल विभाग को भी सूचना दी, लेकिन जब तक दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची, फैक्ट्री का सबकुछ जलकर खाक हो गया था। हालांकि बेमेतरा से आई फायर ब्रिगेड ने देर रात आग पर काबू पाया। पूरी घटना बेमेतरा जिला मुख्यालय से 12 किमी दूर के कठिया (किरितपुर) गांव की है। यहां गणेश वर्मा की भव्य सृष्टि उद्योग (बांस फैक्टरी) नाम की बांस को प्लास्टिक कोटेड करने वाली फैक्टरी है। जहां बीती रात आगजनी हो गई। देखते ही देखते आग की लपटें पूरे फैक्टरी को अपने आगोश में ले लिया। गांव वालों ने जब आग की लपटें देखी, तो संबंधित विभाग को आगजनी की सूचना दी। इस आगजनी में लाखों के समान जलकर खाक हो गए हैं। जब तक फायर ब्रिगेड वाहन मौके तक पहुंचती, तब तक फैक्टरी में रखे लाखों के बांस, 2 वाहन और मशीन जलकर खाक हो चुके थे।

भाजपा नेता की हत्या के बाद पखांजुर में तनाव, परलकोट बंद

कांकेर। कांकेर जिले के भाजपा उपाध्यक्ष असीम राय की रविवार रात गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद सोमवार की सुबह से इलाके में तनाव बना हुआ है। राय के समर्थक और भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए हैं। जगह-जगह रास्ता जाम कर हमलावरों को चिह्नित कर गिरफ्तारी की मांग की जा रही है। इधर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि पुलिस जांच कर रही है। सभी आरोपी जल्द पुलिस के गिरफ्त में होंगे। उनकी तरफ से स्पष्ट निर्देश है कि कानून के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं बंग समाज ने राजधानी रायपुर में आज शाम बैठक भी आहूत की है।

इधर, परलकोट क्षेत्र में बंद का व्यापक असर हुआ है। पखांजुर पुराने बाजार चौक, कापसी बाजार चौक मुख्य

सड़क पर प्रदर्शन जारी है। इलाके में दुकान-बाजार बंद हैं। चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। अब तक हमलावरों का सुराग नहीं मिल पाया है।

बता दें कि कांकेर के पखांजूर में रविवार रात आठ बजे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष व पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष असीम राय की दो अज्ञात वाहनधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी । पुराना बाजार इलाके में हुई वारदात के बाद असीम के समर्थकों ने हंगामा मचाया। एक पार्षद के लाज में तोडफ़ोड़ भी की गई।

हत्या के विरोध में सोमवार को भाजपा ने नगर बंद का आह्वान किया है। पुलिस के अनुसार एसडीओपी कार्यालय के पास स्वयं के काम्प्लेक्स से घर जाते समय असीम को गोली मारी गई। डाक्टर पीयूष टोप्पो ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई थी। उन पर आठ वर्ष पहले भी आपसी रंजिश को लेकर हमला किया था, तब हमलावरों की चलाई गई गोली उनके हाथ को छूकर निकल गई थी। नक्सलियों की भी धमकी भी मिली थी।

भाजपा नेता की हत्या पर प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने जताया दुख

कांकेर। भाजपा नेता की हत्या होने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा है कि पखांजूर के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष और भाजपा जिला उपाध्यक्ष असीम राय की निर्मम हत्या की गई। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। आपकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। शोकसंतप्त परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य रखने की प्रार्थना करता हूं। विश्वास दिलाता हूं कि शासन-प्रशासन आपके साथ है। दोषियों को बखूशा नहीं जाएगा। बता दें कि पंखाजूर में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष और बीजेपी नेता असीम राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक बीजेपी नेता को अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी थी और मौके से फरार हो गए थे। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। बीजेपी नेता और जिला उपाध्यक्ष असीम राय पखांजूर के पुराना बाजार पहुंचे थे। इसी दौरान इस दौरान अज्ञात हमलावरों ने इस घटना को अंजाम दिया। घटना की जानकारी के बाद कांकेर पुलिस मौके पर पहुंची हुई है। इस वारदात को नक्सलीयों ने अंजाम दिया या फिर यह हत्या आपसी रंजिश में की गई है पुलिस इसका पता लगाने में जुट गई है।

हसदेव जंगल की कटाई के विरोध में भीम आर्मी ने किया प्रदर्शन

महासमुंद। जिले में भीम आर्मी भारत एकता मिशन के बैनर तले भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर चौक पर हसदेव अरण्य के जंगलों को बचाने भीम राव अंबेडकर के प्रतिमा के नीचे एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान भीम आर्मी के सदस्यों ने हसदेव को लेकर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

भीम आर्मी की मांग है कि छत्तीसगढ़ प्रांत में कोरबा, सरगुजा और सूरजपुर जिले मे लगभग 170000 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हसदेव अरण्य के जंगलों से लगभग लाखों पेड़ों को कोल ब्लाक विस्तार के नाम से काटा जा रहा है। जिससे वहां पर निवास करने वाले आदिवासियों के ऊपर विस्थापन का खतरा मंडरा रहा है और जंगली जानवरों की भारी मौजूदगी है। उनके भी विस्थापन का खतरा है। इसलिए हसदेव अरण्य के जंगलों की कटाई रोकी जाए।

भीम आर्मी के जिला प्रभारी का कहना है कि हमारे मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया था तो संपूर्ण महासमुंद जिला बंद कर उग्र आंदोलन किया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय ने वर्ष-2024 के शासकीय कैलेण्डर का किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने यहां राज्य अतिथि गृह (पहुना) में वर्ष 2024 के शासकीय कैलेण्डर का विमोचन किया। सुशासन का सूर्योदय थीम पर आधारित इस कैलेण्डर के मुख्य पृष्ठ पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की फोटो है। जनवरी माह में प्रभु श्री राम के चित्र के साथ भारत के सांस्कृतिक गौरव की पुनः प्रतिष्ठा के संकल्पना लिए अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर को दर्शाया गया है। फरवरी माह में राजिम के त्रिवेणी संगम पर भगवान श्री राजीव लोचन का धाम, मार्च माह में महतारी वंदन योजना, अप्रैल माह में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 18 लाख पात्र परिवारों को अपना घर दिलाने का संकल्प दर्शाया गया है। शासकीय कैलेण्डर 2024 के विमोचन के इस खास मौके पर उपमुख्यमंत्री द्वय श्री अरूण साव, श्री विजय शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद और आयुक्त जनसंपर्क श्री मयंक श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

सीएम ने शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद से प्रदेश की सुख-समृद्धि का लिया आशीर्वाद

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने गोवर्धन मठ पुरी के पीठाधीश्वर श्रीमद जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद जी महाराज से रावांभाटा स्थित शंकराचार्य आश्रम में सौजन्य मुलाकात कर प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने भी जगद्गुरु शंकराचार्य से आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर विधायक श्री धरमलाल कौशिक और श्री मोतीलाल साहू भी उपस्थित रहे।

आपात चिकित्सा अधिकारी ने कार्य में व्यवधान डालने वाले डॉक्टर की शिकायत

रायपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में सोमवार को आपात चिकित्सा विभाग में ड्यूटी के दौरान उपस्थित आपात चिकित्सा अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार धक्कामुक्की किये जाने का मामला प्रकाश में आया जिसके बाद आपात चिकित्सा अधिकारी ने इसकी शिकायत संयुक्त संचालक स्वास्थ्य व अस्पताल अधीक्षक से करते हुए जांच की मांग कर दोषी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सोमवार, 8 जनवरी को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अस्पताल के आपात चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय वर्मा ने संयुक्त संचालक एवं अंबेडकर अस्पताल के अधीक्षक से लिखित शिकायत करते हुए कहा कि जब वे कार्य पर उपस्थित होकर अपना कार्य कर रहे थे उसी दरम्यान डॉक्टर देवप्रिया लाकरा ने उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए उनके साथ धक्का-मुक्की की और कोहिनी से मारकर देख लेने की धमकी दी। डा. देवप्रिया लाकरा ने उनसे कहा कि मैं तुम्हें नौकरी से भी निकलवा सकती हूं। डा. वर्मा ने अपनी शिकायत में कहा है कि डा. लाकरा ने सभी कर्मचारियों के साथ मेरे साथ जो गाली-गलौज और दुर्व्यवहार किया है उससे मुझे काफी ठेस पहुंची है और मैं स्वयं को अपमानित और आहत महसूस कर रहा हूं। आज तक मैंने अपने कार्य के दौरान कभी भी कोई लापरवाही नहीं बरती और न ही किसी के साथ दुर्व्यवहार किया है। डा. वर्मा ने इस मामले को गंभीरता से लेने की बात कहते हुए अपनी शिकायत में कहा है कि इसकी जांच होनी चाहिए और दोषी डाक्टर के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पिता नंद कुमार बघेल का निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल का सोमवार सुबह निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। कांग्रेस पदाधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार शाखा के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि बघेल ने आज सुबह छह बजे रायपुर के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से बीमार थे। शुक्ला ने बताया कि उनके पार्थिव शरीर को रायपुर के शांतिनगर स्थित पाटन सदन में रखा जायेगा। पूर्व मुख्यमंत्री आज दोपहर बाद दिल्ली से रायपुर पहुंचेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट कर अपने पिता के निधन की सूचना दी। बघेल ने लिखा है, ''दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि बाबूजी श्री नंद कुमार बघेल जी का आज सुबह निधन हो गया। अभी पार्थिव शरीर को पाटन सदन में रखा गया है। मेरी छोटी बहन के विदेश से लौटने के बाद अंतिम संस्कार 10 जनवरी को हमारे गृह ग्राम कुरुदडीह में होगा।

नंदकुमार बघेल के निधन पर सीएम साय प्रियंका गांधी और महंत ने जताया दुख

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल के निधन पर सीएम विष्णु देव साय, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सीएम साय ने मृत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवारजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना ईश्वर से की है। वहीं, प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। ईश्वर शोकाकुल परिवार को इस असीम दुख को सहने की शक्ति दे। नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने नंदकुमार बघेल जी का निधन दुःखद है। उन्होंने एक्स पर लिखा, पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल जी का निधन दुःखद है। शोक की इस घड़ी में हम सब उनके साथ है, ईश्वर शोक संतप्त परिवार को इस दुःख को सहन करने का सामर्थ्य दें।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के निवासियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिलता देखकर मिलती है संतुष्टि : प्रधानमंत्री

उत्तर बस्तर कांकेर जिले की कु. भूमिका से प्रधानमंत्री ने की चर्चा, भूमिका ने बताया वन धन योजना सहित विभिन्न योजनाओं का मिल रहा लाभ

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ निचले स्तर पर भी निर्बाध ढंग से पहुंच रहा है, यह जानकर उन्हें काफी संतुष्टि मिली है। आदवासी बाहुल्य क्षेत्र के निवासियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिलते हुए देखने पर संतुष्टि मिलती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत छत्तीसगढ़ में आयोजित किए जा रहे शिविरों में योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए आज उत्तर बस्तर कांकेर जिले के हितग्राहियों से वर्चुअल चर्चा कर रहे थे। उत्तर बस्तर कांकेर जिले में आयोजित की जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्राम मनकेसरी में आयोजित शिविर में योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में निवासरत लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने विभिन्न योजनाएं बनाई गई हैं। आम लोगों के विकास के लिए सरकार कटिबद्ध है। इस दौरान श्री मोदी ने प्रधानमंत्री जनमन योजना का भी जिक्र करते

हुए कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि उनकी सरकार को आदिवासी समाज के निचले स्तर पर जाकर काम करने का मौका मिला।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्राम मनकेसरी में लगाए गए शिविर में ग्राम भानबेड़ा की कु. भूमिका भूआर्य से उन्होंने वर्चुअल चर्चा की। कुमारी भूमिका ने प्रधानमंत्री को बताया कि उनके गांव में 29 समूह हैं और वन धन विकास केंद्र के माध्यम से लघु वनोपज संग्रहण का काम समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है, जिसका सभी को लाभ मिल रहा है। महुआ के लड्डू और आंवले का अचार बनाकर बेचा जाता है। श्री मोदी के पूछने पर भूमिका ने बताया कि महुआ के लड्डू बनाकर समूह द्वारा 700 रुपए प्रति किलो की दर से बेचा जाता है।

वर्चुअल संवाद के दौरान हितग्राही कु. भूमिका से प्रधानमंत्री ने पूछा कि और किस चीज के लिए महुए का उपयोग होता है, जिस पर भूमिका सहित मौजूद सभी लोगों के ठहाके से कार्यक्रम स्थल गूंज उठा। प्रधानमंत्री से चर्चा के दौरान भूमिका ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना आदि का भी लाभ मिल रहा है। भूमिका ने बताया कि योजनाओं की जानकारी माता पिता के माध्यम से मिली। उन्होंने यह भी बताया कि वह और उनका छोटा भाई कॉलेज में अध्ययनरत हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने भूमिका के जागरूक माता पिता को प्रणाम करते हुए कहा कि उनकी जागरूकता के कारण ही बच्चे उच्च शिक्षा का लाभ ले रहे हैं।

पक्के घर और उज्जवला गैस से बदल रही जीवन शैली

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं से बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं। गांवों गरीब परिवारों को पक्के घर और उज्जवला गैस के साथ ही बुनियादी सुविधाओं की पहुंच से ग्रामीणों की जीवन शैली में बदलाव आ रहा है। सरगुजा संभाग के कोरिया जिले में लगाए जा रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत बैकुण्ठपुर विकासखंड ग्राम आमी में लगाए गए शिविर में भारत सरकार के संयुक्त सचिव और जिले के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी श्री अनुपम मिश्रा भी शामिल हुए। कहानी, मेरी जुबानी के तहत श्रीमती काजल देवांगन, सुमती चक्रधारी, रजवंती बाई ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेण्डर मिलने पर मोदी सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब आंखों में आंसू आना बंद होगा। आनी निवासी किसान श्री प्रदीप शुक्ला ने किसान सम्मान निधि से हुए लाभ के बारे में बताया। उजाला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को बढ़ावा देते हुए बहुत ही समुधर गीत बेटी हूं, लिखूंगी, पढ़ूंगी, मेहनत करूंगी, उजाला लाऊंगी सुनाया। ग्राम आनी के ही श्रीमती रमनिया सिंह ने प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) प्राप्त होने पर प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया, उन्होंने बताया कि कच्चा मकान से छुटकारा मिला अब पक्का मकान मिलने से पानी टपकने की तकलीफ भी दूर हुआ। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पथरी बीमारी के इलाज होने पर मोदी सरकार को धन्यवाद देते हुए श्रीमती बेला बाई ने बताया कि गरीब परिवार के लिए यह आयुष्मान कार्ड संजीवनी की तरह है। घर में इलाज के लिए पैसे नहीं था, ऐसे में आयुष्मान कार्ड से पूरा इलाज हुआ। विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री ग्राम आवास योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री पेंशन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, केसीसी कार्ड, मृदा परीक्षण, प्रधानमंत्री पोषण आहार योजना, सिकल सेल परीक्षण, श्रमिक पंजीयन कार्ड, प्रधानमंत्री जन-धन खाता जैसे योजनाओं के स्टॉल लगाए जा रहे हैं।

भाजपा नेता की हत्या पर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा- मामले की जांच जारी

रायपुर। पखांजूर में बीजेपी नेता की हत्या को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वे टू व्हीलर से जा रहे थे। तो उस समय उनकी मौत हुई। एक्स-रे हुआ, फोरेंसिक एक्सपर्ट भी वहां साथ थे। उन्होंने यह बताया कि उनके सिर में पीछे तरफ से ब्लीडिंग हो रही थी। जांच करने पर यह पता चला कि कोई ऑब्जेक्ट उनके सर में है। तो पूरी शंका इस बात की है

कि यह हत्या है। तार कहां तक जुड़ते हैं, क्या होता है, इसकी जांच पुलिस कर रही है और जल्द ही आपको इसका असली गुनहगार कौन है पता चल जाएगा। पुलिस को हमने स्पष्ट निर्देश दिए हैं। जो भी है उसको सख्त सजा होनी चाहिए। कानून के आधार पर पूरी कार्रवाई होनी चाहिए।

कांग्रेस कह रही है पहले बीजेपी टारगेट किलिंग का आरोप लगाती आई थी और अब जब से बीजेपी की सरकार बनी है नक्सली एक्टिविटी बढ़ी हैं। इस पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि ये कॉम्प्रोमाइज रहे हैं नक्सलियों के साथ। ये सब जानते हैं।

इसी के कारण बस्तर में इस तरह की घटना बढ़ी भी है। भाजपा की सरकार आने के बाद बौखलाहट है। इसलिए ऐसा हो रहा है। प्रदेश के अन्य स्थानों में भी पुलिसिंग कैसी रही है ये सबको पता है।

उन्होंने आगे कहा कि मैं ये सोचता हूं कि आने वाले कुछ दिनों में पुलिस पूरी ताकत के साथ नशा और अवैध शराब के खिलाफ एक्टिव होगी। ये सब खत्म होगा और जब यह खत्म होगा पुलिस की एक स्टडी है कि जहां सुखा नशा ज्यादा होता है वहां चाकूबाजी जैसी घटनाएं बढ़ती हैं। जिसे हम खत्म करेंगे।

पीसीसी चीफ बैज का भाजपा पर हमला, कहा-

महज 1 महीने की सरकार से जनता परेशान हो गई है, अपराध का गढ़ बन गया है प्रदेश

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशना साधा है। छत्तीसगढ़ में बढ़ती अपराध की घटनाओं पर पीसीसी चीफ ने कहा कि बीजेपी सरकार आने के बाद कानून व्यवस्था चरमरा गई है। अपराध बढ़ रहे हैं। पखांजूर में हत्या हुई। रायपुर में हत्याएं हो रही है। छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है। कानून व्यवस्था पर कोई नियंत्रण नहीं है। बीजेपी के अपने नेता सुरक्षित नहीं हैं। बीजेपी पहले इसे टारगेट किलिंग कहती थी तो अभी कौनसा किलिंग है? कांग्रेस इस पर जरूर मंथन करेगी और उग्र आंदोलन भी करेगी।

हसदेव के दौरे पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि पूरी टीम के साथ हसदेव अरण्य गए थे। ग्रामीणों से चर्चा की गई। बीजेपी ने वहां के आदिवासियों को बेदखल करने का काम किया है। केवल उद्योगपतियों

को फायदा पहुंचाने के लिए यह हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम सभा की जांच होनी चाहिए। हम सरकार से मांग करते हैं कि ग्राम सभा की जांच होनी चाहि। जब तक जांच नहीं होती अस्थायी रूप से पेड़ कटाई बंद होनी चाहिए। एक आदिवासी क्षेत्र, एक आदिवासी मुख्यमंत्री, अगर इतने संवेदनशील हैं तो कदम उठाना चाहिए।

कांग्रेस की लोकसभा की तैयारियों पर दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। समितियों का भी गठन हुआ है। 11 जनवरी को हमारे नए प्रभारी आयेंगे। बैठक होगी और रणनीति तय करेंगे। बैठक के बाद तय होगा की चुनाव कौन लड़ेगा? बीजेपी के संभाग स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन पर दीपक बैज ने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी अब भी संशय की स्थिति में है।

केवल एक महीने की सरकार से जनता परेशान है। बीजेपी को पता है इसलिए डरी हुई है। 2024 में बीजेपी की सरकार को जनता मुंह तोड़ जवाब देगी। लोकसभा चुनाव के लिए भगवान राम का राजनीतीकरण हो रहा है वाले सवाल पर दीपक बैज ने कहा कि बीजेपी राम के नाम से राजनीति कर रही है। उन्हें डर है कि आने वाले चुनाव में उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। कानून व्यवस्था चरमराई है। केवल राम के नाम से वोट मांगना चाह रहे हैं। राम के नाम से एक राजनीतिक रोटी सेक रही है बीजेपी। रामविचार नेताम के सद्बुद्धि वाले बयान पर पलटवार करते हुए बैज ने कहा कि सद्बुद्धि तो 15 साल में आई नहीं अभी आ रही है।

स्कूली बच्चों को संस्कारित करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका: राजस्व मंत्री

शिक्षादूत एवं ज्ञानदीप पुरस्कार से 18 शिक्षक हुए सम्मानित

रायपुर। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने शिक्षकों को सम्मानित करते हुए कहा कि स्कूली बच्चों को संस्कारित करने शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे आज जिला मुख्यालय बलौदाबाजार-भाटापारा में मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में नवाचारी रचनात्मक प्रयोग हेतु जिले के 18 शिक्षकों को शिक्षादूत एवं ज्ञानदीप पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें शिक्षादूत के लिए 15 एवं ज्ञानदीप के 3 शिक्षक शामिल हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष नंदकुमार साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों को बच्चों को ज्ञानरूपी संस्कार देकर गढने का काम पूरी ईमानदारी और मेहनत से करना चाहिए। यही बच्चे आने वाले दिनों में देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि देश में ऐसे अनेक उदाहरण है जब शिक्षकों ने समाज और देश को नई दिशा दी है। उन्होंने शिक्षकों की मेहनत और लगन को प्रोत्साहित करने के लिए तत्कालीन शिक्षा मंत्री केदार कश्यप के प्रयासों की सराहना

करते हुए बताया कि उनकी पहल पर यह पुरस्कार शुरू किया गया था। कार्यक्रम को श्री विजय केसरवानी, श्री चित्तावर जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष श्री नंदकुमार साहू ने भी संबोधित किया।

शिक्षादूत से सम्मानित शिक्षकों को 5 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि सहित प्रतीक चिन्ह, श्रीफल एवं साल भेंट की गई है। इसी तरह ज्ञानदीप के लिए सम्मानित शिक्षकों को 7 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि सहित प्रतीक चिन्ह, श्रीफल एवं साल मुख्य अतिथि के द्वारा भेंट की गई हैं। सम्मानित शिक्षकों में प्रधानपाठक श्री भुनेश्वर प्रसाद चन्द्रा, श्रीमती प्रणिता वर्मा और श्री परमानंद साहू तथा सहायक शिक्षकों में श्रीमती शालिनी कश्यप, श्रीमती सीमा जायसवाल, श्री विजय सिंह पैकरा, श्री तेजनाथ साहू, श्रीमती सुनीता जायसवाल, श्री घनश्याम प्रसाद वर्मा, श्रीमती संध्या पैकरा, श्री तानसेन कुर्रे, सुश्री क्षिप्रा अग्रवाल, श्रीमती मेघा वर्मा, श्रीमती पीयूष रामपुरीक, श्री संजू राम निर्मलकर शामिल हैं। इसी तरह ज्ञानदीप से सम्मानित हुए शिक्षकों में शिक्षक श्रीमती कुसुम बागड़े, श्री हेम कुमार देवांगन और श्री रमाशंकर साहू शामिल हैं।

इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री बी.एल. देवांगन, जिला मिशन समन्वयक एम.एल. ब्राम्हणी, श्री राव, सहायक संचालक के.एस. मेरावी, बी.आर.पटेल, श्री के.के. गुप्ता सहायक कार्यक्रम समन्वयक श्री मनहरण लाल साहू, श्री जहीर अब्बास, श्री खिलावन वर्मा एवं श्री अरूण वर्मा सहित शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईएएस रानू साहू की जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

कोयला घोटाला मामले में 6 महीने से जेल में है बंद

बिलासपुर। कथित कोयला घोटाला मामले में आईएएस रानू साहू की गिरफ्तारी के बाद उनकी जमानत अर्जी को लेकर आज हाईकोर्ट में जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच में मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने सभी पक्षकारों की ओर से दी गई दलीलों को सुना, जिसके बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

बता दें कि, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईएएस रानू साहू को बीते साल 22 जुलाई को गिरफ्तार किया था। रानू साहू ने अपने वकील के जरिए लोअर कोर्ट में भी याचिका दायर की थी, जिसके खारिज होने के बाद उन्होने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अब इस मामले में सुनवाई शुरू है और कोयला घोटाले में उन पर लगे गंभीर आरोप की भी जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। आईएएस रानू साहू 2010 बैच की आईएएस

अधिकारी है। राज्य शासन ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद 22 जुलाई 2023 को उन्हें सस्पेंड कर दिया था।

इससे पहले गुरुवार 14 दिसंबर को 2023 को आईएएस रानू साहू की जमानत याचिका पर बहस हुई थी, उस दौरान रानू साहू के वकील ने भी अपने तथ्य प्रस्तुत किए थे, लेकिन सुनवाई अधूरी रह गई। जिसके बाद हाईकोर्ट ने इसके लिए 8 जनवरी तक का समय दिया था। बता दें कि, छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय ने 540 करोड़ रूपए के कथित कोयला घोटाले का खुलासा किया था।

कार्यकर्ता संगठन का आधार, लोकसभा चुनाव में जीतेंगे सभी सीट: केदार

जगदलपुर। विधानसभा चुनाव जीतने और सरकार बनाने के बाद बीते दिनों मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रथम बार जगदलपुर आगमन हुआ। यहां भाजपा ने संभागीय कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया। बस्तर संभाग के दूर-दराज से कार्यक्रम में पहुंचे सभी कार्यकर्ताओं का सीएम साय ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर सम्मान किया। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय नेता और छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी ओम माथुर, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साहू और विजय शर्मा भी शामिल हुए।

सम्मान समारोह को लेकर बस्तर संभाग के कद्दार नेता व वन मंत्री केदार कश्यप ने जनता और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले 5 सालों से भूपेश बघेल के कुशासन को उखाड़ फेंकने हमारे

कार्यकर्ताओं ने दिन रात मेहनत की। भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है। कार्यकर्ताओं के समर्पण का सम्मान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया है। यह हमारे बूथ स्तर, मंडल स्तर सहित सभी कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है।

लोकसभा चुनाव में जीतेंगे सभी लोकसभा सीट

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि, हमारे ऊर्जावान कार्यकर्ताओं ने विधानसभा चुनाव में जिस परिश्रम और योजना के साथ काम किया उसका परिणाम है कि आज छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है। जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ता आगे कार्य में जुट गए हैं। हम जीत का जश्न मनाने में समय व्यर्थ नहीं कर रहे, बल्कि आगे मोदी की गारंटी को पूरा करने के कार्य में जुट गए हैं।

उन्होंने कहा, जन-जन को मोदी की गारंटी का लाभ मिले। केंद्र सरकार के योजनाओं से सभी लाभान्वित हो इस बात की रचना योजना की जा रही है। लोकसभा चुनाव में हम बस्तर सहित प्रदेश के सभी 11 लोकसभा सीट जीतेंगे। कार्यकर्ता गांव-गांव, घर-घर जा कर पीएम मोदी के योजनाओं और संदेश को पहुंचाने का काम कर रहे हैं। देश के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ कदम से कदम मिलाकर काम करने का संकल्प हम सबने लिया है। लोकसभा चुनाव में भी हम पूरा छत्तीसगढ़ जीतेंगे।

जनहित योजनाओं से होगा प्रदेश का विकास

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को मिलने वाला है। प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, उज्ज्वला योजना, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वालंबन, कृषि सहित सभी क्षेत्र में चहुमुखी विकास के लिए प्रदेश सरकार की ओर से कार्य किया जा रहा है। सरकार के योजनाओं का लाभ जनता को सही ढंग से मिले इस बात के लिए हमारे लाखों कार्यकर्ता जनता के बीच कार्य कर रहे हैं। सरकार और जनता के मध्य हमारे कर्मठ कार्यकर्ता एक कड़ी बनकर कार्य करते हैं।

कार्यकर्ताओं की मेहनत से जीते हैं चुनाव

वन मंत्री कश्यप ने जगदलपुर में आयोजित संभागीय कार्यकर्ता सम्मान समारोह में शामिल सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन का आधार है। कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही विधानसभा चुनाव 2023 में बस्तर संभाग के 8 सीटों पर भाजपा ने विजयी हासिल किया और प्रदेश में सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। संगठन के कार्य में लगे सभी कार्यकर्ताओं का पुनः आभार।

प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के लिए चलेंगे बड़ा दांव

शिव शरण शुक्ला

'इंडिया' गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे को लेकर चल रही खींच-तान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने गठबंधन का चेहरा पेश करने में असमर्थता के चलते आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को जीतने से रोक पाना विपक्षी गठबंधन के लिए दुर्गम चुनौती बन गया है। चुनौती की विकटता इससे समझी जा सकती है कि हममें से कई आगामी चुनाव को ऐसी स्पर्धा मान रहे हैं, जिसमें 'इंडिया'गठबंधन ने अब तक पहला कदम भी नहीं बढ़ाया है, जबकि भाजपा मंजिल पर दस्तक दे रही है। लेकिन एक व्यक्ति ऐसा कभी नहीं सोचेगा, और वह हैं प्रधानमंत्री मोदी। आगामी अप्रैल-मई में होने वाले 18वें लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरे कार्यकाल की तरफ बढ़ रहे नरेंद्र मोदी विपक्षी गठबंधन की तरफ से आने वाली हर चुनौती को, चाहे वह कितनी ही मामूली क्यों न हो, पूरी सतर्कता और गंभीरता से ले रहे हैं। नरेंद्र मोदी की तरफ से भाजपा को साफ निर्देश है कि विपक्षियों पर पूरी नजर रखें और उन्हें किसी भी हाल में अनियंत्रित न होने दें। इसलिए, वह चाहते हैं कि भाजपा उनके लिए वोट जुटाने के उद्देश्य से पूरी ताकत से काम करे। यही वजह है कि भाजपा की चुनाव-प्रबंधन रणनीति में विपक्ष के हर हमले का, वह कितना ही कमजोर क्यों न हो, मुंहतोड़ जवाब देने का संदेश जरूर शामिल होगा। चुनावी अभियानों में केंद्रीय मंत्रियों के जमावड़े और भाजपा की तरफ से खासकर ग्रामीण व शहरी गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों तक लक्षित ढंग से अपने संदेश पहुंचाने की व्यापक मुहिम देखने को मिले, तो हैरत नहीं होनी चाहिए। विभिन्न रणनीतिक सत्रों में मोदी अपनी पार्टी के नेताओं से लगातार कह रहे हैं कि उन्हें भारत के विकास की कहानी को लेकर जनता तक पहुंचना चाहिए और विपक्षियों की किसी भी चाल को हल्के में नहीं लेना चाहिए, चाहे वह 15 राज्यों की 100 लोकसभा सीटों को छूने वाली राहुल गांधी की नई यात्रा ही क्यों न हो। मोदी का भाजपा के रणनीतिकारों को संदेश साफ है कि नए और प्रभावशाली जनादेश के साथ सत्ता में लौटने के लिए हर मतदाता और हर राज्य महत्वपूर्ण है। चाहे उम्मीदवारों का चयन करना हो या क्षेत्रवार मुद्दे उठाने हों, अमित शाह की सीधी निगरानी में दोहरी जांच की व्यवस्था लागू की गई है। जब सब कुछ केंद्रीय नेतृत्व को ही करना है, तो मुमकिन है कि पार्टी के लोग आरामतलब और मनचाहे नतीजों के लिए प्रधानमंत्री की शख्सियत पर निर्भर हो जाएं। पर मोदी ऐसा होने नहीं देंगे। उन्होंने भाजपा के लिए ज्यादा संभावनाएं न रखने वाले राज्यों में भी दिखाया है कि वह कितनी ज्यादा कोशिशें करते हैं। तमिलनाडु के त्रिची में और केरल के त्रिशूर में उनकी सभाओं को ही देखें। इन राज्यों में मोदी ने हिंदुत्व के बजाय अपने विकास के एजेंडे के जरिये स्थानीय मतदाताओं से जुड़ने की कोशिश की। हां, थोड़ा-सा हिंदू पुट केवल क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत की ओर इशारा करने तक सीमित जरूर था। उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षों से भाजपा केरल और तमिलनाडु में जमीनी स्तर पर काम कर रही है, इससे बेफिक्र कि उसे मिल रहा समर्थन संसद या राज्य विधानसभाओं में सीटों में तब्दील हो रहा है या नहीं। जाहिर है कि एक अथक प्रचारक के रूप में मोदी समय और ऊर्जा का निवेश करने को तब भी तैयार हैं, भले ही रिटर्न की गारंटी न हो। मोदी ने अमित शाह और दूसरे चुनावी योद्धाओं को एहसास दिलाया है कि आगामी चुनाव में भाजपा के लिए दूसरे दलों की तुलना में दांव कहीं ज्यादा बड़ा है। 2024 में जीत भाजपा के लिए एक नए युग का द्वार खोलेगी, जो अगले एक दशक के लिए पार्टी को निर्विवाद रूप से सबसे आगे खड़ा कर देगी। नरेंद्र मोदी के अनुसार, यही वह समय होगा, जब देश के लिए सबसे अच्छी चीजें होनी तय हैं और 2047 तक सौ वर्ष के हो चुके आजाद भारत में भाजपा ही देश में महत्वपूर्ण बदलावों की अग्रदूत के रूप में देखी जाएगी। सभी भाजपा-विरोधी वोटों को एकजुट करने में विपक्ष कई चुनौतियों से जूझ रहा है। कुछ राज्यों में गठबंधन सहयोगी एक-दूसरे के विरोधी हैं, जिनमें से ज्यादातर एक खास क्षेत्र या सामाजिक समूह तक सीमित हैं, जो सहयोगियों को वोट हस्तांतरित करने की ताकत भी नहीं रखते।

मोदी से मुकाबले का तरीका सही नहीं

शेखर गुप्ता

सबसे पहले उन लोगों को गिनते हैं जिन पर विपक्ष, खासकर कांग्रेस अदाणी मामले में सर्वोच्च न्यायालय में अपनी विफलता के लिए आम तौर पर संदेह कर रही होगी। परंतु विपक्ष तब तक विफल होता रहेगा जब तक वह इस सबसे महत्वपूर्ण सवाल का जवाब नहीं ढूंढ लेता कि मोदी सरकार के खिलाफ उसकी कोई भी मुहिम राजनीतिक विमर्श पर हावी क्यों नहीं हो पाती? पहला प्रश्न उठेगा नरेंद्र मोदी की ओर तथा उस बात पर जिसे विपक्ष न्यायपालिका पर 'संस्थागत कब्जा' करार देगा।

दूसरा होगा स्वयं न्यायपालिका। कहा जाएगा कि वह केवल एक बार मोदी सरकार के खिलाफ उस समय उठ खड़ी हुई थी जब स्वयं उसके हित दांव पर लगे हुए थे- उदाहरण के लिए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम को रद्द करना। तीसरा होगा समाचार मीडिया कि काश उसने अदाणी मामले को उसी तरह उछाला होता जिस तरह 2011-2014 के बीच 2जी और 1987-1989 के दौर में बोफोर्स मामले को उछाला गया था।

यह बात हमें मामले के केंद्र तक ले जाती है। आखिर लोग नोटबंदी से लेकर राफेल तक, कृषि कानूनों से लेकर लद्दाख में चीन की चुनौती और सामाजिक न्याय से लेकर अदाणी के साथ साठगांठ तक किसी आरोप से प्रभावित क्यों नहीं हो रहे हैं? अतीत में मैंने यह लिखा है कि नरेंद्र मोदी एक ऐसे नेता हैं जो सत्ता में रहते हुए कमजोर नहीं पड़ते बल्कि वह सत्ता में जितना समय बिताते हैं, उतने ही अधिक मजबूत होकर उभरते हैं। मैंने उस समय यह लिखा था कि वह टाइटेनियम की तरह मजबूत नेता हैं। ध्यान रहे कि यह मैंने मई 2018 में लिखा था। इस वर्ष मई में जब चुनाव होंगे तो उस बात को छह वर्ष बीत चुके होंगे। क्या आपको लगता है कि टाइटेनियम में जरा भी कमजोरी आई है?

क्या इस बीच उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया? गलतियां सभी करते हैं, नीतिगत झटके भी लगते हैं और इस भारतीय माहौल में घोटालों के आरोपों के भी जवाब देने होते हैं। विपक्ष ने कई मुद्दे चिह्नित किए- नोटबंदी, खराब जीएसटी, कृषि कानून तथा कोविड की दूसरी लहर के दौरान मची तबाही। विपक्ष ने राफेल और अदाणी को लेकर घोटाले का माहौल भी बनाया। अगर आप देश में राजनीतिक बदलाव लाना चाहते हैं तो आपको सबसे पहले यही करना होता है। इस बात के तमाम उदाहरण हैं कि कैसे हमारी राजनीति के चतुर विपक्षी नेता किसी एक विचार को जन भावनाओं से जोड़कर नाटकीय राजनैतिक बदलाव लाए। ऐसे विचार जिनमें पूरी हकीकत भी नहीं थी।

बोफोर्स एक अच्छी तोप थी और 37 सालों में उसकी खरीद में रिश्वत का मामला साबित नहीं हुआ। दूरसंचार का 2जी घोटाला भी 1.75 लाख करोड़ रुपये का नहीं था न ही 1.86 लाख करोड़ रुपये का कोयला घोटाला अथवा 70,000 करोड़ रुपये का राष्ट्रमंडल खेल घोटाला साबित हुआ। स्विस बैंक में लाखों डॉलर जमा होने की बात भी कभी पुष्ट नहीं हुई। अहम बात यह है कि हर मामले में चुनौती केवल भावनात्मक मुद्दा चुनने की नहीं थी बल्कि उसे अभियान से जोड़ने की भी थी ताकि मतदाताओं का बड़ा हिस्सा उससे जुड़ाव महसूस कर सके। जाहिर है इसमें कामयाबी मिली। इसकी शुरुआत 1967 में हुई जब सही मायनों में आम चुनाव लड़े गए। इस दौरान हम घटनाओं के सिलसिले में थोड़ा हेरफेर करेंगे और शुरुआत 1987-1989 के बोफार्स दौर से करेंगे। सन 1987 के लिहाज से भी देखें तो बोफोर्स 64 करोड़ का घोटाला था जो बहुत बड़ी राशि नहीं थी।

इसके बावजूद विश्वनाथ प्रताप सिंह ने इस मुद्दे को लेकर पूरा अभियान चलाया और लोगों ने राजीव गांधी के खिलाफ उनकी बातों पर यकीन कर गांधी को सत्ता से हटा दिया। विश्वनाथ प्रताप सिंह को कम समय के लिए ही सही लेकिन प्रधानमंत्री का पद मिला। उन्होंने अपनी पार्टी और गठबंधन के लिए हिंदी प्रदेशों में लगभग वैसी ही जीत हासिल की जैसी नरेंद्र मोदी को 2014 और 2019 में मिली। जिस दौर में सिंह ने प्रचार किया था उस दौर में समाचार चैनल और सोशल मीडिया नहीं होते थे। उन्होंने अपना संदेश जनता तक कैसे पहुंचाया और वह संदेश क्या था? मैं उन संवाददाताओं में शामिल हूं जो 1987 की गर्मियों में हुए उपचुनाव में ग्रामीण इलाहाबाद में उस समय उनके पीछे घूमे जब वह मोटर साइकिल से दौरे करते थे। उनकी पार्टी के कार्यकर्ता लोगों को किसी पेड़ के नीचे एकत्रित करते और वह कहते, 'मैं आपको यह बताने आया हूं कि आपके घर में सेंध लगी है।' इसके बाद वह अपनी जेब से माचिस की डिबिया निकालकर समझाते कि यह कैसे हुआ। आप चाहे जितने गरीब हों लेकिन आप दियासलाई (माचिस) तो खरीदते ही हैं। आप उसके लिए जो पैसे चुकाते हैं उसका कुछ हिस्सा कर के रूप में सरकार को जाता है। वह आपका पैसा है।

सरकार उस पैसे से सेना के लिए हथियार खरीदती है। अगर उसमें से कुछ पैसा चुरा लिया गया हो तो क्या यह आपके घर में सेंधमारी करने जैसा नहीं है? मेरी नजर में राजीव गांधी की कांग्रेस का 414 सीटों से सिमटकर 197 पर आ जाना भारतीय राजनीति का सबसे नाटकीय बदलाव था। चूंकि हम क्रमबद्ध तरीके से बात नहीं कर रहे हैं। इसलिए हम इसमें आगे पीछे जा सकते हैं। सन 1971 में इंदिरा गांधी ने एकजुट विपक्ष और विभाजन के बाद बची कांग्रेस की संयुक्त चुनौती से निपटने के लिए क्या किया था? उन्होंने कहा था, 'वे कहते हैं इंदिरा हटाओ, इंदिरा कहती है गरीबी हटाओ। अब आप अपना चुनाव कर लीजिए।'

जाहिर है किसी को यकीन नहीं रहा होगा कि भारत को गरीबी से उबारना आसान है। परंतु 1971 में इंदिरा गांधी को 518 लोकसभा सीटों में से 352 पर जीत मिली। यह आंकड़ा जवाहरलाल नेहरू को 1962 में आखिरी चुनाव में मिली सीटों के आसपास ही था। इंदिरा गांधी को आपातकाल के कारण हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद जनता पार्टी का पतन हो गया और इंदिरा गांधी ने उसे खिचड़ी का नाम देकर मतदाताओं से पूछा कि क्या वे दोबारा वही खिचड़ी चाहते हैं या उनकी मजबूत सरकार की वापसी चाहते हैं? वह दोबारा सत्ता में आ गईं और इस बार उनको 529 में से 353 सीटों पर जीत मिली थी।

यहां तक कि 2004 में जब सत्तारुढ़ वाजपेयी सरकार को अनुमानों के उलट नाटकीय पराजय का सामना करना पड़ा था तब कांग्रेस ने राजनीतिक कल्पनाशीलता और भावनात्मक रिश्तों का एक मजबूत विचार सामने रखा था। भाजपा के प्रचार अभियान का शीर्षक था, 'इंडिया शाइनिंग।' कांग्रेस कहा कि ठीक है हो सकता है इंडिया शाइनिंग हो यानी भारत चमक रहा हो लेकिन आपको क्या मिला? यह कारगर रहा और सन 1989 में विश्वनाथ प्रताप सिंह की जीत के बाद भारत के राजनीतिक भविष्य में यह दूसरा सबसे नाटकीय मोड़ था। अब मैं आपको 1967 में ले चलूंगा जब पहली बार सही मायनों में चुनाव लड़े गए। पहली बार कांग्रेस 300 के आंकड़े से नीचे आई। भारत कई संकटों से जूझ रहा था। पार्टी पर इंदिरा गांधी की पकड़ भी मजबूत नहीं थी लेकिन विपक्ष के पास कोई विकल्प भी नहीं था।

मुझे उस दौर का नारा याद है: इंदिरा तेरे शासन में, कूड़ा बिक गया राशन में। यानी उनके राज में राशन में खराब गुणवत्ता की चीजें मिलती थीं। इंदिरा गांधी को 323 लोकसभा सीटों में से 283 सीटों पर जीत मिली जो बहुमत से केवल 21 अधिक थी। कई अहम राज्यों में उनकी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा और गठबंधन सरकारें बनीं। अंतिम बिंदु है 2014 में मोदी का उभार। भाजपा और आरएसएस ने पहले ही एक शक्तिशाली भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन खड़ा कर दिया था और मनमोहन सिंह की छवि एक कमजोर प्रधानमंत्री की बना दी थी। मोदी अच्छे दिनों के नारे के साथ मैदान में आए और कांग्रेस 2009 की 206 सीटों से सिमटकर 44 लोकसभा सीटों पर आ गई।

कहने का अर्थ यह है कि चुनौती देने वाले घोर निराशा से उबरकर भी शक्तिशाली सत्तासीनों को हराने में कामयाब रहे हैं लेकिन उनको बड़े विचारों और विश्वसनीयता की आवश्यकता है। यह सब अर्जित करने के बाद भी कम से कम दो वर्ष तक जमीनी मेहनत करने की आवश्यकता होती है। सबसे अहम सबक यह है कि आपको अपना राजनीतिक वक्तव्य तैयार करना होता है और उसे जनता तक पहुंचाना होता है। आप यह काम अदालतों, मीडिया, स्वयंसेवी संगठनों और नागरिक समाज पर नहीं छोड़ सकते और उनसे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वे विपक्ष की भूमिका निभाएं। मोदी को चुनौती देने वाले यही कर रहे हैं और हमें इसका नतीजा भी मालूम है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

पाशुपतब्रह्मोपनिषद् (भाग-7)

गतांक से आगे...

जो परब्रह्म उपमा-विहीन, वाणी एवं मन से अगोचर, दृष्टि से परिलक्षित न होने वाला, ग्रहण न कर सकने योग्य, गोत्र - रहित, रूप-विहीन है; जो (ब्रह्म) आँख, कान, हाथ-पैर आदि से रहित, नित्य, विभु सर्वगत, सूक्ष्मातिसूक्ष्म, अव्यय एवं मृत्यु से रहित है, सबका अधिष्ठाता अथवा आधार रूप है; वह (ब्रह्म उस साधक के आगे-पीछे, उत्तर एवं दक्षिण सर्वत्र सर्वश्रेष्ठ वेदामृत (वेदज्ञानामृत) स्वरूप ब्रह्मानन्द रूप में विद्यमान है और वह परब्रह्म आनन्दमय रूप में दायें-बायें भी प्रतिष्ठित है।

इस प्रकार वह श्रेष्ठ साधक सभी को निरन्तर अपनी अन्तरात्मा में निर्भय होकर देखता रहता है। ऐसे भाव रखने वाला साधक ज्ञानी ही नहीं, वरन् अज्ञानी होने पर भी मुक्ति प्राप्त कर लेता है। इस प्रकार परा विद्या, सत्य, तप और ब्रह्मचर्यादि धर्म की प्राप्ति भी वेदान्त मार्ग के द्वारा ही होती है।

जिनका अन्त:करण पूर्णरूपेण पवित्र है, समस्त दोषादि विकार क्षीण हो गये हैं, वे ही श्रेष्ठ योगी साधक स्वयं प्रकाशस्वरूप परब्रह्म परमात्मा का दर्शन कर सकते हैं, माया द्वारा आवृत लोग उन परमप्रभु का दर्शन प्राप्त नहीं कर सकते। जो योगी साधक अपने स्वरूप को इस तरह से समझ लेता है, वह उस पूर्णता को प्राप्त करके पुन: आवागमन के चक्कर में नहीं पड़ता। जिस प्रकार एकमात्र आकाश सर्वत्र उपस्थित रहता है। वह इधर-उधर कहीं गमनागमन नहीं करता, उसी प्रकार जिस योगी साधक ने अपने को ब्रह्ममय जान लिया है, वह कहीं आ-जा नहीं सकता। आहार के अन्तर्गत अभक्ष्य भक्षण का परित्याग कर देने पर चित्त पूर्णतया पवित्र हो जाता है। जब आहार की शुद्धि हो जाती है, तब चित्त की शुद्धि स्वयं ही हो जाती है। जब चित्त पूरी तरह से शुद्ध हो जाता है, तब क्रमश: ज्ञान प्रवर्द्धित होता चला जाता है तथा अज्ञान की समस्त ग्रन्थियाँ विनष्ट हो जाती हैं, लेकिन भक्ष्याभक्ष्य का विचार मात्र उसके लिए आवश्यक है, जिसे ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति अभी नहीं हुई है। इसका कारण यह है कि सम्यक् रूप से ज्ञानी का स्वरूप अज्ञानी के सदृश भेद-ज्ञानयुक्त नहीं होता। ज्ञानी यह समझता है कि भक्षण करने वाला मैं ब्रह्म हूँ तथा अन्न भी मैं ही हूँ।

क्रमश: ...

प्रवासी भारतीय दिवस

प्रह्लाद सबनानी

प्रत्येक वर्ष 9 जनवरी को भारत में प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। भारत के आर्थिक विकास में प्रवासी भारतीयों के अमूल्य योगदान को इस दिन विशेष रूप से याद किया जाता है। इस वर्ष भी इस शुभ अवसर पर दिनांक 8 जनवरी से 10 जनवरी 2023 तक मध्य प्रदेश के इंदौर नगर में 17वां प्रवासी भारतीय दिवस समारोह आयोजित किया गया है। इस विशेष आयोजन में प्रथम दिन, अर्थात 8 जनवरी 2023 को यूथ प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाएगा। दूसरे दिन, अर्थात 9 जनवरी 2023 को 17वां प्रवासी भारतीय दिवस कन्वेंशन 2023 का शुभारंभ होगा और तीसरे दिन, अर्थात 10 जनवरी 2023 को 17वें प्रवासी भारतीय दिवस कन्वेंशन का समापन होगा। उक्त कार्यक्रमों में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की भी भागीदारी रहेगी।

आज पूरे विश्व में 3.2 करोड़ से अधिक अप्रवासी भारतीय निवास कर रहे हैं। करीब 25 लाख भारतीय प्रतिवर्ष भारत से अन्य देशों में प्रवास के लिए चले जाते हैं। विदेश में बस रहे भारतीयों ने भारतीय संस्कृति का झंडा बुलंद करते हुए भारत की साख को न केवल मजबूत किया है बल्कि इसे बहुत विश्वसनीय भी बना दिया है। प्रवासी भारतीयों ने अपनी कार्यशैली से अन्य देशों में स्वयं को तो स्थापित किया ही है, साथ ही इन देशों में अपने लिए कई अनगिनत उपलब्धियां भी अर्जित की हैं। इन देशों में निवास कर रहे प्रवासी भारतीय वहां के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक क्षेत्रों में अपनी भागीदारी भी बढ़ाते जा रहे हैं। तीन विभिन्न कालखंडों में भारतीय विभिन्न देशों में प्रवास पर भेजे गए थे अथवा वे स्वयं गए थे। सबसे पहले तो भारत पर अंग्रेजों के शासनकाल के दौरान लाखों की संख्या में भारतीय, श्रमिकों के तौर पर, ब्रिटिश कालोनियों (ब्रिटेन द्वारा शासित देशों) में भेजे गए थे। आज इन देशों में भारतीयों की आगे आने वाली पीढ़ियां बहुत प्रभावशाली बन गई हैं एवं इनमें से कुछ तो इन देशों में प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति के पदों तक पहुंच गए हैं। भारत द्वारा अंग्रेजों से राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद, एक बड़ी संख्या में भारतीय अन्य देशों में जाकर प्रवासी भारतीय के तौर पर बस गए थे। उस समय पर इनमें से एक बहुत बड़ा वर्ग किसी न किसी प्रकार की तकनीकी दक्षता जैसे कारीगर, पलंबर, इलेक्ट्रिशियन, आदि हासिल किए हुए था। इन लोगों को ब्लू कॉलर रोजगार आसानी से उपलब्ध हो रहे थे और ये भारतीय एक बड़ी संख्या में अधिकतर सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात, कतर एवं अन्य मिडिल ईस्ट देशों में प्रवासी भारतीय बनकर रहने लगे। उस समय पर इन देशों में प्रवासी भारतीयों को छोटे छोटे दुकानों पर भी रोजगार आसानी से उपलब्ध हो रहा था।

शेख हसीना चुनाव तो जीत गईं, मगर चुनौतियां बरकरार

नीरज कुमार दुबे

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगातार चौथी बार आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। हालांकि वहां का विपक्ष चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहा है और जिस तरह 40 प्रतिशत से भी कम मतदान हुआ उससे यह प्रदर्शित होता है कि ज्यादातर लोगों की चुनावों में रुचि नहीं थी। इसके अलावा मुख्य विपक्षी दल समेत कई प्रमुख पार्टियों ने चूंकि चुनाव का बहिष्कार किया था इसलिए शेख हसीना लगातार चौथी जीत हासिल करने में सफल रहीं। विपक्ष ने चुनाव परिणामों को खारिज करते हुए मांग की है कि देश में नये सिरे से स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव कराये जाने चाहिए। विपक्ष ने साथ ही प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना के इस्तीफे की मांग भी की है लेकिन सत्तारुढ़ पार्टी ने विपक्ष की सभी मांगों को खारिज कर दिया है। वैसे भारत की दृष्टि से देखें तो शेख हसीना का सत्ता में लौटना अच्छा है क्योंकि वह भारत समर्थक हैं जबकि उनकी विपक्षी खालिदा जिया ने अपने कार्यकाल में चीन के साथ करीबी बढ़ा ली थी और उनकी नीतियों के चलते बांग्लादेश में कट्टरपंथी भी हावी हो गये थे। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने चुनाव परिणामों के बाद ढाका में प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात कर देश की ओर से शुभकामनाएं भी दीं। देखा जाये तो शेख हसीना ने सत्ता में लौटकर नया इतिहास तो रच दिया है लेकिन अपने देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने और लोगों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी।

जहां तक बांग्लादेश के चुनावी परिदृश्य की बात है तो हम आपको बता दें कि छिटपुट हिंसा और मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) तथा उसके सहयोगियों की ओर से चुनाव के बहिष्कार करने के कारण शेख हसीना की

पार्टी अवामी लीग के लिए जीत का रास्ता आसान हो गया। शेख हसीना की पार्टी ने 300 सीट वाली संसद में 223 सीट हासिल कीं। एक उम्मीदवार के निधन के कारण 299 सीट पर चुनाव हुये थे। इस सीट पर मतदान बाद में होगा। संसद में मुख्य विपक्षी दल जातीय पार्टी को 11, बांग्लादेश कल्याण पार्टी को एक और स्वतंत्र उम्मीदवारों ने 62 सीट पर जीत दर्ज की है। जातीय समाजतांत्रिक दल और 'वर्कर्स पार्टी ऑफ बांग्लादेश' ने एक-एक सीट जीती।

हम आपको बता दें कि बांग्लादेश में जो 27 राजनीतिक दल चुनाव लड़ रहे थे, उनमें विपक्षी जातीय पार्टी भी शामिल है। बाकी सत्तारुढ़ अवामी लीग की अगुवाई वाले गठबंधन के सदस्य हैं जिसे विशेषज्ञों ने ''चुनावी गुट'' का घटक दल बताया है। देश के निर्वाचन आयोग के अनुसार 42,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदान हुआ। चुनाव में 27 राजनीतिक दलों के 1,500 से अधिक उम्मीदवार मैदान में थे और उनके अलावा 436 निर्दलीय उम्मीदवार भी थे। निर्वाचन आयोग के एक प्रवक्ता ने बताया था कि हिंसा की कुछ छिटपुट घटनाओं के अलावा, 300 में से 299 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा। भारत के तीन पर्यवेक्षकों समेत 100 से अधिक विदेशी पर्यवेक्षकों ने 12वें आम चुनाव की निगरानी की। ऐसी ही एक विदेशी पर्यवेक्षक शरमीन मुर्शीद ने बांग्लादेश चुनावों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने पहली बार किसी पार्टी को अपने ही उम्मीदवारों के खिलाफ खड़ा होते देखा है। उन्होंने कहा कि पहली बार विरोधियों को सीटें दी गईं ताकि वे सच्चा विपक्ष बन जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने वालों के लिए 20, 30 या 40 प्रतिशत मतदान कोई मायने नहीं रखता।

वैसे इस जीत से अपने देश की राजनीति में शेख हसीना का कद काफी बढ़ गया है। उन्होंने अपनी पार्टी को तो बड़ी जीत दिलाई ही साथ ही अपनी सीट पर भी बड़े अंतर से चुनाव जीता है। 76 वर्षीय अवामी लीग पार्टी की प्रमुख शेख हसीना ने गोपालगंज-तृतीय सीट पर भारी मतों के अंतर से जीत हासिल की। संसद सदस्य के रूप में यह उनका आठवां कार्यकाल है। शेख हसीना 2009 से सत्ता पर काबिज हैं और एकतरफा चुनाव में लगातार चौथी बार जीत हासिल की है। अहम बात यह है कि 1991 में लोकतंत्र की बहाली के बाद से ऐसा दूसरी बार है जब सबसे कम मतदान हुआ। फरवरी 1996 के विवादास्पद चुनावों में 26.5 प्रतिशत मतदान हुआ था जो कि बांग्लादेश के इतिहास में सबसे कम है। रविवार के चुनाव में दोपहर तीन बजे तक 27.15 प्रतिशत मतदान हुआ था और शाम चार बजे मतदान प्रक्रिया समाप्त हो गई। निर्वाचन आयोग ने एक घंटे में 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कुल मिलाकर लगभग 40 प्रतिशत मतदान का अनुमान जताया था।

इस जीत के साथ, शेख हसीना आजादी के बाद बांग्लादेश में सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाली प्रधानमंत्री बनने की ओर बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मतदान शुरू होने के तुरंत बाद ढाका सिटी कॉलेज मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला था। इस दौरान उनकी बेटी साइमा वाजिद भी उनके साथ थीं। उन्होंने आरोप लगाया था कि विपक्षी बीएनपी-जमात-ए-इस्लामी गठबंधन लोकतंत्र में यकीन नहीं रखता है।%% हसीना ने एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा कि भारत, बांग्लादेश का ''भरोसेमंद मित्र'' है। उन्होंने कहा, ''हम बहुत सौभाग्यशाली हैं...भारत हमारा भरोसेमंद मित्र है। मुक्ति संग्राम (1971) के दौरान, 1975 के बाद उन्होंने न केवल हमारा समर्थन किया, जब हमने अपना पूरा परिवार- पिता, मां, भाई, हर कोई (सैन्य तख्तापलट में) खो दिया था और केवल हम दो (हसीना और उनकी छोटी बहन रिहाना) बचे थे...उन्होंने हमें शरण भी दी। इसलिए हम भारत के लोगों को शुभकामनाएं देते हैं।''

हम आपको याद दिला दें कि सैन्य अधिकारियों ने अगस्त 1975 में शेख मुजीबुर रहमान, उनकी पत्नी और उनके तीन बेटों की उनके घर में ही हत्या कर दी थी। उनकी बेटियां हसीना और रिहाना उस हमले में बच गयी थीं, क्योंकि वे विदेश में थीं। यह पूछने पर कि बीएनपी के बहिष्कार के कारण यह चुनाव कितना स्वीकार्य है, इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी जिम्मेदारी लोगों के प्रति है। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए महत्वपूर्ण यह है कि लोग इस चुनाव को स्वीकार करते हैं या नहीं। इसलिए मैं उनकी (विदेशी मीडिया) स्वीकार्यता की परवाह नहीं करती हूं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आतंकवादी दल क्या कहता है या क्या नहीं कहता है।'' हसीना ने विपक्ष पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों को भड़काने का आरोप लगाया है, जिसने अक्टूबर के अंत से ढाका को हिलाकर रख दिया है। विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है। गत शुक्रवार को एक यात्री ट्रेन में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई थी। मतदान से कुछ दिन पहले कई मतदान केंद्रों, स्कूलों और एक बौद्ध मठ को भी आग लगा दी गई थी।

आज का इतिहास

1945 बेस्टांग दर्रा की लड़ाई मनीला के उत्तर में शुरू हुई।
1951 अमेरिका के न्यूयॉर्क में आधिकारिक रूप से संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय खुला।
1960 मिस्र में नील नदी पर आसवान नामक बांध का निर्माण आरंभ हुआ।
1962 क्यूबा और सोवियत संघ ने एक व्यापार संधि पर हस्ताक्षर किया।
1972 आरएमएस क्वीन एलिजाबेथ, एक महासागर लाइनर जो केंटर्ड व्हाइट स्टार लाइन के लिए अटलांटिक महासागर को बहाती है, हांगकांग के विक्टोरिया हार्बर में आग से नष्ट हो गई थी।
1972 नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन के लॉस एंजिल्स लेकर्स मिल्वौकी बक्स से हार गए, जो 33-गेम जीतने वाली लकीर को समाप्त कर रही थी, जो अमेरिकी पेशेवर खेलों में किसी भी टीम की सबसे लंबी थी।
1972 सीवाइड यूनिवर्सिटी, पूर्व में आरएमएस क्वीन एलिजाबेथ, एक महासागर लाइनर जो केंटर्ड व्हाइट स्टार लाइन के लिए अटलांटिक महासागर को बहाती थी, हांगकांग के विक्टोरिया हार्बर में आग से नष्ट हो गई थी।
1974 हिंदी सिनेमा के मशहूर फिल्म निर्माता, पटकथा लेखक, गीतकार, गायक और अभिनेता फरहान अख्तर का जन्म हुआ।
1981 अमेरिकी प्रतिनिधि रेमंड एफ. लेडरर को एब्सकैम कांड में उनकी भूमिका के लिए रिश्वत और साजिश का दोषी ठहराया गया था, लेकिन तीन और महीनों तक उनके कार्यकाल की सेवा जारी रही।
1991 कुवैत के इराकी आक्रमण का शांतिपूर्ण समाधान खोजने की कोशिश करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और इराक के प्रतिनिधि जिनेवा शांति सम्मेलन में मिले।
1995 इक्काडोर और पेरू सीमा लड़ाई में शामिल थे। लड़ाई लंबे समय से जारी है।
1995 नेवार्क हवाई अड्डे पर कार्यकर्ता गलती से बिजली के तार काम करते समय काट देता है।
1996 प्रथम चेचन युद्ध- चेचन अलगाववादियों ने रिपब्लिक ऑफ डागेस्टन के किजियार शहर में छापे मारे, जो हजारों नागरिकों को शामिल करते हुए बड़े पैमाने पर बंधक संकट में बदल गया।

बंगाल में फेल हो गया है फेडरल सिस्टम

अजय सेतिया

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के बाद अपनी ब्रिटेन और अमेरिका यात्राओं के दौरान भारत के एक देश होने पर टिप्पणी की थी। उनकी यह टिप्पणी विवादस्पद हो गई थी, क्योंकि उन्होंने भारत के एक देश होने पर ही सवाल उठा दिया था। उन्होंने कहा था कि भारत यूरोपियन यूनियन की तरह राज्यों का संघ है, यूनियन ऑफ स्टेट्स है। राहुल गांधी ने भारत को यूरोपियन यूनियन की तरह राज्यों का संघ इस लिए कहा था, ताकि वह मोदी सरकार की एक राष्ट्र- एक क़ानून, एक राष्ट्र- एक चुनाव, एक राष्ट्र- एक पुलिस वर्दी वाली योजनाओं को राज्यों के अधिकारों पर अतिक्रमण बता कर विरोध कर सकें। यह कह सकें कि मौजूदा मोदी सरकार राज्यपालों के माध्यम से चुनी हुई सरकारों के काम में हस्तक्षेप कर रही है। राज्यों को अपना गुलाम बनाने की कोशिश कर रही है।

कुल मिलाकर राहुल का कहना यह था कि मोदी सरकार की सोच और कार्यप्रणाली फेडरल सिस्टम पर हमला है। फेडरल सिस्टम को बचाने के लिए ही पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ सरकारों ने अपने राज्यों में बिना राज्य सरकारों की इजाजत के केन्द्रीय जांच एजेंसी सीबीआई की एंट्री पर रोक लगा दी थी। लेकिन बंगाल में जो कुछ हो रहा है, उसने देश के संघात्मक ढाँचे को हिला कर रख दिया है। राहुल गांधी समेत उन तमाम विपक्षी नेताओं की बोलती बंद हो गई है, जो मोदी सरकार पर फेडरल सिस्टम को तबाह करने का आरोप लगाते हैं। हर दूसरे साल बंगाल में कोई न कोई ऐसी घटना हो रही है, जो फेडरल सिस्टम को हिला कर रख देती है। बंगाल की टीएमसी सरकार ने फेडरल सिस्टम ही नहीं, लोकतंत्र को भी हिला कर रख दिया है।

विधानसभा चुनावों से पहले टीएमसी के वर्कर वोटरों को धमकाने के लिए हिंसा का नंगा नाच कर रहे थे। भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और सीपीएम के वर्करों की हत्याएं हो रही थीं। चुनाव जीतने के बाद अब केंद्र सरकार के अफसरों के खिलाफ हिंसा का नंगा नाच कर रहे हैं। गुरूवार 4 जनवरी को पश्चिम बंगाल के नार्थ 24 परगना जिले में ईडी के तीन अधिकारियों अंकित गुप्ता, सोमनाथ दत्ता और राजकुमार राम के जिस तरह सिर फोड़े गए। उनके वाहन तोड़े गए और वहां के एसएसपी ने ईडी

अधिकारियों का फोन नहीं उठाया, उसने फेडरल सिस्टम को कटघरे पर ला कर खड़ा कर दिया है।

ममता बनर्जी ने उस राजीव कुमार को डीजीपी बना दिया है, जो चिटफंड घोटाले में समन भेजने के बाद भी सीबीआई के सामने पेश नहीं हुआ था। पूछताछ करने सीबीआई उसके घर पहुंची थी, तो खुद मुख्यमंत्री धरने पर बैठ गई थी। राजीव कुमार को लेकर लंबे समय तक केंद्र सरकार और ममता बनर्जी में नोक झोंक होती रही। आईएस और आईपीएस अफसर केंद्र सरकार के अंतर्गत आते हैं, लेकिन जिस राज्य काडर में उनका चयन होता है, वे उन राज्यों की सरकार के मताहत काम करते हैं।

जब डीजीपी मुख्यमंत्री के घरेलू नौकर की तरह व्यवहार कर रहा होगा, तो किसी एसएसपी की कैसे हिम्मत हो सकती है कि वह ईडी अधिकारियों को टीएमसी वर्करों की हिंसक भीड़ से बचाए। कोलकाता के अखबार टेलीग्राफ की रिपोर्टर मोनालिसा चौधरी ने लिखा है कि वह कई सालों से रिपोर्टिंग कर रही है, और कई सालों से इस तरह की हिंसा देख रही है, लेकिन यह उसने जिन्दगी में पहली बार देखा जब कोई भी व्यक्ति हिंसा को रोकने के लिए सामने नहीं आ रहा था। ममता बनर्जी दिल्ली आती हैं, तो महात्मा गांधी की समाधि पर जाती हैं। खादी की साड़ी पहन कर खुद को गांधीवादी बताती हैं, लेकिन उनके बंगाल में हर रोज गांधी की हत्या हो रही हैं। जेहादी भीड़ ने ईडी अफसरों को ही नहीं, पत्रकारों को भी अपनी हिंसा का शिकार बनाया। मीडिया की आज़ादी की दुहाई देने वालों का असली चेहरा भी सामने आ गया। कैमरामेन के पेट पर लात मार कर उन्हें गिरा दिया गया और उनसे कैमरे छीन लिए गए, ताकि उनकी काली करतूतें टीवी चैनलों पर ना आ सकें। अखबारों में न छप सकें। ईडी की टीम राशन चोर टीएमसी के नेता शाहजहाँ शेख के घर छापा मारने गई थी। शाहजहाँ शेख और शंकर आध्या का नाम गिरफ्तार हो चुके ममता सरकार के खाद्यान्न मंत्री ज्योतिर्प्रिय मुल्लिक ने पूछताछ में लिया है। जब से ममता का राज आया है, शाहजहाँ शेख और शंकर आध्या तब से सरकारी राशन को ब्लेक मार्केट में बेच बेच कर लखपति से अरबपति बन गए हैं। केंद्र सरकार की ओर से भेजा गया आटा चावल गरीबों को नहीं दिया जाता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश भर में कहते फिर रहे हैं कि वह 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन भेज रहे हैं, लेकिन रास्ते में कई शाहजहाँ शेख और शंकर आध्या बैठे हैं। शंकर आध्या को तो गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन शाहजहाँ शेख अपने समुदाय के समर्थकों की भीड़ बुला कर खुद भाग गया। इसके बाद अपने समर्थकों के नाम जारी एक वीडियो में शाहजहाँ शेख ने कहा है कि उसने कोई अपराध नहीं किया है। उसने उम्मीद जताई है उसके समर्थकों की भीड़ उसके प्रति अपना समर्थन बनाए रखेगी। केंद्र सरकार को उसके बांग्लादेश भागने की आशंका है। इसलिए गृह मंत्रालय ने उसके लुक आउट वारंट जारी कर दिए हैं ताकि वह बांग्लादेश न भाग सके। ये वो भ्रष्ट टीएमसी नेता हैं, जिन्हें सीधे ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी का आशीर्वाद है। ममता की सारी सरकार, सारे मंत्री, सारे पार्टी वर्कर दोनों हाथों से लूट रहे हैं। दिल्ली आ कर वह मोदी से मिलती हैं, और कहती हैं कि केंद्र सरकार मनरेगा का पैसा रिलीज नहीं कर रही। लेकिन जब अफसर मंत्रियों से सांठगाँठ करके फर्जी रिपोर्ट बनाकर भेजेंगे, और जमीन पर काम नहीं दिखेगा, तो केंद्र सरकार क्यों पैसा रिलीज करे। नार्थ 24 परगना की घटना ने साबित किया है कि टीएमसी का हर नेता कैसे सरकारी खजाने को लूट रहा है। सच यह है कि बंगाल में जंगल राज चल रहा है। अब तो कोलकाता हाईकोर्ट ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। शुक्रवार को कोलकाता हाईकोर्ट के जज जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने भरी अदालत में कहा कि जब ईडी के अधिकारियों पर हमला हो रहा था तब सीआरपीएफ के जवान क्या कर रहे थे, क्या उनके पास बंदूकें नहीं थीं, क्या उन बन्दूकों में गोलियां नहीं थीं। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में जंगल राज चल रहा है, राज्यपाल को घोषित करना चाहिए कि बंगाल में फेडरल सिस्टम फेल हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने भी राष्ट्रपति राज की मांग कर दी है।

योगी पर दिल्ली से दबाव बनवाने वाला दांव कहीं राजभर का काम ना बिगाड़ दे

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार के गठबंधन का हिस्सा सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी हमेशा सुर्खियां बटोरती रहती है। यह सुर्खियां खासकर इस बात को लेकर बनती हैं कि सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर योगी मत्रिमंडल का कब हिस्सा बनेंगे? इसको लेकर लम्बे समय से अटकले भी लग रही हैं, लेकिन ओमप्रकाश राजभर और सपा छोड़कर भाजपा में आये दारा सिंह चौहान के मंत्री बनने की तमन्ना पूरी नहीं हो पा रही है। मंत्री बनने के लिए राजभर कुछ ज्यादा बेचैन दिख रहे हैं। योगी से कई बार मुलाकात के बाद भी जब राजभर के मंत्री बनने की राह नहीं खुली तो उन्होंने दिल्ली के दरबार में दस्तक देना शुरू कर दिया है। गत दिवस राजभर ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुलाकात की है। राजभर और शाह के बीच हुई मुलाकात कई मायनों में अहम मानी जा रही है। राजभर इससे पहले सीएम योगी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से राजभर की मुलाकात के दौरान यूपी मंत्रीमंडल विस्तार, लोकसभा चुनाव समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। इस मुलाकात के बाद राजभर के योगी मंत्रिमंडल में शामिल होने की चर्चाओं ने फिर तूल पकड़ लिया है। सुभासपा की ओर से दावा किया जा रहा है कि खरमास खत्म होते ही योगी मंत्रिमंडल विस्तार किया जा सकता है जिसमें राजभर और दारा सिंह चौहान मंत्री पद हासिल कर सकते हैं। उधर, ओपी राजभर ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह ने भी खरमास तक रुक जाने के लिए कहा है। राजभर ने कहा कि हमने अमित शाह जी से पूछा था कि मंत्रिमंडल विस्तार में इतना विलंब क्यों हो रहा है तो उन्होंने खरमास तक रुक जाने के लिए कहा है। अभी मंत्रिमंडल विस्तार की फाइनल तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन खरमास के बाद किसी भी समय विस्तार की घोषणा हो सकती है। मीडिया से बात करते हुए राजभर ने यह भी कहा कि सिर्फ वह ही मंत्री नहीं बनेंगे, अन्य लोग भी मंत्री बनाए जा सकते हैं। हालांकि अन्य लोगों में से किसी का खुलकर नाम उन्होंने नहीं बताया। राजभर ने गृहमंत्री से मुलाकात की दो फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की है जिसमें उन्होंने लिखा है कि नई दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से नए साल पर आत्मीय मुलाकात हुई है। इस बैठक में यूपी, बिहार की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति और लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। साथ ही राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के लिए प्रस्ताव जल्द से जल्द यूपी सरकार से केंद्र सरकार को भेजे जाने पर भी चर्चा हुई है। राजभर ने अपनी पोस्ट के जरिये बताया कि बंजारा जाति की सामाजिक समस्याओं व गोंड, खरवार जाति के जातिप्रमाण पत्र के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही वंचित और शोषित वर्गों के हितों से जुड़े अहम विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई है। बहरहाल, ओमप्रकाश राजभर और दारा सिंह चौहान की स्थिति ठीक वैसे ही हो गई है जैसी योगी के पहले कार्यकाल में मौजूदा ऊर्जा और नगर विकास मंत्री एके शर्मा की हुई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काफी करीबी माने जाने वाले एके शर्मा को जब गुजरात से यूपी लाकर चुनाव लड़ाया गया था तो यहां तक चर्चा चल पड़ी थी कि योगी सरकार के ऊपर मोदी ने एके शर्मा के रूप में 'पहरेदार' बैठा दिया है। शर्मा को योगी मत्रिमंडल में बड़ा विभाग मिलने की भी खूब चर्चा हुई लेकिन योगी ने शर्मा को अंत तक मंत्री पद की शपथ नहीं दिलाई थी जबकि उनके ऊपर दिल्ली का काफी दबाव था। ऐसे में अब राजभर का दिल्ली दरबार वाला दबाव योगी पर कितना चल पायेगा, यह कहना मुश्किल है। राजभर की इस हिमाकत के चलते यदि राजभर से मंत्री पद की कुर्सी और दूर चली जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

नीतीश ने विपक्षी गठबंधन का संयोजक बनने से किया किनारा

शिव शरण शुक्ला

बिहार के सीएम नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन इंडिया के संयोजक नहीं बनना चाहते। उन्होंने कांग्रेस समेत गठबंधन के दूसरे सहयोगियों को अपनी इस इच्छा से अवगत करा दिया है। इतना ही नहीं नीतीश सीट बंटवारे का फॉर्मूला और भाजपा के खिलाफ राज्यवार रणनीति तय किए बिना गठबंधन की बैठक भी बुलाए जाने के पक्ष में नहीं हैं। जदयू ने यह भी साफ कर दिया है कि वह राज्य की 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। शेष 23 सीटों पर किसकी कितनी हिस्सेदारी हो यह राजद तय करे। जदयू सूत्रों ने बताया कि नीतीश के संयोजक बनने की राह में कई बाधा हैं। विपक्षी गठबंधन संयोजक के साथ गठबंधन का नेता भी तय करना चाहता है। इसका अर्थ हुआ कि अगर नीतीश संयोजक बने तो गठबंधन में उनकी स्थिति नंबर दो की होगी। चूंकि नीतीश ही इस गठबंधन के वास्तविक सर्जक हैं, ऐसे में नंबर दो की स्थिति उनके अनुरूप नहीं होगी। यही कारण है कि उन्होंने संयोजक नहीं बनने की इच्छा से सहयोगियों को अवगत करा दिया है। राज्य में सीट बंटवारे का सवाल भी जदयू ने राजद के पाले में डाल दिया है। पार्टी ने बीते चुनाव की तरह कम से कम 17 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है। पार्टी ने कहा है कि शेष बची 23 सीटों पर किसके हिस्से कितनी सीटें आएंगी, यह राजद को तय करना है। गौरतलब है कि कांग्रेस को उस फॉर्मूले पर आपत्ति है, जिसके तहत जदयू-राजद को 17-17, कांग्रेस को चार और वाम दलों को दो सीटों पर चुनाव लड़ना था। जदयू चाहता है कि उसे पूर्वोत्तर भारत, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी सीटें मिलें। दबाव बनाने के लिए जदयू ने इसी हफ्ते अरुणाचल प्रदेश पश्चिम से उम्मीदवार उतार दिया है। पार्टी उत्तर प्रदेश में तीन और मध्य प्रदेश की एक सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। इसी प्रकार टीएमसी और सपा भी चाहते हैं कि कांग्रेस उसे अपने प्रभाव वाले राज्यों में भी गठबंधन के तहत सीटें दे। दरअसल, बिहार सहित पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में जहां क्षेत्रीय दल कांग्रेस को भाव नहीं दे रहे, वहीं दिल्ली, पंजाब में बातचीत की शुरुआत भी नहीं हो पा रही। ममता बंगाल में कांग्रेस को महज दो सीटें देना चाहती है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे, एनसीपी और कांग्रेस तीनों कम से कम 20 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। इसके इतर उत्तर प्रदेश में सपा को शक है कि कांग्रेस बसपा के संपर्क में है, जबकि दिल्ली, पंजाब में सीट बंटवारे पर शुरुआती बातचीत भी नहीं हुई है।

अबकी बार 400 पार, क्या तीसरी बार भी मोदी सरकार?

निरंजन परिहार

राजनीति में जीत हार का कुछ जिम्मा चुनाव के दौरान लगनेवाले नारों पर भी होता है। मोदी के लिए पहली बार नारा लगा कि अबकी बार मोदी सरकार। दूसरी बार नारा लगा, एक बार फिर मोदी सरकार। अब तीसरी बार के लिए बीजेपी ने नारा लगाया है- अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार। खबर है कि बीजेपी ने इसी नारे को लेकर आगे बढ़ने का निर्णय किया है। आने वाले अप्रेल-मई में हो रहे लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी में तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। मोदी सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने की कोशिश में विकसित भारत संकल्प यात्रा देश के गांव गांव में पहुंच रही है। इस बीच अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार नारे को अपनाकर उसे जन आंदोलन के रूप में आमजन तक पहुंचाने की शुरुआत भी हो गयी है।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के तहत बीजेपी ने प्रदेश स्तर के साथ साथ हर, लोकसभा और विधानसभा स्तर पर भी संयोजक और सह-संयोजक निश्चित कर लिए हैं। हर प्रदेश में तीन-चार लोकसभा क्षेत्रों के क्सल्टर बनाए गए हैं। हर क्लस्टर की बैठकें शुरू हो गई हैं और राम मंदिर के उद्घाटन के साथ ही देश भर में हर लोकसभा क्लस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के दौरों के कार्यक्रम तय हो गए हैं। इन्हीं सारी तैयारियों के बीच बीजेपी ने आम चुनाव को लेकर नारा तय कर लिया है। बीजेपी की अंदरूनी जानकारी रखनेवाले जानकार सूत्रों का कहना है कि अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार का नारा बीजेपी ने ऐसे समय पर गढ़ा है, जब 2 जनवरी को नई दिल्ली में बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई और तीसरी बार की तैयारी पर व्यापक चर्चा हुई।

देश में इन दिनों विकसित भारत संकल्प यात्रा में मोदी की गारंटी वाली जो गाड़ी चल रही है, माना जा रहा है कि यही बीजेपी के लिए देश भर में सफलता की गारंटी भी बनेगी, ये भी मोदी की गारंटी है। इसी तालमेल के तहत विकसित भारत संकल्प यात्रा में मोदी की गारंटी की गाड़ी

देश भर के गांव गांव में पहुंच रही है। इस अभियान में बीजेपी की स्थानीय इकाई भी सरकारी सहयोग में जुटी है। बीजेपी के इन सूत्रों का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति देश में पहले से ज्यादा विश्वास बढ़ा है, वे यह भी मानते हैं कि मोदी की गारंटी वाली गाड़ी, देश की सफलता की गारंटी बनेगी, ये भी मोदी की गारंटी है। ऐसे में %अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार% नारे के साथ आगे बढ़ने की जो तैयारी हो रही है, उससे लगभग तय है कि बीजेपी मोदी की गारंटी से शुरू हुए जनअभियान को इसी 400 पार वाले नए नारे तक ले जाएगी।

बीजेपी की ताजा तैयारियों से तस्वीर साफ है कि बीजेपी का चुनाव अभियान शुरू हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी तीसरी बार के विजय अभियान में महिलाओं, छात्रों, युवाओं, जरूरतमंदों व लाभार्थियों से बात कर रहे हैं। तमिलनाडु की तरह ही उन प्रदेशों में भी जाकर लोगों से मिल रहे हैं, जहां बीजेपी को अपना नया जनाधार विकसित करना है। बीजेपी मान रही है कि चुनावी अभियान के साथ साथ किसी भी नई जगह में प्रवेश और विस्तार दोनों ज्यादा आसान होते हैं, जबकि सामान्य दिनों में लोगों को राजनीतिक दलों से जुड़ाव का कोई कारण नजर नहीं आता। राजनीति के जानकार कहते हैं कि बीजेपी सही राह पर जा रही है। क्योंकि गैर राजनीतिक कार्यक्रम घोषित करके राहुल गांधी ने बिना चुनावी उद्देश्य के जो भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, उसमें न तो भारत के लोग उनसे जुड़ पाए और न ही वे भारत को खुद से जोड़ सके।

2 जनवरी को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अगुवाई में चुनावी तैयारियों को लेकर बीजेपी के मुख्यालय में दिन भर चली बैठक में महासचिव सुनील बंसल, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव और मनसुख मंडाविया और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सर्मा मौजूद थे। इस बैठक में पार्टी के बूथ स्तर पर सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं को यह तय करने की रणनीति तय की गई है कि नए वोटर, युवाओं और महिला वोटर्स पर खास फोकस किया जाना चाहिए। बीजेपी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व नेता हर स्तर पर नए वोटरों को बताएंगे कि 2014 से पहले का भारत कैसा था और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इसमें कितना व्यापक बदलाव आया है।

अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार नारे को जनता की जुबान पर उतारने की कोशिश के साथ ही नए मतदाताओं के लिए उम्र है अठारह, तो क्यों है इंतजार, करें मतदान नारा बीजेपी तय करने वाली है। ऐसी ही अनेक तैयारियों के साथ बीजेपी आगे बढ़ रही है, लेकिन 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के तत्काल बाद अगली कड़ी में 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के दिन आबूधाबी में स्वामीनारायण सुमदाय के खाड़ी देशों में पहले हिंदू मंदिर के प्रधानमंत्री मोदी के हाथों उद्घाटन जैसे धार्मिक कार्यक्रमों को भी जनआंदोलन का रूप देने की तैयारी तय है।

धारा 370, अयोध्या में राम मंदिर जैसे भावनात्मक मुद्दों और जनकल्याण के सरकारी कामों के तालमेल से बीजेपी तीसरी बार तीन गुने उत्साह के साथ मैदान में उतरने को तैयार है। लेकिन मोदी का रास्ता रोकने के लिए कांग्रेस क्या कर रही है, कोई जानता है? क्या राहुल गांधी की दूसरी भारत जोड़ो यात्रा वोटरों को कांग्रेस से जोड़ पायेगी या लोकसभा में आज जहां कांग्रेस खड़ी है उससे भी नीचे खिसक जाएगी? अगर बीजेपी 400 का लक्ष्य लेकर तैयारियों में जुटी है तो कांग्रेस ने क्या लक्ष्य तय किया है, यह जानना दिलचस्प होगा। उस लक्ष्य को पाने के लिए उसके रणनीतिक खुलासे का भी इंतजार रहेगा।

आखिर क्या है मोदी की गारंटी? क्यों सब कहते हैं मोदी है तो मुमकिन है ?

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने हर कदम से बहुत-से संदेश देते हैं तभी तो भारत में सिर्फ %मोदी की गारंटी% ही चलती है। समस्या भले विकराल से विकराल हो लेकिन आम से लेकर खास आदमी को उसके सुलझने का पूरा भरोसा रहता है क्योंकि सभी को पता है कि %मोदी है तो मुमकिन है% कोई चुनावी नारा नहीं बल्कि आज की सबसे बड़ी हकीकत है। आकाश की ऊँचाई और धरती की गहराई से पूरी तरह परिचित मोदी जमीन पर अपने पाँव सदा टिकाए रखते हैं तभी तो चुनावी राजनीति में उनका विजय रथ सदा सफलता के साथ दौड़ता रहता है।

मोदी तेजस लड़ाकू विमान से उड़ान भरते हैं तो दुश्मन का दिल तो कांपता ही है साथ ही भारत के स्वदेशी रक्षा उत्पादों की ग्लोबल ब्रांडिंग भी हो जाती है। मोदी लक्षद्वीप में 'स्नॉर्कलिंग' करते हैं तो विपक्ष के मन में प्रश्न उठता है कि वह समुद्र की गहराइयों में क्या खोजने निकले हैं साथ ही प्रधानमंत्री की तस्वीरों से भारत के इस खूबसूरत द्वीप का ग्लोबल विज्ञापन भी हो जाता है। इसी प्रकार कोरोना काल में जब मोदी अल सुबह ऑटो रिक्शा में बैठकर कोरोना वैक्सीन लगवाने गये थे तब भी यही संदेश गया था कि प्रधानमंत्री पद पर होने के बावजूद अपनी बारी आने पर ही मोदी ने साधारण तरीके से अस्पताल जाकर टीके की खुराक ली थी। ऑटो रिक्शा की सवारी कर मोदी ने अपने पैर धरती पर जमे होने और भारत में आम और खास के समान होने का संदेश भी दिया था।

मोदी के दिल में गरीब और पीड़ित के लिए कितना दर्द है यह समय-समय पर उनकी सरकार के फैसलों से सामने आता ही रहता है। मोदी गरीबों के लिए सिर्फ योजनाएं बनाते ही नहीं हैं बल्कि लाभार्थियों के घर जाकर यह भी जानते हैं कि योजनाओं का लाभ बिना किसी भ्रष्टाचार के उन तक पहुँच रहा है या नहीं? मोदी ने महिलाओं की सामाजिक स्थिति सुधारने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का और नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित करा कर उन्हें उनका लंबित और वाजिब हक दिलाकर स्त्री शक्ति का ऐसा आशीर्वाद हासिल किया है कि विभिन्न चुनावों से पहले भले तमाम एग्जिट पोल भाजपा की हार की भविष्यवाणी करती रहें लेकिन महिलाएं मोदी का रक्षा कवच बन कर खड़ी हो जाती हैं। इसके अलावा मोदी छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाने के लिए उनके साथ परीक्षा पर चर्चा करते हैं और चुनौतियों से निबटने का मंत्र देते हैं। मोदी युवाओं को अपना उद्योग-धंधा स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। किसानों, युवाओं, कलाकारों, खिलाड़ियों, वैज्ञानिकों और डॉक्टरों समेत समाज के तमाम वर्गों के साथ प्रधानमंत्री का नियमित संवाद उन्हें हर दिल अजीज बनाये हुए है। मोदी सैन्य वेशभूषा में आयें तो जवानों का जोश हाई हो जाता है। मोदी मेट्रो में चले जाएं तो सेल्फी लेने की होड़ मच जाती है। मोदी वैश्विक मंच पर हों तो बड़े से बड़ा नेता उनसे हाथ मिलाने या गले लगाने को आतुर दिखता है। अमेरिका के राष्ट्रपति मोदी को अपने से ज्यादा लोकप्रिय बताते हैं तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री उन्हें बॉस कह देते हैं। किसी देश का प्रधानमंत्री मोदी के पैर छू लेता है तो तमाम राष्ट्राध्यक्ष उन्हें अपने देश का सर्वोच्च सम्मान देने को आतुर दिखते हैं। भारत के मित्र देश तो मोदी की तारीफ करते ही हैं लेकिन दुश्मनी रखने वाले पाकिस्तान और चीन भी यह स्वीकारते हैं कि मोदी के नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में तेजी से मजबूत हुआ है।

प्राकृतिक आपदाओं से निबटने के लिए मोदी ऐसी तैयारी करते हैं कि तूफान और चक्रवात बस अब हमारे तटों को छूकर जाने लगे हैं। जानमाल का नुकसान रोकने में मोदी सरकार बेहद सफल रही है। इसके अलावा, मोदी अगर भारतीयों को अन्न, जल, शिक्षा, विकास, रोजगार, महंगाई से राहत, चिकित्सा सुविधाएं और अन्य बुनियादी सुविधाओं की गारंटी देते हैं तो दुनिया को भी जरूरत पड़ने पर मदद की गारंटी देते हैं। महामारी के समय दुनिया ने देखा कि वैक्सीन मैत्री अभियान चला कर पूरी दुनिया खासकर गरीब देशों को कोरोना वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन दी गयी। इसके अलावा आज स्थिति यह है कि दुनिया में कहीं भूकंप आये, कोई अन्य प्राकृतिक आपदा आये तुरंत मोदी के निर्देश पर भारत के राहत कर्मी मदद के लिए निकल पड़ते हैं। मोदी का वैश्विक प्रभाव कितना है इसे इसी बात से समझ सकते हैं कि कहीं युद्ध छिड़ जाये तो वहां युद्ध लड़ रहे देश मोदी के निर्देश पर भारतीयों को सकुशल निकल जाने का सुरक्षित रास्ता दे देते हैं। मोदी ने ग्लोबल साउथ के मुद्दों को जिस प्रकार से उठा कर इन देशों की जरूरतों से दुनिया को अवगत कराया उसके लिए इस क्षेत्र के देश मोदी का आभार व्यक्त करते नहीं थकते। मोदी राज में भारत जिस तरह हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है, भारत की कामयाबी का डंका जमीन से लेकर चंद्रमा तक बज रहा है, भारत जिस तरह एक वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में खड़ा हुआ है और जी20 की अध्यक्षता के दौरान दुनिया के समक्ष साबित किया है कि वह विश्व का नेतृत्व करने में सक्षम है उसके चलते दुनिया के देश भारत के बारे में अपनी पुरानी राय बदलने को मजबूर हुए हैं। दुनिया यदि नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व पर विश्वास कर रही है तो उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि पूरा विश्व इस बात को मानता है कि वह ऐसे राजनीतिज्ञ हैं जो किसी भी कीमत पर अपने देश के हितों पर आंच नहीं आने देंगे। साथ ही दुनियाभर में मोदी की अप्रूवल रेटिंग 76 प्रतिशत होना दर्शाता है कि %मोदी की गारंटी% भारत में हिट है और %मोदी का जादू% दुनिया में सुपरहिट है। वैसे दुनिया में लोकप्रियता के आकाश पर लगातार बरकरार रहने वाले मोदी जमीन से भी उतने ही जुड़े हुए हैं। मोदी विभिन्न माध्यमों के जरिये जनता के साथ सीधा संवाद बनाये रखते हैं। अक्सर देखने में आता है कि लोकप्रियता के शिखर पर पहुँचने वाली हस्तियां अपने आप को भगवान समझने लगती हैं और लोगों से अपनी तारीफों के पुल बंधवाना उन्हें अच्छा लगता है लेकिन मोदी अपने पार्टीजनों और आम लोगों से कहते हैं कि उनके नाम के आगे जी नहीं लगाते हुए उन्हें सिर्फ मोदी कह कर ही पुकारा जाये। मोदी जनता से और अपने नेताओं से किसी प्रकार की दूरी नहीं चाहते इसलिए हर प्रकार की औपचारिकता से भी दूर रहते हैं।

बहरहाल, जो लोग अब भी मोदी की गारंटी का अर्थ नहीं समझे हैं वह सबसे ताजा उदाहरण उत्तरी अरब सागर में अपहृत वाणिज्यिक जहाज में सवार लोगों से ले सकते हैं। उन सभी को जब भारतीय नौसेना ने बचाया तो उनकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि उन्हें पूरी उम्मीद थी कि भारत सरकार उनकी मदद के लिए जरूर आयेगी। ऐसा ही भरोसा उत्तरकाशी की सुरंग में फंसे श्रमिकों को भी था कि मोदी सरकार उन्हें बचा लेगी। देखा जाये तो आज दुनिया में कहीं भी हालात खराब हों तो वहां रह रहे भारतीयों को पूरा भरोसा रहता है कि भारत सरकार किसी भी कीमत पर उन्हें बचाने के लिए जरूर आयेगी। यही है मोदी की गारंटी।

क्या है इक्ष्वाकु की अयोध्या और रघुकुल की कहानी

अयोध्या में श्री राम लला की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। 22 जनवरी 2024 को कुछ पुरोहितों के मंत्रोच्चार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामलला की प्रतिमा की स्थापना करेंगे। परन्तु जैसा कि सबको पता है अयोध्या और श्रीरामलला से जुड़ी खबरें आस्था के साथ राजनीतिक विवाद भी उत्पन्न कर रही हैं और सभी की प्रासंगिकता पर एक प्रश्नचिह्न भी खड़ा कर रहा है। ऐसे में हर किसी को यह जानने की उत्सुकता होगी कि भगवान राम की वंश परम्परा क्या थी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार त्रेया युग में भगवान श्रीराम का जन्म अयोध्या में हुआ था। भगवान राम को विष्णु का 7वां अवतार माना जाता है। कहा जाता है कि भगवान राम का जन्म सूर्यवंश में हुआ था। आइए जानते हैं भगवान श्रीराम की वंश परंपरा यानी ब्रह्माजी से लेकर भगवान राम तक की।

कैसे शुरू हुई रघुकुल की कहानी- सृष्टि के आरम्भ में ब्रह्मा जी ने पृथ्वी के प्रथम राजा सूर्य देव के पुत्र वैवस्वत मनु को बनाया। सूर्य पुत्र होने के कारण मनु जी सूर्यवंशी कहलाए और उन्हीं से यह वंश सूर्यवंश कहलाया। इसके बाद अयोध्या के सूर्यवंश में प्रतापी राजा रघु हुए। राजा रघु से इस वंश को रघुवंश कहा गया। यहां आपको श्रीहरि विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम की वंश परम्परा के बारे में जानकारी दी जाएगी। वैवस्वत मनु के दस पुत्र थे। इल, इक्ष्वाकु, दखलाम, अरिष्ट, धृष्ट, नरिष्यंत, करुष, महाबली, शर्याति और पृषद। राम का जन्म इक्ष्वाकु वंश में हुआ था। आइए जानते हैं विस्तार से।

मरीचि का जन्म ब्रह्मा जी से से हुआ था और मरीचि के पुत्र कश्यप थे। इसके बाद कश्यप के पुत्र विवस्वान हुए। सूर्यवंश का प्रारंभ विवस्वान के जन्म के समय से ही माना जाता है। वैवस्वत मनु विवस्वान के पुत्र थे। वैवस्वत मनु के 10 पुत्र हुए- इल, इक्ष्वाकु, करचम (नभाग), अरिष्ट, धृष्ट, नरिष्यंत, करुष, महाबली, शर्याति और पृषद। भगवान राम का जन्म वैवस्वत मनु के दूसरे पुत्र इक्ष्वाकु के कुल में हुआ था। आपको बता दें कि जैन तीर्थंकर नेमि का जन्म भी इसी कुल में हुआ था।

इक्ष्वाकु से सूर्यवंश की उत्पत्ति हुई। इक्ष्वाकु वंश में विकुक्षि,नेमि और दण्डक सहित अनेक पुत्रों का जन्म हुआ। धीरे-धीरे समय के साथ यह पारिवारिक परंपरा बढ़ती चली गई,जिसमें हरिश्चंद्र रोहित, वृष, बहू और सगर का भी जन्म हुआ। अयोध्या नगरी की स्थापना इक्ष्वाकु के समय में हुई थी। इक्ष्वाकु कौशल देश के राजा थे जिनकी राजधानी साकेत थी। अब इसे वर्तमान में अयोध्या कहा जाता है। रामायण में गुरु वशिष्ठ ने राम के वंश का विस्तार से वर्णन किया है।

कुक्षी इक्ष्वाकु के पुत्र थे, विकुक्षी कुक्षी के पुत्र था। इसके बाद विकुक्षि के पुत्र बाण हुए और बाण के पुत्र अनरण्य हुए । इसके बाद अनरण्य से पृथु और पृथु से त्रिशंकु का जन्म हुआ। त्रिशंकु के पुत्र धुंधुमार हुए। धुंधुमार के पुत्र का नाम युवनश्व था। मान्धाता का जन्म युवनश्व से हुआ था और सुसन्धि का जन्म मान्धाता से हुआ था। सुसन्धि के दो पुत्र हुए-ध्रुवसंधि और प्रसेनजित। ध्रुवसंधि के पुत्र भरत हुए। भरत के पुत्र असित के जन्म के बाद असित के पुत्र सगर का जन्म हुआ। सगर अयोध्या के सूर्यवंशियों के पराक्रमी राजा थे। राजा सगर के पुत्र असमंज थे। इसी प्रकार असमंज द्वारा अंशुमान का जन्म हुआ , फिर अंशुमान का पुत्र दिलीप हुआ। दिलीप के पुत्र हुए प्रतापी भागीरथ जो कठोर तपस्या करके मां गंगा को धरती पर लाए थे । भागीरथ के पुत्र काकुत्स्थ हुए और काकुत्स्थ के पुत्र रघु का जन्म हुआ।

रघु के जन्म के बाद ही इस वंश का नाम रघुवंश पड़ा क्योंकि रघु बहुत ही पराक्रमी और प्रतापी राजा थे। रघु के पुत्र हुए प्रवृद्ध। प्रवृद्ध के पुत्र शंखण थे। शंखण के पुत्र सुदर्शन हुए। सुदर्शन के पुत्र का नाम था अग्निवर्ण। अग्निवर्ण के पुत्र शीघ्रग हुए। शीघ्रग के पुत्र हुए मरु।

मरु के पुत्र हुए प्रशुश्रुक। प्रशुश्रुक के पुत्र हुए अम्बरीष। अम्बरीष के पुत्र का नाम था नहुष। नहुष के पुत्र हुए ययाति। ययाति के पुत्र हुए नाभाग। नाभाग के पुत्र अज हुए। अज के पुत्र थे राजा दशरथ और वे अयोध्या के राजा बने। दशरथ ने चार पुत्रों को जन्म दिया। भगवान राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न।

भगवान राम से लव और कुश ने जन्म लिया, भरत के पुत्र थे तक्ष। लक्ष्मण के दो पुत्र हुए अंगद और चन्द्रकेतु और शत्रुघ्न के पुत्र हुए सुबाहु और शत्रुघाती।

भगवान राम के पुत्र कुश से वंश बेल आगे बढ़ी। कुश वंश के राजा सीरध्वज को सीता नामक पुत्री हुई, जिन्होंने कृति नामक पुत्र को जन्म दिया। कुश वंश से ही कुशवाहा, मौर्य, सैनी, शाक्य संप्रदाय की स्थापना मानी जाती है। एक शोध के अनुसार कुश की 50वीं पीढ़ी में शल्य हुए, जो महाभारत युद्ध में कौरवों की ओर से लड़े थे। इसकी गणना करें तो कुश महाभारत काल के 2500 से 3000 वर्ष पूर्व हुए थे, अर्थात आज से 6,500 से 7,000 वर्ष पूर्व।

राम वंशावली

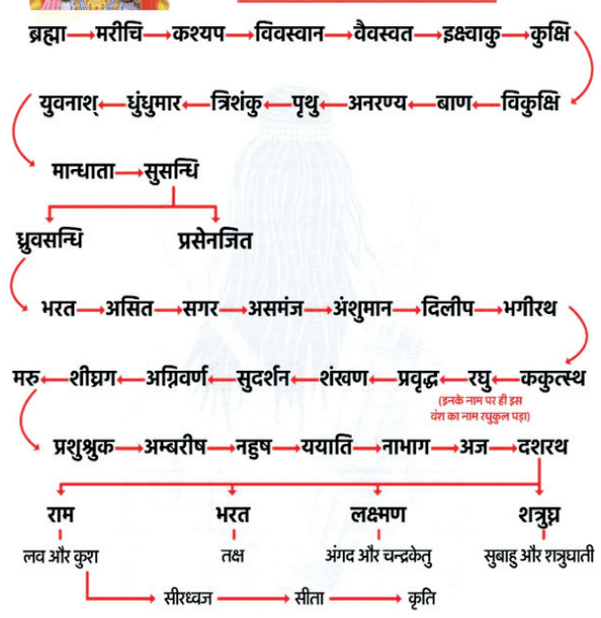

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव : 22 जनवरी को श्रृंगवेरपुर धाम में जलाई जाएगी 21 हजार राम ज्योति

घर-घर मनेगा उत्सव

त्रेतायुगीन प्रभु श्रीराम की समरसता की भूमि श्रृंग्वेरपुरधाम में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की छटा देखते बनेगी। यहां प्रभु श्रीराम ने वनवासी वेश में निषादराज को गले लगाकर दुनिया को समरसता का संदेश दिया था। केवट ने इसी भूमि पर भगवान को अपनी नाव से गंगा पार कराया था। अब प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दिन वहां दीपावली मनाने की तैयारी है। इसके लिए 21 हजार रामज्योति जलाई जाएगी। अयोध्या में जब रामलला के नए विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है,तब भगवान श्रीराम के निषादराज से मिलन की भूमि पर भी अनूठा उल्लास का माहौल है। शास्त्रों और कथाओं के अनुसार त्रेतायुग में दशरथ के आग्रह पर भगवान श्रीराम के जन्म के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ श्रृंगवेरपुरधाम में ही ऋषि श्रृंगी ने किया था। मान्यता है कि उसी यज्ञ के बाद राजा दशरथ को राम, लक्ष्मण समेत चार पुत्रों की प्राप्ति हुई। इसलिए भी श्रृंग्वेरपुरधाम का अयोध्या से अटूट रिश्ता है। ऐसे में आगामी 22 जनवरी को जब पूरा देश राममय होकर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनेगा तब श्रृंग्वेरपुरधाम में जय श्रीराम सेवा समिति की ओर से 21 हजार दीपों से दीपावली मनाई जाएगी। श्रीरामघाट पर रामज्योति जलेगी। इस राम ज्योति को घर-घर जलाया जाएगा। प्राण- प्रतिष्ठा महोत्सव के संचालक अरुण द्विवेदी बताते हैं कि 21 हजार रामज्योति रंगों का उत्सव मनाया जाएगा। इसी के साथ वाराणसी से मुस्लिम बहनों की ओर से रामज्योति श्रृंग्वेरपुरधाम भेजी जाएंगी।

रामलला के लिए रामकथा की बहेगी रसधार- 22 जनवरी को दीपावली उत्सव के पूर्व साधु-संतों के सानिध्य में श्रीराम कथा होगी। श्रृंग्वेरपुरधाम पीठाधीश्वर महंत रामप्रसाद दास शास्त्री, हनुमानगढ़ी के महंत कमलदास महाराज,राघवदास महाराज, हनुमानदास महाराज समेत अन्य साधु-संतों की रामकथा से श्रृंग्वेरपुरधाम राममय होगा।

नौका पर विराजमान होंगे रामलला- अयोध्या में जहां एक तरफ रामलला विराजमान होंगे, वहीं दूसरी तरफ श्रृंग्वेरपुरधाम में रामलला की सुंदर झांकियों को नौका से गंगापार कराया जाएगा। रामलला को नौका में बैठाकर गंगा पार कराने का दृश्य श्रृंग्वेरपुरधाम को त्रेता युग की यादें दिलाएगा। इसी के साथ अयोध्या से श्रृंग्वेरपुरधाम तक को राममय बनाया जाएगा। श्रृंग्वेरपुरधाम ऋषि श्रृंगी की तपोभूमि है। मान्यता है कि त्रेता युग में ऋषि श्रृंगी ने पुत्रेष्टि यज्ञ करवाया था। जिसके बाद प्रभु श्रीराम का प्राकटय हुआ। दीपोत्सव मनाया जाना प्रभु श्रीराम के साक्षात अयोध्या के साथ श्रृंग्वेरपुरधाम में होने की अनुभूति कराएगा। यहां का दीपोत्सव अद्भुत पलों की अनुभूति कराएगा। श्रृंग्वेरपुरधाम ने विश्व को श्रीराम दिया है। यह श्रृंग्वेरपुरधामवासियों के लिए गर्व की बात है। श्रृंग्वेरपुरधाम में ही भगवान श्रीराम ने दो बार गंगा पूजन किया था।

165 साल पहले निहंगों ने किया था कब्जा, अब उनके वंशज लगाएंगे लंगर

वो कहानी जब सिखों ने बाबरी पर लिख दिया था राम-राम

17 दिसंबर को एक निहंग सिख बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर ने घोषणा करते हुए कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में भगवान राम की मूर्ति के अभिषेक के लिए दुनिया भर से आने वाले भक्तों की सेवा के लिए लंगर सेवा (सिख सामुदायिक रसोई) का आयोजन करेंगे। बाबा हरजीत सिंह के अनुसार, वो अपने पूर्वज बाबा फकीर सिंह खालसा की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए ऐसा करेंगे, जिन्होंने 165 साल पहले निहंग सिखों के एक दल के साथ बाबरी मस्जिद में घुसकर %श्री भगवान% का प्रतीक स्थापित किया था। इस घटना को राम मंदिर आंदोलन में दर्ज होने वाली पहली एफआईआर के रूप में दर्ज किया गया था और 2019 में सुप्रीम कोर्ट के 1,045 पेज के फैसले में मुख्य सबूत के रूप में काम किया गया था।

निहंग सिख कौन हैं?

निहंग सिखों को ऐसा लड़ाका बनाने का श्रेय सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह को जाता है। गुरु गोविंद सिंह के चार बेटे थे। अजित सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह। माना जाता है कि एक बार तीन बड़े भाई आपस में युद्ध का अभ्यास कर रहे थे और इसी दौरान सबसे छोटे फतेह सिंह वहां पहुंचे। उन्होंने युद्ध की कला सीखने की इच्छा जताई। इस पर बड़े भाइयों ने उनसे कहा कि अभी आप छोटे हैं और जब बड़े हो जाओगे तब ये सीख लेना। कहा जाता है कि अपने तीनों बड़े भाइयों की इस बात पर फतेह सिंह नाराज हो गए। वो घर के अंदर गए और नीले रंग का लिबास पहन, सिर पर एक बड़ी सी पगड़ी बांधी और हाथों में तलवार और भाला लेकर पहुंच गए। उन्होंने अपने भाइयों से कहा कि वो लंबाई में तीनों के बराबर हो गए हैं। गुरु गोविंद सिंह ये सब देख रहे थे। वो फतेह सिंह की बहादुरी से बहुत प्रभावित हुए। फतेह सिंह ने अपने बड़े भाइयों की बराबरी करने के लिए जो चोला पहना था, वहीं आज के निहंग सिख पहनते हैं। फतेह सिंह ने जो हथियार उठाया था, आज भी निहंग सिख उसी हथियार के साथ दिखते हैं।

गुरु नानक देव की अयोध्या यात्रा

रिपोर्टों के अनुसार, सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव ने 1510-11 ईस्वी में अयोध्या में राम जन्मभूमि स्थल का दौरा किया था। उस वक्त बाबरी मस्जिद का निर्माण नहीं हुआ था। नवंबर 2019 में उत्तर प्रदेश शहर में विवादित धार्मिक स्थल पर अपने फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने गुरु नानक देव की यात्रा पर ध्यान दिया था, जिसमें कहा गया था कि तीर्थयात्री 1528 ईस्वी से पहले भी इस स्थल को देखने गए थे। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह पाया गया है कि 1528 ईस्वी से पहले की अवधि में, पर्याप्त धार्मिक ग्रंथ थे, जिसके कारण हिंदू राम जन्मभूमि के वर्तमान स्थल को भगवान राम का जन्मस्थान मानते थे। सुप्रीम कोर्ट में राम जन्मभूमि मामले की सुनवाई के दौरान, हिंदू पक्ष ने 28 नवंबर, 1858 की एक रिपोर्ट पेश की, जो अवध के थानेदार शीतल दुबे द्वारा प्रस्तुत की गई थी। तब अयोध्या और आस-पास के क्षेत्रों को संदर्भित किया गया था। रिपोर्ट में उस घटना के बारे में बताया गया जब निहंग सिख बाबा फकीर सिंह खालसा द्वारा बाबरी मस्जिद के अंदर हवन (एक हिंदू अनुष्ठान) और पूजा आयोजित की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बाबा फकीर सिंह 10वें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह की शान में नारे लगाते हुए मस्जिद के अंदर घुस गए और %श्री भगवान% (भगवान राम) का प्रतीक खड़ा कर दिया। उन्होंने मस्जिद की दीवारों पर %राम-राम% भी लिखा था। बाबा फकीर सिंह ने अनुष्ठान किया और उनके साथी निहंग सिख, जिनकी संख्या 25 थी, मस्जिद के बाहर खड़े थे और किसी भी बाहरी व्यक्ति को परिसर में प्रवेश करने से रोक रहे थे। उन्होंने मस्जिद के अंदर एक मंच भी बनवाया जिस पर भगवान राम की मूर्ति रखी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि 1 दिसंबर, 1858 को अवध के थानेदार द्वारा मस्जिद जन्म स्थान के भीतर रहने वाले बाबा फकीर सिंह को बुलाने के लिए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि वह बाबा फकीर सिंह के पास एक सम्मन लेकर गए थे और उन्हें चेतावनी दी थी। इसके बावजूद, बाबा इस बात पर अड़े रहे कि हर स्थान निरंकार (निराकार परमात्मा) का है।

सैयद मोहम्मद खतीब ने अपनी रिपोर्ट में लिखा- बाबरी मस्जिद के मुअज्जिन (जो मस्जिद में अजान देता है) सैयद मोहम्मद खतीब द्वारा अवध प्रशासन को दायर की गई शिकायत के अनुसार यह मुसलमानों पर हिंदुओं का खुला अत्याचार था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि निहंग सिंह मस्जिद में दंगा पैदा कर रहे थे। उन्होंने मस्जिद के अंदर जबरन चबूतरा बनाया था, मस्जिद के अंदर मूर्ति रखी, आग जलाई और पूजा की। उन्होंने मस्जिद की दीवारों पर कोयले के साथ राम राम शब्द लिखे। मस्जिद मुसलमानों की पूजा का स्थान है, न कि हिंदुओं का। अगर कोई इसके अंदर जबरन किसी चीज का निर्माण करता है, तो उसे दंडित किया जाना चाहिए। इससे पहले भी बैरागियों ने लगभग 22.83 सेंटीमीटर के रामचबूतरा का निर्माण रातोंरात किया था, जब तक कि निषेधाज्ञा आदेश जारी नहीं किए गए थे।

भगवान पार्श्वनाथ हैं पुरुषार्थ एवं जीवंत धर्म की प्रेरणा

भगवान पार्श्वनाथ ने सत्य की तलाश में राज-वैभव को त्याग संसार में संन्यस्त हुए। उन्होंने कठिन तप तपा, वीतरागता तक पहुंचकर अपने जीये गये सच को भाषा दी। जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर के रूप में उन्होंने वास्तविक धर्म को स्थापित कर उपदेश दिया कि यदि धर्म इस जन्म में शांति और सुख नहीं देता है तो उससे पारलौकिक शांति की कल्पना व्यर्थ है। उन्होंने हमारी आस्था को नये आयाम दिये और कहा कि हमारे भीतर अनंत शक्ति है, असीम क्षमता है। इसलिए उन्होंने उपासनापरक और क्रियाकाण्डयुक्त धर्म को महत्व न देकर जीवंत धर्म की प्रतिस्थापना की। अज्ञान-अंधकार-आडम्बर एवं क्रियाकाण्ड के मध्य में क्रांति का बीज बन कर पृथ्वी पर विचरण करते हुए उन्होंने धर्म का सही अर्थ समझाया। पार्श्वनाथ के जीए गये वे सारे सत्य धर्म के व्याख्या सूत्र बने हैं, जिन्हें उन्होंने ओढ़ा नहीं था, साधना एवं तप की गहराइयों में उतरकर आत्मचेतना के तल पर पाया था। उनके धर्म का शाश्वत सन्देश यही है कि स्वयं के द्वारा स्वयं को खोजें। भगवान पार्श्वनाथ तापस परम्परा में क्रांति-ज्वाला की तरह ऐसे प्रकट हुए, जैसे वर्षों तप में लीन रहने के बाद सहसा ज्ञान का तीसरा नेत्र खुल जाता है। उनका जीवन जहां तापस युग का अंत था तो दूसरे बौद्धिक साधना का प्रारम्भ। उनका जन्म आज से लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व पौष कृष्ण एकादशी के दिन वाराणसी में हुआ था, जो इस वर्ष 7 जनवरी 2023 को है। उनके पिता का नाम अश्वसेन और माता का नाम वामादेवी था। राजा अश्वसेन वाराणसी के राजा थे। जैन पुराणों के अनुसार तीर्थंकर बनने के लिए पार्श्वनाथ को पूरे नौ जन्म लेने पड़े थे। पूर्व जन्म के संचित पुण्यों और दसवें जन्म के तप के फलत: ही वे तेईसवें तीर्थंकर बने। पुराणों के अनुसार पहले जन्म में वे मरुभूमि नामक ब्राह्मण बने, दूसरे जन्म में वज्रघोष नामक हाथी, तीसरे जन्म में स्वर्ग के देवता, चौथे जन्म में रश्मिवेग नामक राजा, पांचवें जन्म में देव, छठे जन्म में वज्रनाभि नामक चक्रवर्ती सम्राट, सातवें जन्म में देवता, आठवें जन्म में आनंद नामक राजा, नौवें जन्म में स्वर्ग के राजा इन्द्र और दसवें जन्म में तीर्थंकर बने। बचपन में पार्श्वनाथ का जीवन राजसी वैभव और ठाटबाठ में व्यतीत हुआ। जब उनकी उम्र सोलह वर्ष की हुई और वे एक दिन वन भ्रमण कर रहे थे, तभी उनकी दृष्टि एक तपस्वी पर पड़ी, जो कुल्हाड़ी से एक वृक्ष पर प्रहार कर रहा था।

यह दृश्य देखकर पार्श्वनाथ सहज ही चीख उठे और बोले- 'ठहरो! उन निरीह जीवों को मत मारो।' उस तपस्वी का नाम महीपाल था। अपनी पत्नी की मृत्यु के दुख में वह साधु बन गया था। वह क्रोध से पार्श्वनाथ की ओर पलटा और कहा- मैं किसे मार रहा हूं? देखते नहीं, मैं तो तप के लिए लकड़ी काट रहा हूं। पार्श्वनाथ ने व्यथित स्वर में कहा- लेकिन उस वृक्ष पर नाग-नागिन का जोड़ा है। महीपाल ने तिरस्कारपूर्वक कहा-तू क्या त्रिकालदर्शी है? और पुन: वृक्ष पर वार करने लगा। तभी वृक्ष के चिरे तने से छटपटाता, रक्त से नहाया हुआ नाग-नागिन का एक जोड़ा बाहर निकला। एक बार तो क्रोधित महीपाल उन्हें देखकर कांप उठा, लेकिन अगले ही पल वह धूर्ततापूर्वक हंसने लगा। तभी पार्श्वनाथ ने नाग-नागिन को णमोकार मंत्र सुनाया, जिससे उनकी मृत्यु की पीड़ा शांत हो गई और अगले जन्म में वे नाग जाति के इन्द्र-इन्द्राणी धरणेन्द्र और पद्मावती बने और मरणोपरांत महीपाल सम्बर नामक दुष्ट देव के रूप में जन्मा। इस घटना ने पार्श्वनाथ की जीवन दिशा ही बदल दी और उनकी संसार के जीवन-मृत्यु से विरक्ति हो गई। उन्होंने ऐसा कुछ करने की ठानी जिससे जीवन-मृत्यु के बंधन से हमेशा के लिए मुक्ति मिल सके। वे सत्योपलब्धि की साधना में जुटें और जन-जन को रोशनी बांटी। बचपन से ही पार्श्वनाथ चिंतनशील और दयालु थे। पार्श्व युवा हुए। इनका क्षत्रियत्व शौर्यशाली था। सभी विद्याओं में ये प्रवीण थे। एक बार अपने मामा की सहायता के लिए युद्ध किया। शत्रु को इन्होंने परास्त कर, उसे बंदी बना अपने शौर्य का परिचय दिया। उन्होंने अपने समय की हिंसक स्थितियों को नियंत्रित कर अहिंसा का प्रकाश फैलाया।

यूं लगता है पार्श्वनाथ जीवन दर्शन के पुरोधा बनकर आये थे। उनका अत: से इति तक का पूरा सफर पुरुषार्थ एवं धर्म की प्रेरणा है। वे सम्राट से संन्यासी बने, वर्षों तक दीर्घ तप तपा, कर्म निर्जरा की, तीर्थंकर बने। जैन दर्शन के रूप में शाश्वत सत्यों का उद्घाटन किया। उनका संपूर्ण व्यक्तित्व एवं कृर्तित्व जैन इतिहास का एक अमिट आलेख बन चुका है। पार्श्वनाथ ने संसार और संन्यास दोनों को जीया। वे पदार्थ छोड़ परमार्थ की यात्रा पर निकल पड़े। उन्होंने जीवन शुद्धि के लिए कठोर तप किया। उनके तप में सादगी थी और जीवन शुद्धि का मर्म था। वास्तव में तप वही है जिसके साथ न प्रदर्शन जुड़ा है और न प्रलोभन। इसमें न केवल उपदेश काम करता है और न अनुकरण।

जीवन स्वयं एक तपस्या है। सुविधाओं के बीच सीमाकरण में रहना और अभावों के बीच तृप्ति को पा लेना भी तप है। प्रतिकूलताओं को समत्व से सह लेना, वैचारिक संघर्ष में सही समाधान पा लेना, इन्द्रियों को विवेकी बना लेना, मन की दिशा और दृष्टि को बदल देना भी तप है और ऐसे ही तप के माध्यम से पार्श्वनाथ न केवल स्वयं तीर्थंकर बने बल्कि जन-जन में ऐसी ही पात्रता को उन्होंने विकसित किया। उनकी साधना की कसौटी थी- शुद्ध आत्मा में धर्म का स्थिरीकरण। बिना पवित्रता धर्म आचरण नहीं बन सकता। जैसे-मुखौटों में सच नहीं छिपता, वैसे ही वासनाएं, कामनाएं, असत् संस्कार और असत् व्यवहार धर्म को आवरण नहीं बना सकता। इसलिए उपासना के इस बिन्दु से जोड़े कि धर्म मंदिर या पूजा पाठ में नहीं, धर्म मन के मंदिर में हैं। पार्श्वनाथ ने अहिंसा एवं सह-अस्तित्व का दर्शन दिया। अहिंसा सबके जीने का अधिकार है, उन्होंने इसे स्वीकृत किया। प्राचीन उद्घोष एक बार फिर से करते हुए उन्होंने जनता को संदेश दिया- 'सव्वे पाणा पियाउवा, सव्वे दुक्ख पडिकुला'- यानी सबको जीवन प्रिय है, दुख को कोई नहीं चाहता। पर हमने अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर प्रकृति पदार्थ, प्राणी और पर्यावरण को नकार दिया।

तीर्थंकर पार्श्वनाथ भी उन धर्मनायकों एवं तीर्थंकरों में से ऐसे महापुरुष थे, जो धर्म नीतियों का प्रकाश संसार में लेकर आए और ऐसे जीवन मूल्यों की स्थापना की जिनके माध्यम से धर्म एक नये रूप में प्रस्तुत हुआ। इस धर्म दर्शन में जीवन के इर्द-गिर्द छिपी बाहरी ही नहीं, भीतरी परछाइयां भी रोशनी बनकर प्रस्तुत होती है। अच्छाइयों की सही पहचान होती है, अहिंसक मन कभी किसी के सुख में व्यवधान नहीं बनता।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

ईवीएम को लेकर जयराम रमेश ने चुनाव आयोग को दिया जवाब

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ईवीएम के मुद्दे पर चुनाव आयोग को जवाब देते हुए पत्र लिखा है। इस पत्र में कांग्रेस नेता ने लिखा कि 30 दिसंबर को विपक्षी गठबंधन की तरफ से चुनाव आयोग को भेजे पत्र पर आयोग ने जवाब दिया है। मैंने चुनाव आयोग से ईवीएम और वीवीपैट पर चर्चा और सुझाव के लिए आयोग से मिलने का वक्त मांगा था, लेकिन आयोग ने हमारी मांग को नहीं माना। जयराम रमेश ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र को सोशल मीडिया पर साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा कि हमारी मांग मानने के बजाय आयोग ने हमें चुनाव आयोग की वेबसाइट पर मौजूद एफएक्यू के जवाब पढ़ने की सलाह दी। जब हमने कहा कि हमारे सवालों के जवाब इन एफएक्यू से नहीं मिल रहे हैं तो आयोग ने हमारे सवालों को ही गलत बता दिया है। इससे साफ पता चलता है कि हम क्यों ईवीएम और वीवीपैट पर दर्शकों के सामने चर्चा मांग कर रहे हैं। राजनीतिक पार्टियों के साथ ही ईवीएम और वीवीपैट को लेकर चर्चा ना करना बेहद चिंताजनक बात है।

निर्विरोध चुने जाएंगे संजय सिंह, स्वाति और एनडी गुप्ता!

नईदिल्ली। संजय सिंह, स्वाति मालीवाल और एनडी गुप्ता ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर दिया और समीकरण हिसाब से निर्विरोध चुना जाना तय है। आयोग ने कहा कि जरूरत पड़ने पर चुनाव 19 जनवरी को होंगे। सिंह, सुशील कुमार गुप्ता और नारायण दास (सभी आम आदमी पार्टी से) का छह साल का कार्यकाल 27 जनवरी को समाप्त हो रहा है। आम आदमी पार्टी ने संजय सिंह, स्वाति मालीवाल और एनडी गुप्ता को प्रत्याशी बनाया है। सुशील कुमार गुप्ता को दोबारा टिकट नहीं दिया गया है। स्वाति मालीवाल को सुशील कुमार गुप्ता की जगह प्रत्याशी बनाया गया है। 9 जनवरी पर्चा दाखिला करने की अंतिम तारीख है। 10 को नामांकन जांच की जाएगी। दिल्ली विधानसभा में 70 विधायक हैं। आप के पास 62, भाजपा के पास 8 और कांग्रेस के पास कोई विधायक नहीं हैं। एक विधायक की वोट की कीमत 100 है। इस तरह से देखा जाए तो आप के तीनों प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीत सकते हैं। एक सीट जीतने के लिए 19 वोट की जरूरत है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा पर किया तीखा हमला

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए दलित विरोधी बताया है। साथ ही उन्होंने गेस्ट हाउस कांड का जिक्र करते हुए अपनी जान को खतरा बताते हुए यूपी सरकार से सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है। मायावती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसे लेकर कई पोस्ट किए और कहा कि सपा अति-पिछड़ों के साथ-साथ जबरदस्त दलित- विरोधी पार्टी भी है, हालांकि बीएसपी ने पिछले लोकसभा आमचुनाव में सपा से गठबन्धन करके इनके दलित-विरोधी चाल, चरित्र व चेहरे को थोड़ा बदलने का प्रयास किया। लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद ही सपा पुनः अपने दलित विरोधी जातिवादी एजेंडे पर आ गई। मायावती ने आगे कहा कि और अब सपा मुखिया जिससे भी गठबन्धन की बात करते हैं उनकी पहली शर्त बसपा से दूरी बनाए रखने की होती है, जिसे मीडिया भी खूब प्रचारित करता है।

राजस्थान में भाजपा को बड़ा झटका, मंत्री सुरेंद्र सिंह हारे

जयपुर। पिछले दिनों राजस्थान में विधानसभा चुनाव हुए थे जिसके बाद प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनी। एक सीट पर चुनाव नहीं हुआ था जहां बाद में मतदान करवाया गया, जिसका रिजल्ट आज सामने आ गया है। दरअसल, गंगानगर जिले की करणपुर विधानसभा सीट के लिए हुए मतदान के वोटों की गिनती सोमवार सुबह आठ बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई। गिनती के शुरुआती चरण से ही कांग्रेस प्रत्याशी आगे चल रहे थे और अंत में उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार को पटखनी दे दी। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले की करणपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में बीजेपी को बड़ा झटका तब लगा जब कांग्रेस ने यहां से जीत दर्ज की। कांग्रेस प्रत्याशी रूपिंदर सिंह कूनर ने सुरेंद्र पाल टीटी को 12 हजार मतों से हरा दिया है। यहां से बीजेपी के प्रत्याशी सुरेंद्र पाल सिंह टीटी चुनाव हार चुके हैं। खास बात यह है कि बीजेपी इस उपचुनाव से पहले ही टीटी को भजन लाल कैबिनेट में मंत्री बना चुकी थी।

यूपी-बिहार की 9 लोकसभा सीटों पर है राजभर की नजर

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के हिस्से के रूप में भाजपा से उत्तर प्रदेश से पांच लोकसभा सीटें और बिहार से चार लोकसभा सीटों की मांग की है। उनके बेटे अरुण राजभर ने यह दावा किया है। राजभर के बेटे और एसबीएसपी के मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और सीट बंटवारे पर चर्चा की। राजभर ने 29 दिसंबर को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की थी। अरुण राजभर ने कहा कि शाह और नड्डा के साथ मुलाकात में उनके पिता ने उनकी पार्टी के लिए यूपी में गाजीपुर, बलिया, मऊ, सलेमपुर और चंदौली लोकसभा सीटें और बिहार से नवादा, वाल्मिकी नगर, सीवान और काराकाट लोकसभा सीटें मांगीं। अरुण राजभर ने कहा कि बीजेपी नेताओं ने पार्टी नेता को भरोसा दिया है कि समय आने पर फैसला लिया जाएगा।

किसानों की मुश्किलों के हल के लिए सरकार ने किए चौतरफा प्रयास : मोदी

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत की

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सभा को संबोधित भी किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से विकसित भारत संकल्प यात्रा के कई लाभार्थियों ने भाग लिया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2-3 दिन पहले ही विकसित भारत संकल्प यात्रा ने अपने 50 दिन पूरे किए हैं। इतने कम समय में इस यात्रा से 11 करोड़ लोगों का जुड़ना अपने आप में अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार खुद पहुंच रही है, उसे अपनी योजनाओं से जोड़ रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा सिर्फ सरकार की नहीं बल्कि देश की यात्रा बन चुकी है। सपनों, संकल्पों और भरोसे की यात्रा बन चुकी है।

मोदी ने कहा कि हम देश की एक बहुत बड़ी आबादी को रोजमर्रा की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए होने वाले संघर्षों से बाहर निकालना चाहते हैं। इसलिए हम गरीबों, महिलाओं, किसानों और युवाओं के भविष्य पर फोकस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का सबसे बड़ा मकसद है कि कोई भी हकदार सरकारी योजना के लाभ से छूटना नहीं चाहिए। कई बार जागरूकता की कमी से या दूसरे कारणों से कुछ लोग सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। ऐसे लोगों तक पहुंचना हमारी सरकार अपना दायित्व समझती है। इसलिए मोदी की गारंटी की ये गाड़ी गांव-गांव जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जबसे ये यात्रा शुरू हुई है, तबसे लगभग 12 लाख नए लाभार्थियों ने उज्ज्वला योजना के मुफ्त गैस कनेक्शन के लिए आवेदन किया है। कुछ दिन पहले मैं अयोध्या में उज्ज्वला की 10 करोड़वीं लाभार्थी बहन के घर गया था। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान 2 करोड़ से ज्यादा गरीबों के स्वास्थ्य की जांच हुई है। इसी समय में 1 करोड़ लोगों की टीबी की बीमारी की भी जांच हुई है। 22 लाख लोगों की सिकल सेल एनीमिया की जांच हुई है। ये सारे लोग गांव, गरीब, दलित, पिछड़े और आदिवासी समाज के लोग हैं। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि सरकार के इन प्रयासों का बहुत बड़ा लाभ हमारी करोड़ों माताओं बहनों को मिल रहा है।

मोदी ने कहा कि आज महिलाएं खुद आगे आकर नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। पहले ऐसी अनेक बहनें थीं, जिनके पास सिलाई, बुनाई, कढ़ाई जैसी कोई न कोई स्किल थी, लेकिन उनके पास अपना काम शुरू करने के लिए कोई साधन नहीं था। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना ने उन्हें आने सपनें पूरे करने का भरोसा दिया है। आज गांव-गांव में रोजगार और स्वरोजगार के नए मौके बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किसानों और कृषि नीति को लेकर जो चर्चाएं होती हैं, पहले की सरकारों में उनका दायरा भी बहुत सीमित था। किसान के सशक्तिकरण की चर्चा सिर्फ पैदावार और उसकी उपज की बिक्री के इर्दगिर्द ही सीमित रही। जबकि किसान को अपने दैनिक जीवन में भांति-भांति की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने किसान की हर मुश्किल को आसान करने के लिए चौतरफा प्रयास किए। पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से हर किसान को कम से कम 30 हजार रुपये दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों को मुसीबतों से बाहर निकालने के लिए हम निरंतर काम कर रहे हैं। कृषि में सहकारिता को बढ़ावा देना हमारी इसी सोच का परिणाम है।

एयरस्ट्राइक से खौफ में था पाकिस्तान, मोदी से बात के लिए गिड़गिड़ाते रहे इमरान

नईदिल्ली। भारतीय पायलट अभिनन्दन वर्धमान की रिहाई को लेकर भारत ने पाकिस्तान को ऐसा झटका दिया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान भारत के प्रधानमंत्री मोदी से बात के लिए गिड़गिड़ाते रहे। यह सारे खुलासे बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान पाकिस्तान में भारत के हाई कमिश्नर रहे अजय बिसारिया ने अपनी आगामी किताब में किए हैं। बीजेपी मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने ट्वीट करते हुए कहा कि पाकिस्तान में पूर्व भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया की नवीनतम पुस्तक एंगर मैनेजमेंट: द ट्रबल्ड डिप्लोमैटिक रिलेशनशिप बिटवीन इंडिया एंड पाकिस्तान में बताया गया है कि कैसे इमरान खान की सरकार भारत की जबरदस्त कूटनीति से डर गई थी और विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को सौंपने के लिए सहमत हो गई थी। यह प्रधानमंत्री मोदी का डर ही था जिसने पाकिस्तानी सत्ता को घुटनों पर ला दिया। लेकिन भारत में पाकिस्तान के कुछ समर्थक इमरान खान को एक स्टेट्समैन बता रहे हैं। इसके साथ ही मालवीय ने कुछ पत्रकारों के ट्विट का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया। पत्रकार राजदीप सरदेसाई ने ट्वीट करते हुए कहा कि हम भारत में इसे पसंद नहीं कर सकते हैं, लेकिन शुद्ध दृष्टिकोण के संदर्भ में इमरान खान इस समय नैतिक आधार पर दिन जीत रहे हैं। हमारे पास आतंक पर एक मजबूत मामला है लेकिन हमारे कई नेता वोटों की गणना करने में व्यस्त हैं। वहीं बरखा दत्त ने कहा कि मुझे लगता है कि हमें अभिनंदन की रिहाई पर इमरान खान के इस भाव का स्वागत करना चाहिए। दरवाज़ा खोल दिया गया है और यह वास्तव में टीवी एंकरों द्वारा मूर्खतापूर्ण और अनावश्यक प्रशंसा करने का समय नहीं है।

संयोजक से ऊपर हैं नीतीश, कांग्रेस पर निराशा जताते हुए जेडीयू ने कहा-

कांग्रेस को बड़ा दिल दिखाना चाहिए : त्यागी

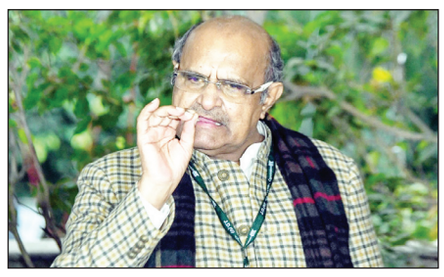

पटना। बिहार की सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) ने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक के संयोजक की नियुक्ति में कांग्रेस द्वारा की गई देरी पर नाराजगी जताई है। पार्टी, जो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ब्लॉक के संयोजक के रूप में नियुक्त करने पर जोर दे रही है, सोमवार को कांग्रेस के खिलाफ खुलकर आलोचना में सामने आई, जिसमें कहा गया कि इंडिया ब्लॉक के पास भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए समय और विचारों की कमी है।

जदयू के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे का यह बयान कि प्रमुख पदों के बारे में निर्णय लेने के लिए इंडिया गठबंधन 10 से 15 दिनों में बैठक करेगा, निराशाजनक था। उन्होंने कहा कि जेडीयू इंडिया गठबंधन का संस्थापक भागीदार है। हम बीजेपी की तैयारियों को लेकर चिंतित हैं। हम इंडिया गठबंधन की संगठनात्मक संरचना, उम्मीदवारों के चयन और संयुक्त रैलियों में देरी को लेकर चिंतित हैं... कांग्रेस अपनी पार्टी को लेकर चिंतित है लेकिन हम इंडिया गठबंधन को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के निर्माता हैं और ये इंडिया गठबंधन के संयोजक पद से भी बड़ा है... हम बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के बयान से असहमत हैं और उनका बयान बीजेपी को फायदा पहुंचाने वाला है।

वरिष्ठ नेता ने कहा कि बिहार में जेडीयू, राजद बीजेपी का मुकाबला करने की स्थिति में हैं। वहां सीट बंटवारे को लेकर कोई समस्या नहीं है। हमने 16 सीटें जीती थीं और हम वहां समझौता नहीं करेंगे। जदयू नेता ने आगे कहा कि विपक्षी गुट अभी भी असमंजस की स्थिति में है और अगर राम मंदिर के उद्घाटन के तुरंत बाद लोकसभा चुनाव की घोषणा की जाती है तो उन्हें नींद में पकड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास अभी भी सीट-बंटवारे, एजेंडा और नेतृत्व भूमिकाओं पर स्पष्टता नहीं है। कांग्रेस को अपना बड़ा भाई वाला रवैया छोड़कर बड़ा दिल दिखाना चाहिए।

सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर विपक्षी दलों के बीच बढ़ती दरार की ओर इशारा करते हुए त्यागी ने कहा कि सहयोगियों का अलग-अलग सुर में बोलना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने पश्चिम बंगाल कांग्रेस प्रमुख अधीर रंजन चौधरी द्वारा ईडी टीम पर हमले के बाद राष्ट्रपति शासन की मांग करने, सीपीआई सांसद बिनॉय विश्वम द्वारा वायनाड से राहुल गांधी के चुनाव लड़ने के औचित्य पर सवाल उठाने और तमिलनाडु में डीएमके और कांग्रेस के बीच तीखी नोकझोंक का विशेष उल्लेख किया।

जदयू ने अब 17 सीटों की छेड़ी राग

जदयू ने पूर्व में ही साफ कर दिया है कि जो 16 सीटें उसने पिछले चुनाव में जीती है उसपर इसबार भी अपना उम्मीदवार उतारेगी। वहीं अब जदयू प्रवक्ता केसी त्यागी ने 17 सीटों का राग छेड़ दिया है। न्यूज चैनल पर दिए बयान में उन्होंने कहा कि 16 सीटिंग के अलावे एक सीट पर जहां जदयू दूसरे नंबर पर रही है वो अपने पास रखेगी। केसी त्यागी ने कहा कि जदयू इंडिया गठबंधन की संस्थापक पार्टी है। भाजपा की बढ़ी हुई तैयारी हमें चिंतित करती है।

खेल
प्रमुख समाचार

हार्दिक ने रोहित से छीनी मुंबई की कप्तानी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप से पहले भारतीय क्रिकेट टीम की आखिरी टी20 सीरीज अफगानिस्तान के साथ है। 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैच की सीरीज में रोहित शर्मा टीम इंडिया की कमान संभालेंगे। विराट कोहली की भी टीम में वापसी हुई है। ये दोनों 2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के बाद पहली बार देश के लिए कोई टी20 मैच खेलेंगे। इस सीरीज के बाद भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है और इसके बाद आईपीएल होगा। आईपीएल खत्म होते ही टी20 विश्व कप शुरू हो जाएगा। ऐसे में रोहित और विराट की वापसी से यह साफ है कि टी20 विश्व कप में इन दोनों खिलाड़ियों का खेलना तय है। अगर ये दोनों फिट रहते हैं तो जून में होने वाले टी20 विश्व कप में जरूर खेलेंगे।

पिछले एक साल में अधिकतर मौकों पर हार्दिक पांड्या ने भारतीय टी20 टीम की कप्तानी की है। ऐसा माना जा रहा था कि 2024 टी20 विश्व कप में उन्हीं की अगुआई में युवा भारतीय टीम अपना दम दिखाएगी, लेकिन हार्दिक की चोट ने कहानी पलट दी है। हार्दिक के बाद सूर्यकुमार यादव ने टी20 में टीम इंडिया की कमान संभाली, लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए वह भी उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में रोहित और विराट की टी20 टीम में वापसी हुई है। टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा का खेलना तय है और वह टीम इंडिया के नियमित कप्तान हैं। ऐसे में उनका कप्तान बने रहना भी तय है। ऐसे में हार्दिक का टी20 विश्व कप में कप्तानी करने का सपना अधूरा रह जाएगा। हालांकि, आने वाले आईसीसी टूर्नामेंट में हार्दिक के कप्तान रहने की संभावनाएं काफी ज्यादा हैं। ऐसे में हार्दिक के साथ टीम इंडिया में वही हो सकता है, जो मुंबई इंडियंस में रोहित के साथ हुआ। मुंबई में हार्दिक की वापसी के साथ ही उन्हें कप्तान बना दिया गया। यही अब भारतीय टी20 टीम में रोहित के साथ हो रहा है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 671 अंक लुढ़का निफ्टी 21,500 के करीब

नईदिल्ली। मेटल और आईटी शेयरों में बिकवाली और ग्लोबल मार्केट के कमजोर रुख के कारण हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को देसी शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 671 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 198 अंक की गिरावट दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, क्रमश: मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में क्रमशः 0.87 फीसदी और 0.36 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 670.93 अंक यानी 0.93 फीसदी की भारी गिरावट के साथ 71,355.22 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 71,301.04 और 72,181.77 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 197.80 अंक यानी 0.91 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 21,513.00 अंक पर बंद हुआ।

हुंदै तमिलनाडु में करेगी 6,180 करोड़ रुपये का निवेश

नईदिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड तमिलनाडु में हाइड्रोजन संसाधन केंद्र स्थापित करने और विभिन्न अन्य पहल पर 6,180 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने सोमवार को यह घोषणा की। इससे पहले हुंदै ने 2023 से 2032 के दौरान 10 साल में इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण, चार्जिंग बुनियादी ढांचे और कौशल विकास में अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए 20,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की थी। यह 6,180 करोड़ रुपये का निवेश इसके अतिरिक्त है। कंपनी ने तमिलनाडु वैश्विक निवेशक सम्मेलन-2024 के दौरान नए निवेश को लेकर राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक उन्सू किम ने बयान में कहा, हमें भरोसा है कि सामूहिक प्रयासों से तमिलनाडु 1,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था की बड़ी उपलब्धि को हासिल कर पाएगा।

अशोक लेलैंड ने साल 2023 में बेचे 1.98 लाख वाहन

नईदिल्ली। वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली अशोक लेलैंड ने बीते साल यानी 2023 में 1,98,113 वाहनों की बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले कंपनी ने एक साल में सबसे अधिक 1,96,579 वाहन बेचे थे। यह आंकड़ा कंपनी ने 2018 में हासिल किया था। अशोक लेलैंड ने सोमवार को बयान में कहा, यह रिकॉर्ड उपलब्धि कंपनी के उत्पादों के स्तर और मजबूत बाजार उपस्थिति को दर्शाती है। कंपनी ने घरेलू के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी स्थिति मजबूत की है। अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शेनू अग्रवाल ने कहा, हम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों, टिकाऊ परिचालन व्यवहार और ग्राहक केंद्रित बाजार पहल में लगातार निवेश कर रहे हैं। देश के वाणिज्यिक वाहन उद्योग ने कैलेंडर साल 2018 में 10,05,380 इकाइयों का अपना सबसे ऊंचा बिक्री आंकड़ा हासिल किया था।

कृषि निर्यात 2030 तक 100 अरब डॉलर पर पहुंचेगा

नईदिल्ली। देश का कृषि निर्यात 2030 तक दोगुना होकर 100 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने सोमवार को यह बात कही। फिलहाल भारत का कृषि निर्यात 50 अरब डॉलर का है। उन्होंने कहा कि भारत वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को 2030 तक 2,000 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। बर्थवाल ने यहां 'इंडसफूड मेला-2024' में कहा, ''मुझे पूरा यकीन है कि आज भारत का 50 अरब डॉलर का निर्यात 2030 तक दोगुना होकर लगभग 100 अरब डॉलर हो जाएगा।'' यह दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी खाद्य और पेय प्रदर्शनी है। सचिव ने कहा कि 'रेडी-टू-ईट' खाद्य खंड जैसे क्षेत्रों में बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने उद्योग जगत से आयातक देशों की तकनीकी मानक जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

ताजमहल नहीं, अब राम मंदिर देगा बाजार को सहारा

अनिल तिवारी

एक लंबी अवधि तक मोहब्बत के स्मारक के तौर पर अतिथि कक्ष से लेकर शयनकक्ष तक में शोभायमान होते रहे ताजमहल के स्थान पर अब अयोध्या का राम मंदिर विराजमान होने वाला है। प्रेम पर आस्था की इस सर्जिकल स्ट्राइक की घोषणा कनफेडरेशन आफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने की है।

उनका कहना है कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के कारण मंदिर से संबंधित उत्पादों की बिक्री से केवल जनवरी माह में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार हो सकता है, वहीं अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भारत के प्राय सभी हिंदू घरों में अनिवार्य रूप से स्थापित होगी तथा सदियों से मोहब्बत की निशानी ताजमहल को रिप्लेस कर देगी।

देश के विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित बयान में महासचिव ने कहा है कि राम मंदिर का उत्साह पूरे देश में है और व्यापार जगत इसमें अपने लिए बड़े अवसर देख रहा है। खंडेलवाल के अनुसार 22 जनवरी को अयोध्या धाम में जब राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी तो राम तो आएंगे ही साथ में लक्ष्मी मैया भी आएंगी।

खंडेलवाल को अनुमान है कि अयोध्या धाम में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से मंदिर से संबंधित उत्पादों की बिक्री से अकेले जनवरी माह में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार हो सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि आने वाले समय में सबसे अधिक मांग राम मंदिर की प्रतिकृति की होनी है। उनका यह भी कहना है कि राम मंदिर की प्रतिकृति आने वाले दिनों में पहले से लोगों के घरों में, ड्राइंग रूम में विद्यमान

ताजमहल को सदा सदा के लिए बेदखल कर देगी।

कोई भी संस्कृति हजारों वर्ष तक यूं ही जीवित नहीं रहती। उसे सामाजिकता के खाद और अर्थ तंत्र की तरलता से सींचना पड़ता है। भारतीय संस्कृति को यह खाद पानी मिलती रहे इसके लिए भव्य आयोजनों के जरिए सुचिंतित प्रयास लगातार किए जाते रहे हैं। वर्तमान में आगामी 22 जनवरी 2023 को अयोध्या धाम में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के विधिवत प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के लाखों लोगों के पहुंचने का अनुमान है। व्यापारी समुदाय का दावा है कि राम के महाआगमन के साथ ही अयोध्या धाम की धरा पर वैभव की देवी महालक्ष्मी की भी गतिविधियां बढ़ जाएगी जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है।

देश-विदेश के बड़े कारोबारी लोगों की नजर भी इस पर है। सभी राज्यों में व्यापारियों ने इस अतिरिक्त व्यापार की मांग को पूरा करने के लिए बहुत पहले से व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। कैट के मुताबिक देश के सभी बाजारों में भगवान राम की तस्वीर अंकित विशेष कपड़े, मालाएं, राम मंदिर के मॉडल, भगवान राम के अंग वस्त्र आदि बड़ी मात्रा में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

कैट के अध्यक्ष बीसी भरतीया की माने तो राम मंदिर के मॉडलों की मांग बहुत ज्यादा है और यह मॉडल हार्ड बोर्ड, पाइनवुड, लकड़ी आदि से अलग-अलग आकारों में बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा मिट्टी के दिए, रंगोली के रंग, सजावट के फूल और बाजारों और घरों को रोशन करने के लिए बिजली के सामान का भी बड़ा व्यवसाय तैयार है। कन्फेडरेशन का यह भी कहना है कि व्यापारी घर-घर जाकर राम मंदिर की प्रतिकृति खरीदने और उसे रखने का विशेष रूप से आग्रह कर रहे हैं।

बाजार के संतुलनकारों का मानना है कि राम के अयोध्या धाम में लक्ष्मी की बारिश होगी। लक्ष्मी धन-धान्य की देवी है। उद्योग, बाजार, सोने चांदी और पैसे की देवी हैं। लक्ष्मी का मतलब श्रम है, उद्योग है, कृषि है, उत्पादन है, सेवा क्षेत्र है, और इन सब का बाजार है। उत्पादन, बाजार और उपभोग यह तीन क्रियाएं मनुष्य की आदि क्रियाएं हैं, और लक्ष्मी मैया इन्हीं प्रक्रियाओं में बिराजती हैं। उक्त तीनों में बाजार सबसे निर्णायक है वही उत्पादन और उपभोग को अनुशासित करता है।

अम्बिकापुर में संभाग स्तरीय कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

मोदी की गारंटी पूरा करेंगे : विष्णुदेव

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि आदिवासी बहुल सरगुजा अंचल की सभी 14 सीटें आपने जीतकर भाजपा को दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासी समाज से मुख्यमंत्री बनाकर बस्तर और सरगुजा अंचल के आदिवासी समाज को सम्मानित और गौरवान्वित किया है। छत्तीसगढ़ में पहली बार भाजपा ने आदिवासी समाज के एक बेटे को मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा है।

मुख्यमंत्री साय ने अम्बिकापुर में आयोजित संभाग स्तरीय कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह में मां महामाया की पावन धरती को अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सभी की मेहनत से सरगुजा संभाग को हमने कांग्रेस मुक्त किया है, सीतापुर जैसी विधानसभा सीट हम पहली बार जीते। मोदी की गारंटी में एक-एक वादा पांच साल में पूरा करेंगें।

उन्होंने कहा कि हमें विरासत के रूप में खाली खजाना मिला है लेकिन हम किसानों से किये सभी वादे पूरे करेंगे। साय ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर फिर से लोकसभा के लिए जमकर मेहनत करने का संकल्प दिलाया और कहा कि अब हमें छत्तीसगढ़ में लोकसभा की सभी 11 सीटों में जीत का परचम लहराना है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कांग्रेस का ओवरकॉन्फिडेंस आप सभी ने देखा था, इसी विपरीत समय में ओम माथुर ने कहा था कि निश्चित ही हम यहां सरकार बनाएंगे और वैसा ही हुआ, अब छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनाने का श्रेय आप सभी को जाता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बने मात्र 25 दिन हुए हैं, 25 दिनों में ही हमने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। विधानसभा चुनाव के समय हमारे प्रधानमंत्री ने कहा था कि सरकार बनते ही हम गरीबों को आवास देंगे, हमने सरकार में आते ही यह वादा पूरा किया और 18 लाख से ज्यादा आवासहीन गरीब परिवारों के हित में निर्णय लिया। मोदी की गारंटी में किसानों से दो साल का बकाया बोनस भुगतान करने का वादा भी हमने 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के अवसर पर पूरा कर दिया है। हमने 12 लाख से ज्यादा किसानों को 3700 करोड़ रुपए से ज्यादा का भुगतान कर दिया है। इसी तरह 3100 रुपए प्रति क्विंटल में धान खरीदी, 5500 रुपए प्रति मानक बोरा तेंदुपत्ता की खरीदी, महतारी वंदन योजना के अंतर्गत विवाहित माताओं-बहनों को सालाना 12000 रुपए की सहायता जैसे कई अहम निर्णय हमने लिए हैं।

सभी 11 लोकसभा सीटें जितनी हैं, जिसके लिए बिना थके काम करना होगा: माथुर

छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि सारे सर्वे यही कह रहे थे कि हम चुनाव हार रहे हैं, मीडिया वाले कहते रहे कि हम हार रहे हैं लेकिन मैंने नहीं माना। मैंने अपने कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोली और निर्णय लिया कि मैं आक्रामक रूप से चुनाव लड़ूँगा। सरगुजा संभाग में मेरा 4-5 बार आना हुआ है। मैं अपने सैनिकों को प्रणाम करता हूं जिन्होंने मेरी बात मानकर संभाग की 14 सीटें हमें जिता दी। उन्होंने कहा कि मैं यह संदेश दिल्ली भेजना चाहता हूं कि कोई भी रुकावट आ जाए, हम लोकसभा की छत्तीसगढ़ की सभी सीटें नरेंद्र मोदी को जिताकर देंगे। अब लोकसभा चुनाव आ रहे हैं, हमें छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटें जितनी हैं, जिसके लिए बिना थके काम करना होगा। आप सभी संकल्प लीजिए कि आगामी तीन महीने तक कोई भी बूथ मेरी पहुंच से न छूटे, जहां कमी है उन्हें दूर कीजिए।

माथुर ने कहा कि पूरी दुनिया हमारे बारे में सोचती थी कि हिंदुस्तान अनपढ़ों का देश है, लेकिन जबसे नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, विश्व में पहली बार किसी ने वसुधैव कुटुंबकम की बात की है। मोदी ने कहा था कि क्यों न एक दिन ऐसा हो कि सब स्वस्थ रहने के लिए एक साथ विश्व योग दिवस मनाएं। आज हम पूरी दुनिया में मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं, अमेरिका के राष्ट्रपति कहते हैं कि अगर शांति कोई ला सकता है तो भारत के प्रधानमंत्री मोदी ला सकते हैं। हमने मोदी से वादा किया है कि लोकसभा में 11 कमल खिलाकर उन्हें उपहार देंगे।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सरगुजा संभाग के कार्यकर्ताओं ने प्रचंड बहुमत से सीतापुर, अम्बिकापुर जैसे विधानसभाओं के बड़े-बड़े सूरमाओं को हराकर दिखाया है। आप सभी की मेहनत के बदौलत आज सरगुजा कांग्रेसमुक्त हो गया है। साव ने कहा कि सत्ता हमारे लिए सेवा का माध्यम है, सरगुजा के रुके हुए विकास को तेज करने का काम हम सबको करना है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आने वाला चुनाव मोदी का चुनाव है। अब आपका हर कदम मोदी को जिताने के लिए आगे बढ़ना चाहिए, हमें यह संकल्प लेकर आगे बढ़ना है कि छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटें हमें जिताकर हम सबके नेता नरेंद्र मोदी को देनी हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव ने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि जो किसी ने सोचा ही नहीं था।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

औकात में रहो !

औकात यानी हैसियत । बड़ा खतरनाक शब्द है। अगर हम किसी व्यक्ति को कहते हैं तुम्हारी औकात क्या है, तो उसे बुरा लगता है। मगर कुछ नादान लोग कभी-कभी अपने पद के मद में या पैसे के गुरूर में लोगों को औकात दिखाने लगते हैं ।जबकि सच्चाई यह है कि इस दुनिया में किसी की कोई औकात नहीं है। औकात तो बस ऊपर वाले की। कोई भी व्यक्ति कुछ बनता है तो उसके पीछे उसका थोड़ा-बहुत परिश्रम होता है लेकिन उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि उसे बनाने के पीछे अनेक लोगों का खून-पसीना लगा है, इसलिए उसकी अपनी भी कोई औकात नहीं है। समाज एक- दूसरे के सहयोग से चलता है। कोई भी व्यक्ति आकाश से टपक कर अपने आप पुष्पित-पल्लवित नहीं होता ।बच्चा जब दुनिया में आता है तो उसकी अपनी कोई औकात नहीं होती कि अपने आप बड़ा होता जाए। उसके मां-बाप उसकी सेवा करते हैं, ज्ञान उसको शिक्षक देता है, उसे अच्छा प्रशिक्षण मिलता है तब धीरे-धीरे वह किसी योग्य बनता है। आईएएस, आईपीएस या कुछ और। सबके सहयोग से वह किसी बड़े पद तक पहुंचता है । लेकिन वहां पहुंच कर उसे अपनी मनुष्यता नहीं त्यागनी चाहिए । उसे समझना चाहिए कि वह जो कुछ भी है ,समाज की कृपा है। वरना इसकी क्या औकात थी। पिछले दिनों मध्यप्रदेश में एक ऐसी घटना हुई, जो पूरे देश में चर्चा का विषय बन गई । एक कलेक्टर में भरी सभा में एक ट्रक चालक को फटकारते हुए कहा, तुम्हारी औकात क्या है। कलेक्टर के बात करने का लहजा ठीक नहीं था तो ड्राइवर ने कहा कि आप किस तरह की बात कर रहे हैं । बस, कलेक्टर को बड़ा बुरा लगा। भला कलेक्टर से कोई जुबान लड़ा सकता है!! कलेक्टर भड़क गए और ड्राइवर से कहा, तुम्हारी औकात क्या है । जब कलेक्टर ने उसे फटकारा तो दौड़कर एक पुलिस अफसर ने भी चालक को जबरन बैठा दिया। अब तो हम सोशल मीडिया के दौर में हैं ।हर किसी के पास कैमरा है, तो वीडियो वायरल हो गया। बात मुख्यमंत्री तक पहुंची। इस घटना का सबसे उज्जवल पहलू यह है कि मुख्यमंत्री ने तत्काल ही उसे कलेक्टर को उसकी औकात बता दी ।उसे कलेक्टर के पद से दौरान हटाकर भोपाल बुला लिया। इस घटना से शायद कलेक्टर को ही अपने बारे में पता चल गया कि दरअसल उसकी भी कुछ औकात नहीं है। वह मुख्यमंत्री के हाथों की कठपुतली मात्र है। चाहे कलेक्टर हो एसपी हो,मंत्री हो, %एक्सवाईजेड% कोई भी हो, किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि वह अंततः साधारण मनुष्य ही है। वह जो कुछ भी बना है, उसके पीछे समाज का बड़ा योगदान है। उसकी जो भी हैसियत है, उसके पीछे घर-परिवार और समाज का योगदान है। इसलिए उसको सबका केवल ऋणी रहना चाहिए। ड्राइवर हो, चपरासी हो, या कोई चर्मकार, सबकी अपनी हैसियत है। किसी को छोटा समझने की मानसिकता ही यह बताती है कि आपकी कोई औकात नहीं है। कोई भी अधिकारी हो, लोकतंत्र में जनता का नौकर है। उसे वेतन मिलता है। वह भी वेतनभोगी अधिकारी है इसलिए उसे अपनी औकात समझनी चाहिए कि वह कोई दाता नहीं है। हाँ,उसे थोड़े-बहुत अधिकार लोकतंत्र ने दिए हैं ।वह मालिक तो कतई नहीं है । लेकिन जो अपनी औकात भूल जाते हैं, वही औकात की ज्यादा बात करते हैं । मुझे लगता है मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने एक सुंदर उदाहरण पेश किया है। इस उदाहरण के बाद कोई भी अधिकारी किसी से औकात की बात नहीं करेगा और बहुत सभ्य-शालीन तरीके से लोगों से पेश आएगा । बशर्ते वह ऐसे उदाहरण को याद रखे। बहरहाल, अपनी एक लघुकथा के साथअपनी बात यहीं खत्म करता हूं। इसका शीर्षक ही है औकात। एक सेठ के दो पुत्र थे। उसने सोच लिया था कि छोटे को गल्ले पर बिठाऊँगा, बड़े को कलेक्टर बनाऊँगा। पिता ने लड़के को समझाया गया कि कलेक्टर बड़ी ऊँची चीज होती है। तुमको कलेक्टर साहब बनना है। लड़के ने मन लगा कर दिन-रात पढाई की ।अंततः कलेक्टर बन गया। बनने के बाद वह बड़बड़ाया, साला मैं तो साहब बन गया। मुख्यमंत्री, मंत्री को वह सर-सर बोले, मगर कोई सामान्य व्यक्ति पास आए, तो उससे बदतमीजी करे। उसका तकियाकलाम हो गया था, तुम्हारी औकात क्या है? लोग परेशान ।अजीब किस्म का जीव है। हर समय औकात की बात करता है । शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुँची। मुख्यमंत्री मुस्कुराए और दूसरे दिन ही कलेक्टर को जिले से हटा कर सचिवालय में अटैच कर दिया। अब कलेक्टर को अपनी औकात भी समझ में आ चुकी थी।

युवाओं को एक सूत्र में बांधने का सशक्त माध्यम है राष्ट्रीय एकता शिविर

युवाओं को एक सूत्र में बांधता है राष्ट्रीय एकता शिविर: बृजमोहन

रायपुर। श्री अग्रवाल राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में हुए शामिलशिविर में 14 राज्यों के एनएसएस के प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा और दिखाया अपना कौशलभारत-सशक्त भारत, विकसित भारत आदर्श महाविद्यालय, सोमनी राजनांदगांव शिविर का आयोजन

उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल रविवार को अपने राजनांदगांव जिला प्रवास के दौरान स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, सोमनी राजनांदगांव में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में एक दूसरे को निकट से समझने एवं जानने का अवसर मिलता है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है ।उन्होंने कहा कि अलग भाषा

अलग भेष फिर भी अपना एक देश, जिस दिन सभी देशवासी क्षेत्रवाद की भावना से उठकर काम करेंगे उस दिन सही अर्थों में देश में एकजुटता आएगी और भारत को विश्व सिरमौर बनने से नहीं रोक सकते।

उल्लेखनीय है कि युवा भारत-सशक्त भारत, विकसित भारत थीम पर आधारित शिविर का आयोजन स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, सोमनी राजनांदगांव में हुआ जिसमे देश के 14 राज्यों के एनएसएस के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपना कौशल दिखाया।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

छग को रिमोट से चलाने से मंत्री भी व्यथित : वर्मा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में मंत्रियों के द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को सार्वजनिक तौर पर धमकाना साबित करता है कि प्रदेश की सरकार और केबिनेट को बाईपास करके किसी और के द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसमें इन मंत्रियों की भी कोई सुनवाई नहीं है। मोदी और शाह के अधिनायकवाद से छत्तीसगढ़ के भाजपा के नेता भी व्यथित हैं। जिस तरह से छत्तीसगढ़ के स्थानीय नेताओं के अधिकारों का गला घोटकर परंपरा के विपरीत छत्तीसगढ़ को केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर दिल्ली से रिमोट से संचालित किया जा रहा है, उससे विष्णुदेव सरकार के मंत्री भी व्यथित हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की बौखलाहट उसी का परिणाम है। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के शासन के साथ जंगलराज, अराजकता की वापसी हो गया है। अपनी ही सरकार में भाजपा के मंत्री तक अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। चर्चा तो यह भी है कि मंत्रियों तक को अपने अनुसार निजी कार्यालय में किसी कर्मचारी की पदस्थापना का अधिकार नहीं है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि हाल ही में 87 आईएएस आईपीएस अधिकारियों के तबादले को लेकर पीएमओ तक शिकायत सर्वविदित है।

छत्तीसगढ़ में अपराध के लिए कोई जगह नहीं : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा है कि कांग्रेस के संरक्षण में जिन अपराधियों को संरक्षण मिला, जिन अधिकारियों ने आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को संरक्षण दिया, वह अपराध का जंगल राज धीरे-धीरे पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। श्री गुप्ता ने अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे मेहनत करें और स्वाभिमान से जियें. अब छत्तीसगढ़ में अपराध के लिए कोई जगह नहीं बचेगी और प्रदेश कुछ ही दिनों में देखेगा कि आपराधिक मानसिकता कुचल दी जाएगी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि कांग्रेसियों को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी रीति-नीति, विचार, सिद्धांत और राष्ट्रवाद पर काम करती है. भारतीय जनता पार्टी का प्रमुख विषय राष्ट्रवाद का सिद्धांत और विचार है। उसके अनुरूप कार्य कर रहे हैं। श्री गुप्ता ने कांकेर जिला भाजपा उपाध्यक्ष असीम राय की नृशंस हत्या पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद की आड़ में जो टारगेट किलिंग हो रही है, उस हत्या में और उसके तहत राजनीतिक हत्या का संदेह है. नक्सलवाद की आड़. अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने वाले कुछ लोग बेनकाब होंगे। नक्सलवाद की आड़ में की गई इस हत्या, जिसमें राजनीतिक हत्या की प्रबल आशंका है।

कार्य में व्यवधान डालने वाले डॉक्टर की शिकायत

रायपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में सोमवार को आपात चिकित्सा विभाग में ड्यूटी के दौरान उपस्थित आपात चिकित्सा अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार धक्कामुक्की किये जाने का मामला प्रकाश में आया जिसके बाद आपात चिकित्सा अधिकारी ने इसकी शिकायत संयुक्त संचालक स्वास्थ्य व अस्पताल अधीक्षक से करते हुए जांच की मांग कर दोषी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सोमवार, 8 जनवरी को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अस्पताल के आपात चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय वर्मा ने संयुक्त संचालक एवं अंबेडकर अस्पताल के अधीक्षक से लिखित शिकायत करते हुए कहा कि जब वे कार्य पर उपस्थित होकर अपना कार्य कर रहे थे उसी दरम्यान डॉक्टर देवप्रिया लाकरा ने उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए उनके साथ धक्का-मुक्की की और कोहिनी से मारकर देख लेने की धमकी दी। डा. देवप्रिया लाकरा ने उनसे कहा कि मैं तुम्हें नौकरी से भी निकलवा सकती हूं। डा. वर्मा ने अपनी शिकायत में कहा है कि डा. लाकरा ने सभी कर्मचारियों के साथ मेरे साथ जो गाली-गलौज और दुर्व्यवहार किया है।

भाजपा हसदेव में कटाई पर अपनी स्थिति स्पष्ट करें: कांग्रेस

रायपुर। हसदेव अरण्य क्षेत्र में जंगलों की कटाई तत्काल रोकने और खदान की नीलामी को निरस्त करने की मांग करते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आदिवासी हितैषी होने का ढोंग करने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेता, भाजपा सरकार बनते ही तेजी से कट रहे हसदेव अरण्य के जंगलों पर अपना स्टैंड क्लियर करें। छत्तीसगढ़ के समृद्ध पर्यावरण और देश का फेफड़ा कहलाने वाला हसदेव अरण्य का सौदा आखिर भाजपाईयों के किस स्वार्थ के चलते किया? नो-गो एरिया में वनों की कटाई साय सरकार की मजबूरी है या मुनाफाखोरी? प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार के संरक्षण में अडानी की कंपनी हसदेव अरण्य में जंगलों की कटाई कर रहा है। हसदेव को बचाने के लिए आंदोलन कर रहे आदिवासियों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पुलिस गिरफ्तार कर जेल में बंद कर रही है, उन्हें डराया जा रहा है, धमकाया जा रहा है। दुर्भाग्य की बात है राज्य का मुखिया आदिवासी होने के बावजूद भी आदिवासियों की मांग को सुना नहीं जा रहा है। वन मंत्री केदार कश्यप को फाइल देखने की आवश्यकता नहीं है, कांग्रेस की सरकार ने विधानसभा में संकल्प पारित कर हसदेव अरण्य क्षेत्र में केंद्र सरकार के द्वारा कोल खनन के लिए जो नीलामी किया गया है उसे निरस्त करने की मांग की गई है।

प्रदेश में हत्या-लूट की घटनायें चिंताजनक : दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश में बढ़ गयी अपराधिक घटनायें पर कांग्रेस ने गहरी चिंता व्यक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा राज के एक महिने में ही छत्तीसगढ़ अपराध गढ़ बन गया है। राजधानी रायपुर से लेकर बस्तर तक लगातार हत्या, लूट, चाकूबाजी की घटनायें बढ़ गयी है। राजधानी में सरे आम चाकू मारकर युवक की हत्या कर दी गयी। एक दूसरी घटना में राजधानी में ही अपराधियों ने दौड़ा-दौड़ा कर युवक की हत्या कर दिया। जोरा में एक व्यक्ति को गोली मार दी गयी। कांकेर के पखांजूर में भाजपा नेता असीम राय की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। प्रदेश के हर शहर में चाकूबाजी, लूट की वारदाते आम हो गयी है। सरकार बदलते ही ऐसा लगने लगा है जैसे कानून का राज समाप्त हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बेहद ही दुर्भाग्यजनक है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार को बने अभी एक महिना नहीं हुये है प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हो गये है अपराधी बेलगाम हो चुके है सरेआम लोगो की हत्याएं की जा रही है गोलियां चल रही है। प्रदेश में एक बार फिर वहीं आतंक का दौर वापस आ गया है जो 2018 के पहले था गोलियां मार कर लोगो को लूटा जाता था अपराधी पकड़े नहीं जाते थे एक बार फिर से गोलिया चलायी गयी है अपराधी बैखोफ हो कर घूम रहे है यह भारतीय जनता पार्टी की जंगलराज है जो छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में फिर से वापस आ गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा

माता सावित्री बाई फुले की 193 वीं जयंती वृंदावन हॉल में मनाई गई

देश के विकास के लिए आधी आबादी को शिक्षित होना जरूरी- महादेव

रायपुर। सामाजिक संस्था यूनिटी फॉर सोशल जस्टिस के द्वारा माता सावित्री बाई फुले की 193 वीं जयंती वृंदावन हॉल में मनाई गई . इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईएएस महादेव कावरे , विशिष्ट अतिथि श्रम न्यायालय न्यायाधीश एसएल मात्रे , प्रमुख वक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता जन्मेजय सोना, मुख्य वक्ता ओडिशा प्रदेश से शिक्षाविद जितेंद्र सुना, वरिष्ठ समाज सेवी महेंद्र गजभिए, भारतीय सफाई कर्मचारी महासंघ प्रदेश अध्यक्ष नीलेश लंगोटे, युवा अधिवक्ता लीकेश सिंह और युवा अधिवक्ता गण एवं अन्य युवा उपस्थित थे.

इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक जागृति में भारत के प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले के योगदान के विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें पूरे प्रदेश के छात्र छात्रा शामिल हुए. प्रतियोगिता में राजनांदगांव की श्रुति मेश्राम बने प्रथम विजेता, ऑल इंडिया रेडियो में कार्यरत अदिति अग्रवाल द्वितीय विजेता एवं युवा महिला अधिवक्ता गायत्री साहू बनी तृतीय विजेता. इस कार्यक्रम में अतिथियों ने माता

सावित्री फुले के द्वारा नारी शसक्तिकरण और महिलाओं के लिए शिक्षा हेतु किए गए योगदान के ऊपर प्रकाश डाला .

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईएएस महादेव कावरे ने कहा कि नारी शिक्षा के जनक माता सावित्री बाई फुले है. देश में आज के शसक्त शिक्षित महिला के लिए माता सावित्री बाई फुले की योगदान को नही भुला जा सकता. देश के विकास के लिए आधी आबादी को शिक्षित होना जरूरी श्रम न्यायालय न्यायाधीश एवं कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों ने भी माता सावित्री फुले के जीवन संघर्ष के ऊपर प्रकाश डाला. सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, पाठ्य सामग्री और विबेताओ को पुरस्कार वितरण की गई .

राज्य उर्दू अकादमी के अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे इदरीस -हाईकोर्ट

बिलासपुर। एक अहम मामले में निर्णय सुनाते हुए हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ राज्य उर्दू अकादमी के अध्यक्ष इदरीस गांधी को बड़ी राहत दी है. कोर्ट ने उनके पद पर बने रहने का आदेश जारी किया है. जस्टिस एनके चन्द्रवंशी की एकलपीठ ने आज राज्य शासन को कड़ी फटकार लगाई. कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तीन साल के पहले इदरीस गांधी को नहीं हटाया जा सकता है.याचिकाकर्ता की ओर से न्यायालय के समक्ष पक्ष रखा गया कि क्लॉज 7 और 9 के तहत वैधानिक प्रावधान है, जिसके तहत तीन वर्ष के पूर्व पद से नहीं हटाया जा सकता और हटाने की जो वैधानिक प्रावधान है उनका पालन किए

बगैर मनमाने तरीके से नहीं हटाया जा सकता. ऐसे में उन्हें हटाना पूर्णतः अवैधानिक कार्रवाई है. कोर्ट ने कहा कि हटाने के किसी भी प्रकिया के पालन को राज्य सरकार ने नहीं किया है. न्यायालय ने उर्दू अकादमी के अध्यक्ष को कार्य करने की अनुमति दी है।

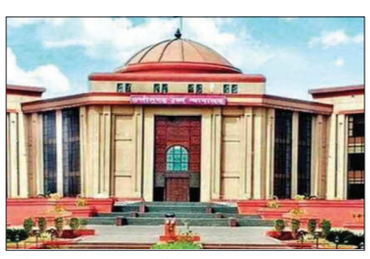

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.